FOCUS NEWS
फोकस न्यूज

facebook.com/fnind
x.com/fnind
focusnewsindia.blogspot.in

www.focusnews.co.in
@FocusnewsIn

...आपका अपना अखबार

राष्ट्रीय संस्करण। नई दिल्ली। सोमवार 28 अक्टूबर 2024। एकादशी/द्वादशी, कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष। 2081 विक्रम संवत । पेज – 12 । मूल्य 2 रु । वर्ष : 12। अंक : 102

देश में रचनात्मक ऊर्जा की लहर, एनिमेशन की दुनिया में मेड इन इंडिया छाया हुआ है: मोदी

पीएम ने 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों पर जताई चिंता, 'रूको,सोचो और एक्शन लो' का मंत्र दिया

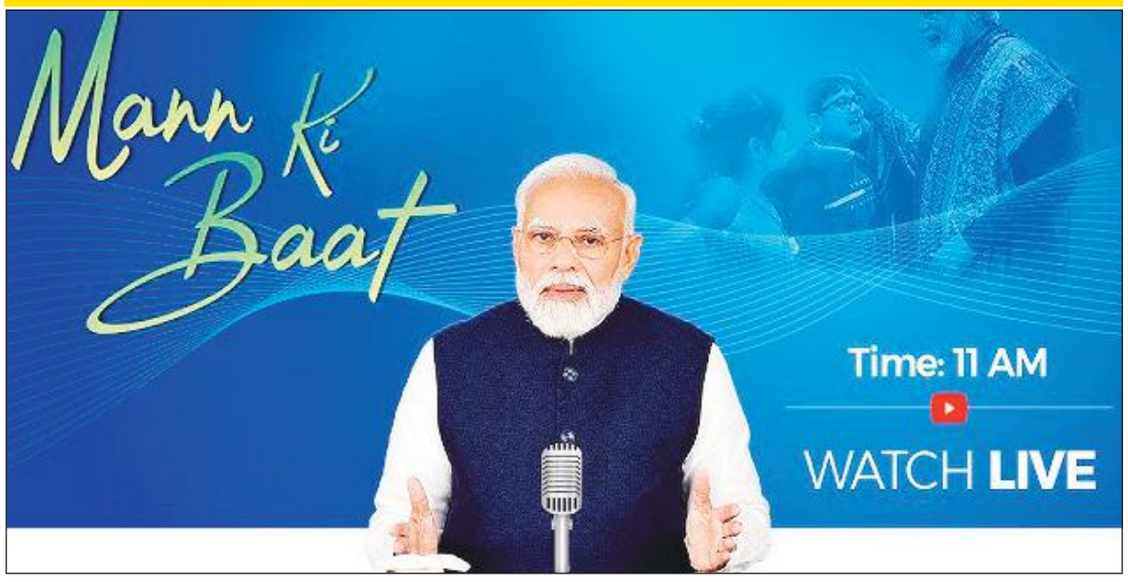

। कृष्णा अग्रवाल ।

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश के रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है और एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'मेड बाइ इंडियंस' छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि एनिमेशन की दुनिया में भारत नयी क्रांति की राह पर है जबकि गेमिंग स्पेस का भी यहां विस्तार हो रहा है और वह दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 150वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों से भारत को एनिमेशन की दुनिया की वैश्विक शक्ति बनाने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया। छोटा भीम, कृष्णा, हनुमान और मोटू–पतलू जैसे एनिमेशन चरित्रों की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दूसरे देश के बच्चों को भी खूब आकर्षित करते हैं और इन्हें चाहने वाले भी दुनियाभर में हैं। उन्होंने कहा, ''एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। भारत के गेमिंग स्पेस का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय गेम्स भी इन दिनों दुनिया–भर में लोकप्रिय हो रहे हैं।'' पिछले दिनों भारत के अग्रणी गेमर्स से हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए उन्होंने कहा, ''वाकई, देश में रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है। एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'मेड बाइ इंडियंस' छाया हुआ है।'' प्रधानमंत्री (शेष पेज दो पर)

हताशा-निराशा के युग की जगह आशा-संभावना ने ले ली है: धनखड़

गुवाहाटी, फोकस न्यूज, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि देश में हताशा और निराशा के पुराने दौर की जगह अब आशा और संभावना का माहौल है तथा देश वैश्विक स्तर पर एक ताकत के रूप में उभरा है। उन्होंने दावा किया कि सीमाओं के भीतर और बाहर ऐसी ताकतें होंगी जो नहीं चाहेंगी कि भारत वैश्विक शक्ति के रूप में उभरे। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को अपने कदमों से ऐसी ताकतों को जवाब देना होगा। 'कृष्णगुरु इंटरनेशनल स्पिरिचुअल यूथ सोसाइटी' के एक सम्मेलन में धनखड़ ने कहा, ''दस साल पहले, माहौल हताशा और निराशा का था। अब हम आशा और संभावना का माहौल देख रहे हैं। हमारे महापुरुषों और संतों के योगदान के कारण ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक स्तर पर एक शक्ति है।'' उन्होंने कहा, ''जब भारत का उत्थान हो रहा है, तो कुछ लोगों को चोट लगना स्वाभाविक है। कुछ लोग देश के भीतर हैं और कुछ बाहर...युवा इन लोगों को अपने अर्जित ज्ञान के माध्यम से जवाब देंगे और और इसका इस्तेमाल राष्ट्र के लिए करेंगे।''उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की आध्यात्मिक शक्ति भारत के उत्थान के केंद्र में है। उन्होंने युवाओं से आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलने और राष्ट्रवाद एवं आधुनिकता की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत और अन्य देशों के बीच अंतर ''हमारी 5,000 वर्षों की सांस्कृतिक विरासत है, जो दुनिया में अद्वितीय है, और जिसे हमारे महापुरुषों ने चुनौतियों का सामना करते हुए भी कायम (शेष पेज दो पर)

उज्जैन में संतों के लिए बनेगा स्थायी आश्रम, कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने सीएम मोहन यादव से की मुलाकात

मुख्यमंत्री मोहन यादव से प्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक गुरु प्रदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री निवास पर भेंट की।

टर्निंग पिचों पर खेलने से हमारे बल्लेबाजों का आत्मविश्वास प्रभावित हुआ है: हरभजन

हरभजन सिंह का मानना है कि भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग (स्पिनरों की मददगार) पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

रेलवे बोर्ड ने 'इंटरलॉकिंग' बिंदुओं के निरीक्षण के लिए 15 दिवसीय अभियान शुरू किया

रेलवे बोर्ड ने 23 अक्टूबर से देश के सभी रेल नेटवर्क पर 'इंटरलॉकिंग पॉइंट्स' और क्रॉसिंग के निरीक्षण के लिए 15 दिवसीय सुरक्षा अभियान शुरू किया है।

दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन किस दिन करें

दीपावली को लेकर पूरे देश में भ्रम की स्थिति है। शास्त्रों और विद्वानों के अपने–अपने मत है। कुछ विद्वान 31 अक्टूबर को दीपावली का समर्थन कर रहे है तो कुछ 1 नवम्बर को दीपावली मनाने के शास्त्रीय प्रमाण दे रहे है।

'नई पड़ोसन' की 'पूजा अयंगर', एक्ट्रेस महक चहल

नॉर्वेजियन अभिनेत्री और मॉडल महक चहल का जन्म 1 फरवरी 1979 को हुआ। महक ने अभिनय करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म 'नीथो' (2002) से की।

भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया: राजस्थान के राज्यपाल बागडे

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जीवंत संस्कृति वाले भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र है।

ट्राई का रेटिंग मंच डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करेगा

दूरसंचार नियामक ट्राई ने डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करने और उन्हें दर्जा देने के लिए एक 'रेटिंग मंच' बनाने का फैसला किया है।

इस संसार में हर जगह खुशियाँ ही खुशियाँ हैं। बस देखने का नजरिया बदलो...

अखबार में प्रकाशित हुआ कि डॉक्टर की बाइक से पेट्रोल चुराते इंजीनियर गिरफ्तार

इंजीनियर: अब तो देश में हमारी कितनी दयनीय स्थिति हो गई है 😜😜😜😜

दिवाली लक्ष्मी पूजा के लिए इतने घंटे का ही है शुभ मुहूर्त

इस साल दिवाली की तारीख को लेकर लोगों में काफी असमंजस की स्थिति है. दरअसल, इस बार फिर दिवाली की तारीख 31 अक्टूबर और 1 नवंबर आ रही है. ऐसे लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि वे किस दिन दिवाली मनाएं. तो आज हम आपको बताएंगे कि दीपावली का त्योहार मनाने के लिए कौन सा दिन सबसे अच्छा है। साथ ही जानेंगे लक्ष्मी पूजा का **शुभ मुहूर्त**.: कलावा, रोली, सिन्दूर, एक नारियल, अक्षत, लाल कपड़ा, फूल, पांच सुपारी, लौंग, पान के पत्ते, घी, कलश, कलश के लिए आम का पल्लव, चौकी, समिधा, हवन कुंड, हवन सामग्री, कमल गट्टे, पंचामृत (दूध) , दही, घी, शहद, गंगाजल), फल, बताशे, मिठाई, (शेष पेज दो पर)

सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है : शाह

कोलकाता, फोकस न्यूज, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के लोगों से 2026 के विधानसभा चुनावों में बदलाव लाने का आह्वान करते हुए कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही राज्य में शांति स्थापित की जा सकती है। पश्चिम बंगाल में पेट्रापोल भू पत्तन पर एक नए यात्री टर्मिनल भवन और एक 'मैत्री द्वार' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पश्चिम बंगाल के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। शाह ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में 2026 में बदलाव लाएं। हम घुसपैठ पर रोक लगाएंगे और राज्य में शांति सुनिश्चित करेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा, ''क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन (शेष पेज दो पर)

समाज के प्रति करुणा की भावना ने मुझे न्यायाधीश के रूप में बनाए रखा है: चंद्रचूड़

मुंबई, फोकस न्यूज, भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि समाज के प्रति उनकी करुणा की भावना ने ही एक न्यायाधीश के रूप में उन्हें निरंतरता प्रदान की, खासकर मामलों की पड़ताल जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, "पड़ताल का तत्व हमारे काम में शामिल है। इससे कोई भी चीज छूटती नहीं है। पड़ताल का यह तत्व हमारे न्यायालय के काम को निर्देशित करता है, लेकिन न्यायाधीश के रूप में हमें बनाए रखने वाली चीज उस समाज के प्रति हमारी करुणा की भावना है, जिसके लिए हम न्याय करते हैं।" वह 10 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उन्हें बम्बई उच्च न्यायालय में मुंबई के वकीलों के संघों द्वारा सम्मानित किया गया। उन्होंने एक ऐसे मामले का उल्लेख किया, जिसमें उस दलित छात्र को राहत दी गई थी, जो समय पर आईआईटी (शेष पेज दो पर)

दिवाली लाइट्स पर मिल रही है 80% तक की छूट, घर का हर कोना होगा जगमग, यहां मिल रही है सबसे सस्ती डील

दिवाली की शॉपिंग करनी है तो ऑनलाइप बेवसाइट्स पर तगड़ा डिस्काउंट मिल रहा है। दिवाली की लाइट्स, दीया और सजावटी सामान पर 85% तक की बंपर छूट मिल रही है। आप यहां से किफायती दामों में लाइट्स खरीद सकते हैं और दिवाली पर अपने घर को खूबसूरत लुक दे सकते हैं। आइये जानते हैं कहां क्या डील मिल रही है? कौन सी लाइट्स इस बार चलन में है और क्या डिस्काउंट मिल रहा है।

ऑनलाइन खरीदें दिवाली लाइट्स: कर्टेन लाइट्स– घर के अंदर पर्दे पर लगी लाइट्स बेहद खूबसूरत लुक देती हैं। दिवाली के लिए आप ऑलनाइन गणेश कर्टेन लाइट खरीद सकते हैं। जिसमें जगमग करते गणेश होंगे और साथ में लाइट होगी। इससे आपके घर की खूबसूरती कई गुना बढ़ जाएगी। इसके अलावा दीया स्टाइल कर्टेन लाइट और स्टार वाली कर्टेन लाइट्स भी ऑनलाइन काफी छूट के साथ मिल रही हैं। इन लाइट्स पर 85 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है।

फूल माला– दिवाली पर फूलों की सजावट बेहद खूबसूरत लगती है। आप इसके लिए ऑनलाइन फूलों की माला खरीद सकते हैं। गेंदे के (शेष पेज दो पर)

दिल्ली के इन बाजारों में होती है दिवाली की रौनक, 10–10 रुपए में मिल जाते हैं होम डेकोर आइटम

फेस्टिव सीजन में अक्सर लोग कपड़े, गहने और होम डेकोर का सामान खरीदते हैं। कुल मिलाकर शॉपिंग के बिना लोगों को होली–दिवाली जैसे त्योहार अधूरे लगते हैं। अगर आपको भी शॉपिंग करना पसंद है तो दिवाली से पहले आप दिल्ली के इन पॉपुलर मार्केट्स में जाने का प्लान बना सकते हैं। इन बाजारों से शॉपिंग कर आप अपने काफी पैसे बचा सकते हैं। यहां पर कपड़ों से लेकर ज्वेलरी और होम डेकोर के सामान तक, सभी चीजें काफी ज्यादा सस्ते में मिल सकती हैं।

सरोजनी मार्केट: सरोजनी मार्केट में कपड़ों की काफी ज्यादा वैराएटी देखने को मिल सकती है। अगर आपको भी दिवाली के लिए कपड़ों की शॉपिंग करनी है, तो आप सरोजनी मार्केट में जा सकते हैं। आपकी बार्गेनिंग स्किल्स की मदद से आप कम पैसों में ढेर सारी शॉपिंग कर पाएंगे। शॉपिंग के साथ–साथ इस मार्केट का स्ट्रीट फूड भी काफी पॉपुलर है।

चांदनी चौक मार्केट: चांदनी चौक मार्केट को दिल्ली के सबसे पुराने बाजारों में से एक माना जाता है। धनतेरस के दिन बर्तनों की खरीददारी करने के लिए भी आप चांदनी चौक मार्केट जा सकते हैं। यहां पर मिलने वाले लहंगे, ज्वेलरी और शेरवानी काफी ज्यादा पॉपुलर हैं। इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स के लिए भी चांदनी (शेष पेज दो पर)

पैन कार्डधारकों के लिए खुशखबरी पैन कार्ड है तो जल्दी देखें ये खबर.

पैन कार्ड धारकों के लिए बड़ी खबर! अगर आपने पैन कार्ड बनवाया है और अभी तक उसे आधार कार्ड से लिंक नहीं कराया है तो यह खबर आपके काम की है इसे ध्यान से पढ़ें। आपको बता दें केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में पैन कार्ड के लिए नए नियम लागू कर दिए हैं।

जिन नागरिकों ने पैन – आधार लिंकिंग प्रक्रिया को पूरा नहीं किया है उनकी समस्या अब खत्म होने वाली है। आइए इन नए नियमों की जानकारी नीचे लेख में विस्तार से जानते हैं।

पैन कार्ड के नए नियम: केंद्र सरकार ने कहा पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करना सबके लिए अनिवार्य है। सरकार ने नए निर्देश जारी किए की पैन कार्ड धारक तुरंत ही अपना पैन कार्ड आधार से लिंक करें। उस समय इस प्रक्रिया के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता था लेकिन बाद में शुल्क (शेष पेज दो पर)

नकली पनीर से सावधान, 1 मिनट में घर बैठे पहचानें असली है या नकली..

क्या आप भी पनीर के शौकीन हैं? क्या आपके तीज–त्योहार या शादी–ब्याह और जन्म दिन की पार्टी पनीर के बगैर अधूरी रहती है, तो प्रिय पाठक हमारी ये खबर खास आपके लिए ही लिखी गई है. जिस तरह पनीर के स्वाद के दीवाने यानी चीज लवर्स हों या कैटरिंग का काम करने वाले कैटरर्स, अगर मेनू में अगर पनीर होना कंपलसरी है, तब भी यह खबर आज आप सबको पढ़ना बेहद जरूरी है है. इस खबर को आप ध्यान से पढ़िए और सोशल मीडिया पर तब तक खूब शेयर कीजिए जब तक कि दीपावली और छठ पूजा का हमारा त्योहार सकुशल संपन्न न हो जाए. क्योंकि नकली खाद्य पदार्थों का धंधा करने वाले मुनाफाखोर आपकी और आपके परिवार या दोस्त–यारों की जिंदगी से खिलवाड़ न कर सके. इसलिए (शेष पेज दो पर)

देश में... (पेज एक का शेष) ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय प्रतिभाएं वैश्विक स्तर पर भी गेमिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने स्पाइडर मैन और ट्रांसफॉर्मर्स जैसी फिल्मों में भारतीय एनिमेटर हरि नारायण राजीव के योगदान की चर्चा की और कहा कि अब भारत के युवा मौलिक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जो देश की संस्कृति की झलक दर्शाती है। उन्होंने कहा, ''एनिमेशन क्षेत्र आज एक ऐसे उद्योग का रूप ले चुका है कि जो दूसरे उद्योगों को ताकत दे रहा है।'' प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' की इस कड़ी में 'डिजिटल पर्यटन' की बढ़ रही लोकप्रियता का भी जिक्र किया और युवाओं से अपनी सृजनात्मकता को विस्तार देने की अपील की। उन्होंने कहा, ''क्या पता दुनिया का अगला सुपर हिट एनिमेशन आपके कम्प्यूटर से निकले! अगला लोकप्रिय गेम आपकी रचना हो। शिक्षा के क्षेत्र में एनिमेशन का आपका नवोन्मेष बड़ी सफलता हासिल कर सकता है।'' प्रधानमंत्री ने 28 अक्टूबर को विश्व एनिमेशन दिवस का जिक्र करते हुए लोगों से भारत को एनिमेशन की दुनिया में पावरहाउस बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मोदी ने अपने संबोधन के दौरान आत्मनिर्भर भारत अभियान का भी उल्लेख किया और कहा कि यह देश की सामूहिक चेतना का हिस्सा बन गया है और पग–पग पर हमारी प्रेरणा बन गया है। उन्होंने कहा, ''आत्मनिर्भरता हमारी नीति ही नहीं, हमारा जुनून बन गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि दस साल पहले जटिल प्रौद्योगिकी को भारत में विकसित करने की बात पर कई लोगों को विश्वास नहीं होता था तो कई उपहास उड़ाते थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन आज वही लोग, देश की सफलता को देखकर अचंभे में रहते हैं। आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। मोदी ने कहा कि एक जमाने में भारत मोबाइल फोन आयात करता था और आज वह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माता बन गया है। उन्होंने कहा, ''कभी दुनिया में सबसे ज्यादा रक्षा उपकरण खरीदने वाला भारत आज, 85 देशों को निर्यात कर रहा है। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत आज, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना है।'' उन्होंने कहा, ''आत्मनिर्भरता का ये अभियान अब सिर्फ सरकारी अभियान नहीं है, अब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन अभियान बन रहा है। हम हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने इस कड़ी में लद्दाख के हानले में एशिया की सबसे बड़ी 'इमेजिंग टेलीस्कोप मेस' का उद्घाटन किए जाने का जिक्र किया कहा कि यह भी 'मेड इन इंडिया' है। इस उपलब्धि को 'आत्मनिर्भर भारत का सामर्थ्य' करार देते हुए उन्होंने श्रोताओं से कहा, ''सोचिए, जिस स्थान पर माइनस 30 डिग्री की ठंड पड़ती हो और जहां ऑक्सीजन तक का अभाव हो, वहां हमारे वैज्ञानिकों और स्थानीय उद्योग ने वो कर दिखाया है, जो एशिया के किसी देश ने नहीं किया।'' प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आत्मनिर्भर होते भारत के ज्यादा–से–ज्यादा उदाहरण और ऐसे प्रयासों को साझा करने का आग्रह किया और त्योहारों के इस मौसम में इस अभियान को 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र के साथ और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''हमें न सिर्फ भारत को आत्मनिर्भर बनाना है बल्कि अपने देश को नवोन्मेष के वैश्विक पावरहाउस के रूप में मजबूत भी करना है।''

हताशा-निराशा... (पेज एक का शेष) रखा है।'' उपराष्ट्रपति ने उल्लेख किया कि आध्यात्मिक नेता कृष्णगुरु ऐसे महापुरुषों में से थे जिन्होंने लोगों की चेतना को आकार दिया। धनखड़ ने यह भी कहा कि कृष्णगुरु सेवाश्रम की गतिविधियां केवल सम्मेलन आयोजित करने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके अन्य पहलू भी हैं जैसे कि इसके ट्रस्ट द्वारा संचालित विश्वविद्यालय, जो देश के युवाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की अनूठी आध्यात्मिक विरासत रामायण और महाभारत जैसे धर्मग्रंथों में समाहित है और युवाओं को इन ग्रंथों के ज्ञान का पता लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''नैतिक जीवन, निःस्वार्थ कर्म और कर्तव्य का महत्व– हमारे युवाओं को इन बातों को याद रखना चाहिए और उनके अनुसार अपना जीवन जीना चाहिए।'' उन्होंने देश की आर्थिक वृद्धि का भी उल्लेख करते हुए कहा, ''जब आप आध्यात्मिक जागृति के लिए प्रयास करते हैं, तो हमारे लिए एक और जागृति सामने आ रही है। यह भारत का क्रमिक और निरंतर उत्थान है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''भारत को सदियों तक दबाया गया और अब वह मुक्त हो गया है...एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद है, जहां हर युवा अपनी क्षमता का पता लगा सकता है और आगे बढ़ सकता है।'' धनखड़ ने कहा कि विशेष रूप से केंद्र की 'एक्ट ईस्ट नीति' पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र देश में हो रहे विकास का लाभ उठाने के लिए लाभप्रद स्थिति में है। उन्होंने कहा, ''पूर्वोत्तर का परिवर्तन समावेशिता की भावना का प्रमाण है। दशकों से इस क्षेत्र को विकास से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। बहुत कुछ किया गया है और काम प्रगति पर है।'' इस अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल समेत अन्य लोग मौजूद थे।

समाज के... (पेज एक का शेष) धनबाद में प्रवेश शुल्क का भुगतान नहीं कर सका था। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, ''लड़का हाशिये पर रहने वाले परिवार से था, वह 17,500 रुपये की प्रवेश फीस भी नहीं दे सका था। अगर हमने उसे राहत नहीं दी होती तो उसे कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलता। यही वह चीज है जिसने मुझे इतने सालों तक न्यायाधीश के रूप में बनाए रखा है।'' सीजेआई ने जोर देकर कहा, ''आप किसी नागरिक को राहत न देने के लिए तकनीकी प्रकृति के 25 कारण ढूंढ सकते हैं, लेकिन मेरे हिसाब से राहत देने के लिए एक ही औचित्य पर्याप्त है।'' न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत होने से पहले एक दशक से अधिक समय तक बम्बई उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य किया था।

नकली पनीर... (पेज एक का शेष) खास तौर पर हमने ये खबर बड़े विस्तार से लिखी है. दरअसल देश के कुछ घाघ लोगों और मिलावटखोरों ने त्योहारों पर जगह–जगह आपको बीमार करके अस्पताल पहुंचाने का इंतजाम कर लिया है. ऐसे हालात रोकने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार देशभर में छापेमारी और पनीर, मावा समेत सभी फूड आइटम्स की रैंडम सैंपलिंग करके उनका टेस्ट कर रहा है. उन टेस्ट के नतीजों में हालात बेहद चिंताजनक नजर आए हैं. इसी मुहिम में रोज हजारों किलो नकली पनीर और मावा बरामद हो रहा है. जिसकी लो क्वालिटी अच्छे–अच्छों का हाजमा बिगाड़ने के लिए काफी है.

कैसे पहचाने असली पनीर या नकली पनीर?: पनीर की मांग बढ़ी है, इसलिए इसे सिंथेटिक तरीके से तैयार किया जा रहा है. आपने अक्सर यह भी सुना होगा कि प्योर पनीर है या सिंथेटिक. आगे आपको बताएंगे कि आप घर बैठे बस 2 मिनट में असली–नकली की पहचान कर सकेंगे.

सवाल 1– सिंथेटिक पनीर होता क्या है?जबाव– यह नकली पनीर होता है. नकली पनीर के लिए पामोलिन तेल, ग्लिसरॉल मोनोस्टियरेट पाउडर, डिटर्जेंट पाउडर और सल्फ्यूरिक एसिड जैसे खतरनाक और जानलेवा केमिकल मिलाये जाते हैं. ये सारी चीजें सेहत को नुकसान पहुंचाती हैं. यही वजह है कि डॉक्टर भी मरीज को घर पर बना पनीर खाने की सलाह देते हैं.

सवाल 2– घर बैठे कैसे पता करें पनीर असली है या नकली?जवाब– पनीर की प्योरिटी चेक करने का सबसे आसान तरीका यह है कि इसे हाथ से मसलकर देखें. मिलावटी पनीर का चूरा बन जाएगा, क्योंकि यह पाउडर मिल्क से बनता है. जबकि प्योर पनीर के साथ ऐसा नहीं होगा.

सवाल 3– नकली पनीर खाने से आपको क्या–क्या नुकसान हो सकता है?जवाब– इसमें मौजूद केमिकल किडनी और लिवर को नुकसान पहुंचाते हैं. नकली सिंथेटिक पनीर खाने से पेटदर्द, डायरिया, एलर्जी और उल्टी की प्रॉब्लम हो सकती है.

घर में कैसे पहचाने असली पनीर?: 1. पनीर का एक टुकड़ा तोड़िए. अगर आसानी से हल्के हाथ से टूट जाए तो समझिए असली है. एगर टाइट हो रहा है या तोड़ने पर रबर की तरह खिंच रहा है तो समझिए मिलावट है. ऐसे ही खोया भी अगर आसानी से टूट जाए और मसलने के बाद हाथों में घी की खुशबू और टेस्ट आए तो समझिए असली है. खोया टूटकर बिखर जाए तो समझिए मिलावटी माल है.

2. आयोडीन टिंचर से पहचाने. पनीर या खोया का एक टुकड़ा 5 मिनट गर्म पानी में उबाल लें. ठंडा होने दे. पनीर या खोया के टुकड़े पर आयोडीन टिंचर की 4–6 बूंद डालें, पनीर या खोया का रंग नीला पड़ जाए तो इसका मतलब है कि पनीर या खोया नकली है या इसमें मिलावट की गई है. अगर रंग नहीं बदलता तो आप उसे खा सकते हैं.

3. पनीर पानी में डालकर उबाल लीजिए. जब ठंडा हो जाए तो सोयाबीन या अरहर की दाल मिक्सी में पीसकर बनाकर पाउडर छिड़क दें. फिर 15 मिनट के लिए छोड़ दें. अगर रंग लाल हो जाता है तो समझ लीजिए नकली है और संभव है कि उसमें यूरिया मिला हो.

दिवाली लाइट्स... (पेज एक का शेष) फूलों की रंग बिरंगी माला आपके घर को सजाने में मदद करेंगी। पूजा के मंदिर वाली वॉल पर आप ये मालाएं लटका सकते हैं। ऑनलाइन 10 माला के सेट पर 80 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है 250 रुपए तक में 10 माला आपको मिल जाएंगी।

दीया– रंग–बिरंगे दीए दिवाली पर घर की खूबसूरती में चार–चांद लगा देते हैं। आप ऑनलाइन एक से एक खूबसूरत दीया खरीद सकते हैं। आपको किफायती दामों में दीया स्टेंड और फूलों से सजे दीया मिल जाएंगे। मटका दीया भी काफी चलन में है। इन दीयों से अपने घर को सजाएं। टेबल और मेन गेट पर ये खूबसूरत दीए रखें।

कैंडल– दिवाली पर कैंडल जलाने का भी चलन है। आजकल अरोमा वाली कैंडल का काफी चलन है। आप किसी कॉर्नर में ये कैंडल जला सकते हैं। साथ ही फ्लोटिंग कैंडल भी ऑनलाइन खरीद सकते हैं। आपको अच्छी रेंज मिल जाएगी। किसी पॉट में पानी और फूलों के साथ ये कैंडल जला सकते हैं। दिवाली के लिए लड्डू कैंडल भी मार्केट में मिल रही हैं।

दिवाली लाइट्स– घर के बाहर लगाने के लिए ऑनलाइन साइट्स पर एक से एक खूबसूरत लाइट मिल रही हैं। 300–400 वाली लाइट्स सेल में 80–90 रुपए में मिल रही हैं। दिलावी के लिए मल्टी कलर लाइट, झालर स्टाइल ब्लू लाइट, बल्ब लाइट, फेयरी स्ट्रिंग लाइट्स, वाटर प्रूफ़ पाइप लाइट्स की अच्छी रेंज मिल रही है। आपको इन लाइट्स पर 80 प्रतिशत तक की छूट मिल रही है।

सीमा पार... (पेज एक का शेष) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है।'' शाह ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने के बाद से स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई कदम उठाने शुरू किए। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया, ''लेकिन बंगाल के लोगों को स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए फायदों से वंचित कर दिया गया। यह अभाव 2026 से बंद हो जाएगा।'' उन्होंने ''भ्रष्टाचार'' के मुद्दे पर राज्य में तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना की। शाह ने आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा पश्चिम बंगाल को भेजी गयी निधि का एक बड़ा हिस्सा राज्य में ''भ्रष्टाचार के कारण हड़प लिया गया।''

दिल्ली के... (पेज एक का शेष) चौक एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। इसके अलावा यहां पर आपको काफी कम पैसों में सर्दियों के कंबल की भी अच्छी खासी वैराएटी देखने को मिलेगी।

जनपथ मार्केट: अगर आप दिवाली के लिए कपड़े और ज्वेलरी की शॉपिंग करने के बारे में सोच रहे हैं, तो आप जनपथ मार्केट को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। इसके अलावा दिल्ली में स्थित इस पॉपुलर मार्केट में आपको पेंटिंग्स–हैंडीक्राफ्ट समेत घर को सजाने के लिए भी एक से बढ़कर एक चीज मिल जाएगी।

करोल बाग मार्केट और लाजपत नगर मार्केट भी दिल्ली के सबसे पॉपुलर और सस्ते बाजारों में से एक हैं। दिल्ली के इन बाजारों से शॉपिंग कर आप अच्छे खासे पैसे बचा सकते हैं।

पैन कार्डधारकों... (पेज एक का शेष) प्रक्रिया शुरू हो गई। अगर कोई व्यक्ति इस प्रक्रिया को पूरा नहीं करेगी तो उसका पैन कार्ड ख़राब हो जाएगा। लेकिन जब से सरकार ने नया नियम लागू किया है नागरिकों को बहुत राहत प्राप्त हुई है। इस प्रक्रिया के तहत अब जो नागरिकों पैन कार्ड बनाते हैं तो आधार कार्ड से उसी दौरान लिंकिंग प्रक्रिया भो हो जाती है। सरकार ने पैन कार्ड की जानकारी देते हुए कहा है की जिन नागरिकों ने हालिया में आपने पैन कार्ड हेतु आवेदन किया है या फिर हाल ही में आपका पैन कार्ड बनकर आया है तो उसे आपको अलग से आधार कार्ड से लिंक कराने की जरूरत नहीं है। सरकार ने जो नया नियम जारी किया है उसके तहत जब आप अपना पैन कार्ड बनवाते हैं तो उसी समय आपका आधार लिंकिंग की प्रक्रिया भी पूर्ण हो जाती है। इसलिए अब आपको फिर से लिंकिंग की प्रक्रिया नहीं करनी होगी। अगर आपने सरकार के नियम लागू होने से पहले अपना पैन कार्ड बनाया था लेकिन अभी तक आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है तो जल्द ही यह काम पूरा करा लें। वरना बाद में ही आपको परेशानी आ सकती है। अगर आप इसे अंतिम तिथि से पहले लिंक नहीं कराते हैं तो आपका पैन कार्ड इनवैलिड हो जाएगा। लेकिन अगर अपने अभी तक आधार–पैन लिंकिंग नहीं किया है तो आपके लिए बढ़िया जानकारी है। जो नए पैन कार्ड धारक है उन्हें यह प्रक्रिया कराने की जरूरत नहीं है क्योंकि जब आपका पैन कार्ड बनता है तो उस समय ही आधार कार्ड लिंक हो जाता है। इसलिए आपको फिर से लिंकिंग प्रक्रिया नहीं करनी होगी। इसके लिए आपको किसी भी प्रकार का अतिरिक्त चार्ज नहीं करना पड़ता है।

दिवाली लक्ष्मी... (पेज एक का शेष) पूजा का आसन, हल्दी, अगरबत्ती, कुमकुम, इत्र, दीपक, रुई, आरती यदि पूजा सामग्री में थाली कुशा, रक्त चंदन, श्रीखंड चंदन शामिल करना चाहिए। लक्ष्मी गणेश की पूजा करनी चाहिए.

साल 2024 में दिवाली कब है?: हिंदू पंचांग के अनुसार, दिवाली का त्योहार हर साल कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस बार अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3:52 बजे शुरू हो रही है। अमावस्या तिथि 1 नवंबर को शाम 5:13 बजे समाप्त होगी। ऐसे में दिवाली 31 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी. 31 अक्टूबर को दिवाली मनाना अधिक शुभ फलदायी रहेगा. हालांकि, कई जगहों पर दिवाली का त्योहार 1 नवंबर को मनाया जाएगा. दिवाली 31 अक्टूबर को मनाई जानी चाहिए क्योंकि इस दिन रात में अमावस्या रहेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या की रात मां लक्ष्मी धरती पर आती हैं और भक्तों के घर जाती हैं।

लक्ष्मी पूजा 2024 शुभ मुहूर्त: पंचांग के अनुसार कार्तिक मास की अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3:52 बजे से 1 नवंबर को शाम 5:13 बजे तक रहेगी. दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का सर्वोत्तम समय सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल और स्थिर लग्न में होता है। ये सभी मुहूर्त 31 अक्टूबर को ही मिलेंगे। दिवाली पूजा का पहला मुहूर्त प्रदोष काल– शाम 5:36 बजे से शाम 6:15 बजे तक। स्थिर लग्न में वृषभ लग्न मुहूर्त– शाम 6:28 बजे से रात 8:24 बजे तक। सिंह लग्न का मुहूर्त– दोपहर 12:56 बजे से 3:10 बजे तक रहेगा.

Although every possible care and caution has been taken to avoid errors or omissions, this publication is being sold on the condition and understanding that information given in this publication is merely for reference and must not be taken as having the authority of or binding in any way on the writers, editors, publishers, and printers and sellers who do not owe any responsibility for any damage or loss to any person, a purchaser of this publication or not for the result of any action taken on the basis of this work. All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent court and forums in Delhi/New Delhi only

Published, Printed, Edited and Owned by Krishna Aggarwal Published from New Delhi, Tel- 011-43560023 E-mail- info@focusnews.co.in, focusnews9@gmail.com
RNI NUMBER - DELBIL/2013/56173, Printed from Vibha Publication Pvt Ltd- D-160 B, Noida Phase - I, Uttar Pradesh - 201301

हरविंदर कल्याण सर्वसम्मति से हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष, कृष्ण लाल मिड्ढा उपाध्यक्ष चुने गए

चंडीगढ़, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक हरविंदर कल्याण और कृष्ण लाल मिड्ढा को शुक्रवार को यहां सर्वसम्मति से हरियाणा विधानसभा का क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुन लिया गया। सत्रह अक्टूबर को नायब सिंह सैनी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद 15वीं विधानसभा का यह पहला सत्र था। नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलाने तथा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सदन में कल्याण के नाम का एक प्रस्ताव रखा, जबकि भाजपा विधायक रणबीर गंगवा ने प्रस्ताव का समर्थन किया। कल्याण करनाल जिले के घरौंडा से तीन बार के विधायक हैं। मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने जींद से भाजपा विधायक मिड्ढा के नाम का प्रस्ताव रखा और सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक घनश्याम दास ने इसका समर्थन किया, जिसके बाद मिड्ढा को सर्वसम्मति से विधानसभा उपाध्यक्ष चुन लिया गया। कल्याण (57) पेशे से एक सिविल इंजीनियर हैं, जबकि मिड्ढा (54) के पास आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी में स्नातक की डिग्री है। कल्याण को विधानसभाध्यक्ष चुने जाने से पहले प्रोटेम स्पीकर एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रघुवीर सिंह कादियान ने सैनी और 90 सदस्यीय विधानसभा के अन्य नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायी। विधायकों को शपथ दिलाये जाने के बाद सदन को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि मौजूदा सरकार विकास की गति को और तेज करने के लिए काम करेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से जनहित में दिए जाने वाले सुझावों का हमेशा स्वागत है और वे लोगों की उम्मीदों, आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। कल्याण के विधानसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद हुड्डा ने आसन को संबोधित करते हुए कहा, ''अध्यक्ष का यह कर्तव्य है कि विपक्ष को अपनी बात रखने का मौका मिले। हम सहयोग देने के लिए तैयार हैं, हम हमेशा तैयार रहेंगे।'' इससे पहले विधायकों को शपथ दिलाये जाने से पहले कांग्रेस नेता हुड्डा और बी बी बत्रा ने सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य रघुवीर सिंह कादियान (80) को प्रोटेम स्पीकर की जगह कार्यवाहक स्पीकर कहे जाने पर आपत्ति जतायी। बत्रा ने पूछा, ''किस नियम, किस उपनियम में कार्यवाहक स्पीकर शब्द लिखा है?'' हुड्डा ने कहा कि वे खुद छह बार विधायक और चार बार सांसद रह चुके हैं, "लेकिन पहली बार मैं प्रोटेम स्पीकर की जगह कार्यवाहक अध्यक्ष शब्द सुन रहा हूं।'' हुड्डा ने कहा, ''यह आसन का अपमान है, संवैधानिक रूप से यह अनुचित कार्य है... इसे बदला जाना चाहिए।'' इस पर हस्तक्षेप करते हुए सैनी ने कहा कि कार्यवाहक अध्यक्ष शब्द का इस्तेमाल कांग्रेस के समय भी होता रहा है, जिस पर हुड्डा ने तर्क दिया कि अगर गलत शब्दावली का इस्तेमाल किया गया था तो उस समय इस पर ध्यान दिलाया जाना चाहिए था। सैनी ने कहा कि रिकॉर्ड में सुधार किया जाएगा, जिसके बाद कादियान ने कहा, ''सदन की भावना से सहमत हूं।'' इस बीच, इंद्री से विधायक भाजपा राम कुमार कश्यप विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे।

प्रोटेम स्पीकर ने सबसे पहले सैनी (54) को शपथ दिलायी। सैनी के बाद, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों – अंबाला कैंट से सात बार के विधायक अनिल विज, इसराना विधायक कृष्ण लाल पंवार, बादशाहपुर विधायक राव नरबीर सिंह, पानीपत ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा, फरीदाबाद विधायक विपुल गोयल, गोहाना विधायक अरविंद शर्मा और रादौर विधायक श्याम सिंह राणा को प्रोटेम स्पीकर ने शपथ दिलायी। शपथ लेने वाले अन्य मंत्रियों में तोशाम विधायक श्रुति चौधरी, अटेली विधायक आरती सिंह राव, तिगांव विधायक राजेश नागर और पलवल विधायक गौरव गौतम शामिल थे। मंत्रिपरिषद के बाद महिला विधायकों को शपथ दिलायी गई। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बिमला चौधरी, कृष्णा गहलावत और शक्ति रानी शर्मा, कांग्रेस की गीता भुक्कल, मंजू चौधरी, पूजा, शकुंतला खटक और ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट और निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल शामिल थीं। खेल जर्सी पहने फोगाट ने शपथ लेने के बाद 'जय जवान, जय किसान, जय खिलाड़ी, जय नौजवान और जय हरियाणा' कहा। शपथ ग्रहण करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा ने मुख्यमंत्री सैनी और विज (जो दोनों एकसाथ बैठे थे) से हाथ मिलाकर अभिवादन किया। संस्कृत में शपथ लेने वाले विधायकों में मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और अन्य भाजपा विधायकों जगमोहन आनंद, राम कुमार कश्यप, ओम प्रकाश यादव, घनश्याम दास और लक्ष्मण सिंह यादव शामिल थे। अंग्रेजी में शपथ लेने वाले विधायकों में भाजपा की श्रुति चौधरी, इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के अर्जुन चौटाला, कांग्रेस के मंदीप चड्ढा, अकरम खान, आफताब अहमद और बी बी बत्रा शामिल हैं। कांग्रेस के मोहम्मद इलियास ने उर्दू में और कांग्रेस के शीशपाल केहरवाला ने पंजाबी में शपथ ली। पांच अक्टूबर को हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 48 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की, जबकि कांग्रेस ने 37 सीट जीतीं। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने दो सीट जीतीं और तीन निर्दलीय भी निर्वाचित हुए। कल्याण के अध्यक्ष पद संभालने पर मुख्यमंत्री एवं सदन के नेता सैनी ने कल्याण को बधाई दी और उनके व्यापक अनुभव, विशिष्ट कार्यशैली और विनम्रता जैसे सराहनीय व्यक्तिगत गुणों की प्रशंसा की। सैनी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लगातार तीसरी बार जनता का जनादेश हासिल करने वाली भाजपा सरकार ने जनसेवा के प्रति अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस सदन का प्रत्येक सदस्य जनसेवा के प्रति समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सभी सदस्यों के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। सैनी ने कहा कि 15वीं विधानसभा में 90 सदस्यों में से 40 पहली बार निर्वाचित हुए हैं। उन्होंने पहली बार चुनकर आए विधायकों को बोलने और चर्चाओं में सार्थक योगदान देने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 14वीं विधानसभा में नौ महिलाएं निर्वाचित हुई थीं और यह गर्व की बात है कि वर्तमान विधानसभा में यह संख्या बढ़कर 13 हो गई है। सैनी ने मिड्ढा को उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और कहा कि हरियाणा के इतिहास में पहली बार एक इंजीनियर को अध्यक्ष और एक चिकित्सक को उपाध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन राज्य में विकास की गति को और तेज करेगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि कार्यवाही के सुचारू संचालन के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरी ईमानदारी से बनाए रखा जाएगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों से सदन के कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक–दूसरे का सहयोग करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखने में प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण है।

हरियाणा में सैनी एवं अन्य नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायी गई

चंडीगढ़, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य नवनिर्वाचित विधायकों को 15वीं राज्य विधानसभा के सदस्य के रूप में शपथ दिलायी गई। प्रोटेम स्पीकर एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रघुवीर सिंह कादियान ने नवनिर्वाचित विधायकों को शपथ दिलायी। पंचकूला में 17 अक्टूबर को हरियाणा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले सैनी पहले व्यक्ति थे जिन्हें प्रोटेम स्पीकर ने शपथ दिलायी। सैनी के बाद, उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों – अंबाला कैंट से सात बार के विधायक अनिल विज, इसराना विधायक कृष्ण लाल पंवार, बादशाहपुर विधायक राव नरबीर सिंह, पानीपत ग्रामीण विधायक महिपाल ढांडा, फरीदाबाद विधायक विपुल गोयल, गोहाना विधायक अरविंद शर्मा और रादौर विधायक श्याम सिंह राणा को प्रोटेम स्पीकर ने शपथ दिलायी। मंत्रियों में बरवाला विधायक रणबीर गंगवा, नरवाना विधायक कृष्ण कुमार बेदी, तोशाम विधायक श्रुति चौधरी, अटेली विधायक आरती सिंह राव, तिगांव विधायक राजेश नागर और पलवल विधायक गौरव गौतम को शपथ दिलायी गयी। बेदी ने संस्कृत में शपथ ली, जबकि चौधरी ने अंग्रेजी में शपथ ली। मंत्रिपरिषद के बाद महिला विधायकों को शपथ दिलायी गई। इनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक बिमला चौधरी, कांग्रेस विधायक एवं पूर्व मंत्री गीता भुक्कल, भाजपा विधायक कृष्णा गहलावत, कांग्रेस विधायक मंजू चौधरी, कांग्रेस विधायक पूजा, निर्दलीय विधायक सावित्री जिंदल, भाजपा विधायक शक्ति रानी शर्मा, कांग्रेस विधायक शकुंतला खटक और कांग्रेस विधायक एवं ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट शामिल थीं।

उज्जैन में संतों के लिए बनेगा स्थायी आश्रम, कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने सीएम मोहन यादव से की मुलाकात

भोपाल। फोकस न्यूज। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से प्रसिद्ध कथावाचक और आध्यात्मिक गुरु प्रदीप मिश्रा ने मुख्यमंत्री निवास पर भेंट की। मुख्यमंत्रक्षी मोहन यादव ने इस दौरान शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ से पंडित प्रदीप मिश्रा का स्वागत किया और आशीर्वाद लिया। इस दौरान प्रदीप मिश्रा ने भी शॉल पहनाकर सीएम मोहन यादव का अभिनंदन किया। प्रदीप मिश्रा ने इस दौरान सीएम मोहन यादव को उज्जैन में साधु–संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर इत्यादि को स्थायी आश्रम बनाने की अनुमति दिए जाने पर आभार व्यक्त किया।

सीएम मोहन यादव से मिले कथावाचक प्रदीप मिश्राः प्रदीप मिश्रा ने इस दौरान उज्जैन तीर्थ विकास एवं संतों के प्रति संवेदनशीलता के लिए मुख्यमंत्री को साधुवाद भी दिया। गौरतलब है कि सोमवार को सिंहस्थ 2028 को लेकर प्रेस वार्ता में सीएम मोहन यादव ने घोषणा की थी कि उज्जैन की पहचान साधु संतों से है। हरिद्वार में जिस प्रकार साधु–संतों के अच्छे आश्रम बने हुए हैं। उसी प्रकार विकास के क्रम को जारी रखते हुए उज्जैन में भी साधु–संतों के स्थायी आश्रम बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे। उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से इस बड़ी योजना को आकार दिया जाएगा।

सीएम मोहन यादव ने कही ये बातः सीएम मोहन यादव ने कहा कि सभी साधु–संतों, महंत, अखाड़ा प्रमुखों, महामंडलेश्वर सभी को आमंत्रित कर उनके स्थायी आश्रण बनाने की दिशा में काम करेंगे। सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए सड़क, बिजली, पेयजल, जल निकाली इत्यादि मूलभूत सुविधाओं के लिए भी स्थायी अधोसंरचना का निर्माण किया जाएगा, ताकि अस्थायी निर्माण से होने वाली समस्याएं निर्मित ना हो। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि हरिद्वार में जिस प्रकार साधु –संतों के अच्छे आश्रम बने हुए हैं, उसी प्रकार विकास के क्रम को जारी रखते हुए उज्जैन में भी साधु संतों के स्थायी आश्रम बनाने के प्रयास किए जाएंगे।

विदेश सचिव ने संसदीय समिति के समक्ष इजराइल–फलस्तीन मामले पर प्रस्तुति दी

नयी दिल्ली, (भाषा) विदेश सचिव विक्रम मिस्री के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने एक संसदीय समिति को बताया कि वर्तमान में लगभग 30,000 भारतीय नागरिको के इजरायल में होने का अनुमान है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। विदेश मामले से संबंधित स्थायी समिति की बैठक में कुछ सदस्यों ने लद्दाख क्षेत्र में सीमा संकट के समाधान के लिए भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए समझौते और भारत–कनाडा संबंधों में कड़वाहट के विषय भी उठाए। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने समिति से कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के तहत निर्माण क्षेत्र के लगभग 9,000 श्रमिक और 700 कृषि श्रमिक वहां गए हैं। मंत्रालय ने वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की मदद करने के अपने प्रयासों पर प्रकाश डाला। विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा व्यक्त किए इस रुख को दोहराया कि भारत चाहता है कि संकट को बातचीत के माध्यम से हल किया जाए।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस सदस्य शशि थरूर की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति की बैठक में कुछ सदस्यों ने लद्दाख क्षेत्र में सीमा संकट के समाधान के लिए भारत और चीन के बीच हाल ही में हुए समझौते और भारत–कनाडा संबंधों में कड़वाहट के विषय भी उठाए। अधिकारियों ने बैठक में दो मुद्दों पर संक्षिप्त टिप्पणियां कीं। बैठक के बाद थरूर ने कहा कि यह एक सार्थक बैठक थी और इसमें इजराइल और फलस्तीन पर भारत के रुख पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने कहा, "विदेश सचिव ने हमें विस्तार से जानकारी दी। हमने छोटे मुद्दों पर भी चर्चा की, जहां उन्होंने सदस्यों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों, भारत–कनाडा और भारत–चीन संबंधों में हाल के घटनाक्रमों पर भी संक्षिप्त जानकारी दी।" थरूर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि समिति की बैठक के दौरान प्रश्न और उत्तर सत्र काफी विस्तृत था, जिसमें संघर्ष के सभी पहलुओं को शामिल किया गया था। उन्होंने मिस्री और भारतीय कूटनीतिज्ञों को धन्यवाद दिया।

सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि भारत–चीन समझौता 2020 में सीमा संकट से पहले की स्थिति को बहाल करेगा। उन्होंने बताया कि एक विपक्षी सांसद ने पूछा कि क्या भारत ने इस संघर्ष में इजराइल के प्रति झुकाव दिखाया है।प्रतिनिधिमंडल ने संसदीय समिति के समक्ष अपनी प्रस्तुति में फलस्तीनी शरणार्थियों की मदद के लिए फलस्तीनी अधिकारियों और संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी को भारत की मानवीय सहायता का विवरण दिया। मिस्री ने इजराइल के साथ–साथ फलस्तीन के साथ भारत के संबंधों की बात की। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी प्रस्तुति में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 7 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजराइली नागरिकों को निशाना बनाने की निंदा की है और फलस्तीन के एक अस्पताल में नागरिको हताहत होने पर भी चिंता व्यक्त की । मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल द्वारा समिति को बताया गया कि युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने 'ऑपरेशन अजय' के तहत 1,300 से अधिक भारतीय नागरिकों और कुछ नेपाली नागरिकों को इजराइल से निकाला।

आदर्श आचार संहिता से वायनाड में पुनर्वास कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिएः उच्च न्यायालय

कोच्चि, (भाषा) केरल उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया कि 13 नवंबर को होने वाले लोकसभा उपचुनाव से पहले वायनाड में लागू हुई आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) से पर्वतीय जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में किये जा रहे पुनर्वास कार्यों पर प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए। न्यायमूर्ति ए. के. जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति श्याम कुमार वी एम की खंडपीठ ने 30 जुलाई को वायनाड में हुए भूस्खलन के बाद उच्च न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लेकर शुरू किए गए मामले में यह निर्देश जारी किया। पीठ ने निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि वायनाड में चुनाव अभियान हरित प्रोटोकॉल के अनुसार चलाया जाए, जिसमें क्षेत्र के पर्यावरण और पारिस्थितिकी के हित को ध्यान में रखा गया है। यह आदेश न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता राजिथ थम्पन द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर विचार करने के बाद पारित किया गया। न्यायमित्र की रिपोर्ट के अनुसार यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल निर्देश जारी करने की आवश्यकता है कि एमसीसी के प्रभावी होने पर वायनाड जिले में किये जा रहे पुनर्वास और राहत कार्य किसी भी तरह से बाधित या प्रभावित न हों। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 30 अक्टूबर तय की गई।

दिल्ली यातायात पुलिस ने प्रदूषण नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई तेज की

नयी दिल्ली, दिल्ली यातायात पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में खराब होती वायु गुणवत्ता से निपटने के लिए बिना प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाली गाड़ियों और पुराने वाहनों पर नकेल कसने का अभियान तेज कर दिया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस हफ्ते की शुरुआत में, शहर में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी)–दो लागू हो गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि फील्ड में मौजूद सभी यातायात कर्मियों को मास्क उपलब्ध करा दिए गए हैं और कार्रवाई तेज कर दी गई है। अधिकारी ने कहा, "हम दिल्ली की सीमाओं पर दूसरे राज्य जाने वाले वाहनों की जांच कर रहे हैं। यह कवायद चौबीसों घंटे चल रही है। ऐसे वाहन जिन्हें शहर में नहीं रुकना हैं, उन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों से वापस भेजा जा रहा है। अधिकारी यह जांचने के लिए निर्माण स्थलों का भी दौरा कर रहे हैं कि सामग्री को ढका जा रहा है या खुला रखा गया है।" एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुराने वाहनों पर भी कार्रवाई की जा रही है। अधिकारी ने बताया, "प्रदूषण प्रमाण पत्र के बिना चलने वाले वाहनों का चालान किया जा रहा है। हर दिन करीब 2,000 चालान जारी किए जा रहे हैं।" दिल्ली में शुक्रवार को वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ और यह 'खराब' श्रेणी में पहुंच गई, हालांकि सुबह के समय शहर में धुंध की मोटी परत छाई रही।

निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन करने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष पदमुक्त

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रयागराज (गंगापार) के जिला अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव को विधानसभा उप चुनाव में फूलपुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए शुक्रवार को पद से हटा दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने सुरेश चन्द्र यादव के नाम जारी एक पत्र में कहा, "पार्टी नेतृत्व के निर्णय के विरुद्ध फूलपुर विधानसभा उप चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन प्रत्याशी के विरोध में नामांकन पत्र दाखिल करने पर आपको जिला कांग्रेस कमेटी प्रयागराज (गंगापार) के पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त किया जाता है।" अजय राय ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा कि सुरेश चन्द्र यादव को पद से हटाए जाने के साथ ही उनसे 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण भी देने को कहा गया है। जिले के गंगापार झूंसी के ग्राम सोनौटी के रहने वाले सुरेश चन्द्र यादव ने बृहस्पतिवार को जिला कलेक्ट्रेट में फूलपुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया था।

न्याय की देवी मूर्ति के कई हाथ होने चाहिए थे और उनमें हथियार होने चाहिए थेः मीनाक्षी लेखी

नयी दिल्ली, (भाषा) पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कुछ शक्तियों द्वारा देश को अस्थिर करने के लिए जाति और धर्म को हथियार बनाये जाने पर शुक्रवार को चिंता जताई और कहा कि वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए उच्चतम न्यायालय में 'न्याय की देवी' की नई मूर्ति के कई हाथ होने चाहिए थे और उन हाथों में हथियार होने चाहिए थे। लेखी की यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय में नयी 'न्याय की मूर्ति' लगाये जाने के कुछ दिनों बाद आई है। न्यायाधीशों के पुस्तकालय में छह फुट ऊंची यह नयी मूर्ति लगायी है जिसके एक हाथ में तराजू और दूसरे हाथ में संविधान है। उसके हाथ में तलवार नही है। पारंपरिक सफेद पोशाक पहनी इस नयी 'न्याय की देवी' की आंखों पर से पट्टी हटा दी गयी है और उसके हाथों में तलवार भी नहीं है। उसके सिर पर एक मुकुट है। यहां चाणक्य रक्षा संवाद 2024 को संबोधित करते हुये लेखी ने कहा, ''नई मूर्ति को लेकर विवाद चल रहा है। कुछ लोग कह रहे हैं कि यह एकतरफा फैसला था। मैं इसे पूरी तरह से व्याख्या कहूंगी।'' पेशे से वकील लेखी ने यह भी कहा कि पुरानी मूर्ति भारतीय परिप्रेक्ष्य से न्याय की देवी या न्याय की अवधारणा को प्रतिबिंबित नहीं करती है। उन्होंने कहा, ''इसलिए, कोई यह कह सकता है कि नवीनतम घटनाक्रम सकारात्मक है। मैं यहां तक कहूंगी कि इसे बदलने के बजाय, हम इसकी एक आंख पर पट्टी बांध सकते थे... हम तलवार भी रख सकते थे।'' लेखी ने कहा, ''हम देवी को कई भुजाओं के साथ देखने के आदी हैं।

कृषि क्षेत्र में भारत और जिका के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता : कृषि सचिव

नयी दिल्ली, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी ने भारत और जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जिका) के बीच खेती और संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की वकालत की। जिका ने ड्रोन और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को भारतीय कृषि में जगह देने के लिए सहयोग में दिलचस्पी जताई है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, जिका इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि ताकुरो ताकेयूची ने कृषि सचिव से एक शिष्टाचार मुलाकात की। चतुर्वेदी ने ताकेयूची को इस नियुक्ति पर बधाई देने के साथ ही उम्मीद जताई कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में भारत और जिका के बीच सहयोग बढ़ाने का रास्ता साफ होगा। सचिव ने मौजूदा समय में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में जिका के सहयोग से चल रही तीन परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि अन्य राज्यों में भी आगे सहयोगात्मक परियोजनाएं शुरू किए जाने की संभावना है। चतुर्वेदी ने भारत को 'वैश्विक खाद्य टोकरी' के रूप में विकसित करने के प्रधानमंत्री के संकल्प को दोहराया।

निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन करने पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष पदमुक्त

प्रयागराज, (भाषा) उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रयागराज (गंगापार) के जिला अध्यक्ष सुरेश चन्द्र यादव को विधानसभा उप चुनाव में फूलपुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए शुक्रवार को पद से हटा दिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने यादव के नाम जारी एक पत्र में कहा, "पार्टी नेतृत्व के निर्णय के विरुद्ध फूलपुर विधानसभा उप चुनाव में 'इंडिया' के गठबंधन प्रत्याशी के विरोध में नामांकन पत्र दाखिल करने पर आपको जिला कांग्रेस कमेटी प्रयागराज (गंगापार) के पद से तत्काल प्रभाव से पदमुक्त किया जाता है।" अजय राय ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि यादव को पद से हटाए जाने के साथ ही उनसे 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने को भी कहा गया है। इस साल की शुरुआत में लोकसभा चुनाव में फूलपुर से विधायक प्रवीण पटेल के सांसद निर्वाचित होने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। 'इंडिया' गठबंधन ने इस सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी के नेता मुज्तबा सिद्दीकी को अपना उम्मीदवार बनाया है और कांग्रेस ने उन्हें अपना समर्थन देने की घोषणा की है। नामांकन पत्र दाखिल करने का आज (25 अक्टूबर) अंतिम दिन था और मतदान 13 नवंबर को होगा, जबकि नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। प्रयागराज में कांग्रेस पार्टी की तीन जिला इकाइयां– गंगापार, यमुनापार और शहर है। इससे पूर्व बृहस्पतिवार को कांग्रेस ने घोषणा की थी कि वह इन नौ विधानसभा सीटों पर हो रहे उप चुनाव में अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी और सपा के उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी। इससे एक दिन पूर्व समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन के सभी उम्मीदवार उनकी पार्टी के चुनाव चिन्ह "साइकिल" पर चुनाव लड़ेंगे। जिले के गंगापार झूंसी के ग्राम सोनौटी के रहने वाले सुरेश चन्द्र यादव ने बृहस्पतिवार को जिला कलेक्ट्रेट में फूलपुर सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन पत्र दाखिल किया था।

ओडिशा में चक्रवाती तूफान 'दाना' के कारण कोई हताहत नहीं, 'शून्य मानवीय क्षति मिशन सफल' रहा : माझी

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने दावा किया कि भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के कारण राज्य में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है और इस तरह हमारा 'शून्य मानवीय क्षति मिशन' सफल रहा। ओडिशा के तट पर भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया बृहस्पतिवार देर रात शुरू हुई थी और शुक्रवार सुबह यह पूरी हो गई। 'दाना' को ओडिशा तट पर पहुंचने में साढ़े आठ घंटे का समय लगा। माझी ने सुबह यहां चक्रवात की स्थिति की समीक्षा की और बताया कि इस प्राकृतिक आपदा में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। माझी ने घोषणा की, "चक्रवाती तूफान 'दाना' के कारण किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने की कोई सूचना नहीं है। सभी के सहयोग से हमारा 'शून्य मानवीय क्षति मिशन' सफल रहा है।"

श्रृंखला में हार की जिम्मेदारी सीनियर खिलाड़ियों परः कार्तिक, मांजरेकर ने गंभीर का बचाव किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक का मानना है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हार की जिम्मेदारी सीनियर भारतीय खिलाड़ियों पर है जबकि पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर का मानना है कि कोच गौतम गंभीर पर दोष मढ़ना अनुचित होगा। भारत ने शनिवार को पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट 113 रन से गंवा दिया जिससे मेहमान टीम ने तीन मैच की श्रृंखला में 2–0 की विजयी बढ़त बना ली। इसके साथ ही भारत का 2012–13 में इंग्लैंड से हारने के बाद से घरेलू मैदान पर लगातार 18 टेस्ट श्रृंखला जीतने का सिलसिला भी खत्म हो गया। दोनों मुकाबलों के दौरान सीनियर खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। रोहित शर्मा और विराट कोहली बल्ले से संघर्ष करते रहे जबकि रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की स्पिन जोड़ी भी कोई खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई। कार्तिक ने 'क्रिकबज' से कहा, ''हां। इसका (श्रृंखला में हार का) दोष सीनियर खिलाड़ियों पर क्यों नहीं होना चाहिए? वे खुद को देखेंगे और कहेंगे, 'हम और क्या बेहतर कर सकते थे?' मुझे नहीं लगता कि वे इससे भाग रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर आप जीत का जश्न मना सकते हैं और प्रशंसक यह महसूस करते हैं कि वे कितने महत्वपूर्ण हैं तो जब हार होती है और आप पर हमला किया जाता है तो मुझे लगता है कि उनमें इसका सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए।'' कार्तिक ने कहा कि सीनियर खिलाड़ी हार की जिम्मेदारी खुद लेंगे और स्वीकार करेंगे कि यह उनकी सर्वश्रेष्ठ श्रृंखला नहीं थी। उन्होंने कहा, ''अगर आप उनमें से हर एक से व्यक्तिगत रूप से पूछें कि वे श्रृंखला के बारे में क्या सोचते हैं तो मुझे नहीं लगता कि वे पूरी टीम के प्रदर्शन के बारे में कुछ खास कह पाएंगे और उनसे यह पूछना उचित होगा कि भारत में टेस्ट क्रिकेट के भविष्य और भारतीय टेस्ट क्रिकेट के लिए क्या बेहतर किया जा सकता है।'' कार्तिक ने कहा, ''मैं उनमें से प्रत्येक को व्यक्तिगत रूप से जानता हूं। वे कहेंगे कि उनके लिए यह सर्वश्रेष्ठ श्रृंखला नहीं थी। फिर सवाल यह उठता है कि उन्हें बेहतर होने के लिए क्या करने की जरूरत है और यह एक मौजूदा सवाल है।'' भारत के दो टेस्ट मैच में रणनीति में चूक करने और बार–बार बल्लेबाजी के ढहने के बाद नए मुख्य कोच गौतम गंभीर भी आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं लेकिन मांजरेकर ने इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन किया। मांजरेकर ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' से कहा, ''मैं अब भी यही कहूंगा कि कोच का टीम पर सबसे कम प्रभाव होता है, आपके 11वें सबसे कमजोर खिलाड़ी से भी कम। वह मैदान पर पैर नहीं रखता, कप्तान वहां प्रभारी होता है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन आपको वाशिंगटन सुंदर के चयन के लिए उनकी सराहना करनी होगी जो तुरंत हिट हो गया।'' मांजरेकर ने फॉर्म में चल रहे सरफराज खान से पहले ऑलराउंडर सुंदर को बल्लेबाजी के लिए भेजने के रोहित के 'अजीब' फैसले पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''सरफराज खान को निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भेजना और वाशिंगटन सुंदर को उनके ऊपर भेजना क्योंकि वह बाएं हाथ का बल्लेबाज है, इस तरह की चीजें नहीं होनी चाहिए।''

मांजरेकर ने कहा,''यह बिल्कुल अजीब है। यह एक ऐसी चीज है जिससे रोहित शर्मा को सावधान रहने की जरूरत है। टी20 में बाएं और दाएं हाथ के संयोजन के बारे में सोचना। मुझे लगता है कि उन्हें खिलाड़ियों की समग्र गुणवत्ता और क्षमता के आधार पर ही आगे बढ़ना चाहिए।'' जब भारत को अपने अनुभवी बल्लेबाजों की जरूरत थी तब रोहित (2, 52, 0, 8) चार पारियों में कुल 62 रन ही बना पाए जबकि कोहली (0,70, 1,17) ने 88 रन बनाए। घरेलू सर्किट में कोहली की अनुपस्थिति पर भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने कहा कि यह करिश्माई बल्लेबाज घरेलू मैचों के लिए खुद को उपलब्ध कराके लंबे टेस्ट कैलेंडर के लिए अच्छी तरह से तैयार हो सकता था। कुंबले ने 'जियो सिनेमा' से कहा, ''शायद मैच की परिस्थितियों में सिर्फ एक या दो पारियां मददगार हो सकती थीं। वास्तविक मैच में शामिल होना निश्चित रूप से सिर्फ अभ्यास करने से ज्यादा फायदेमंद है, इससे फायदा मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''अगर उन्हें लगता कि पहले खेलने से उन्हें फायदा होता और टीम प्रबंधन सहमत होता, तो शायद ऐसा होता।''

शमी की अनुपस्थिति बड़ा झटका, लेकिन भारत के रिजर्व तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगे: मैकडोनाल्ड

सिडनी, (भाषा) आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की बहुत कमी खलेगी लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह लेने वाले तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगी। शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उनका ऑपरेशन किया गया। इसके बाद वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में थे। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मैकडोनाल्ड ने कहा,''मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति उनके लिए बहुत बड़ा झटका है। जिस तरह से हमारे बल्लेबाज उनके जज्बे, उनकी लाइन और लेंथ और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करते हैं उसे देखते हुए भारत को उनकी कमी खेलगी।'' भारत ने दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार मौका दिया है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। तेज गेंदबाजी विभाग की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे।'' मैकडोनाल्ड ने कहा,''लेकिन हम जानते हैं कि पिछली बार क्या हुआ था। उनके रिजर्व खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए उनके खिलाड़ियों को बिल्कुल भी कम करके नहीं आंका जा सकता है।'' ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपनी टीम में चुन सकता है।

टर्निंग पिचों पर खेलने से हमारे बल्लेबाजों का आत्मविश्वास प्रभावित हुआ हैः हरभजन

नयी दिल्ली, पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि भारत के स्टार बल्लेबाजों ने पिछले कुछ वर्षों में टर्निंग (स्पिनरों की मददगार) पिचों पर खेलने से अपना आत्मविश्वास खो दिया है जिससे उनके घरेलू औसत में गिरावट आई है और उनके करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। भारत 12 वर्षों में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला हार गया। न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे की टर्निंग पिच पर भारत ने महत्वपूर्ण टॉस गंवा दिया और इसके बाद टीम 156 और 245 रन ही बना सकी। इसमें न्यूजीलैंड के मुख्य स्पिनर मिशेल सैंटनर ने 13 विकेट लिए। हरभजन ने पीटीआई से कहा, ''आपका घरेलू मैदान पर इतने लंबे समय तक शानदार रिकॉर्ड रहा है और अगर आप हार जाते हैं तो जाहिर है कि चर्चा होगी। न्यूजीलैंड जिस तरह से खेला, उसे उसका श्रेय जाता है और ये विदेशी परिस्थितियां थीं और ऐसी पिच भी नहीं थी जिसमें ज्यादा दरार हो।'' उन्होंने कहा, ''यह स्पिनरों के लिए अनुकूल परिस्थितियां थीं, जहां गेंद को पहले घंटे से ही टर्न लेना चाहिए था।'''' हरभजन ने भारतीय टीम की सोचने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा, ''पिछले दशकों के दौरान के चलन को देखें। हम पिछले दशक में ज्यादातर टर्नर पर इस उम्मीद के साथ खेल रहे हैं कि हम टॉस जीतेंगे और 300 रन बनाएंगे और मैच पर नियंत्रत करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हम नहीं जानते कि पासा उलटा पड़ जायेगा और टर्निंग पिच पर हमारे बल्लेबाजी चलेगी या नहीं। हमारे बल्लेबाजों ने इन पिचों पर खेलते हुए आत्मविश्वास खो दिया है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण अजिंक्य रहाणे हैं जो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। इस तरह की पिचों के कारण उनका करियर प्रभावित हुआ।''

परिवर्तन के मुश्किल दौर से गुजर रहा है भारत, गेंदबाजी में सीमित विकल्प चिंता का विषय

नयी दिल्ली, (भाषा) न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच में हार के बाद भारत का अगले साल जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में जगह बनाना अधर में लटक गया है और अगर वह लगातार तीसरी बार इसमें सफल भी रहता है तो डब्ल्यूटीसी के अगले दो साल के चक्र के लिए कप्तान रोहित शर्मा का टीम में बने रहना मुश्किल लगता है। यही बात रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और विराट कोहली पर भी लागू होती है। अश्विन तब 41 साल जबकि जडेजा और कोहली 39 साल के हो जाएंगे। न्यूजीलैंड के हाथों शर्मनाक हार के बाद कुछ सीनियर खिलाड़ियों पर उंगलियां उठने लगी हैं। ऐसे में पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने वर्तमान कोच गौतम गंभीर के प्रति सहानुभूति जताई। शास्त्री ने पुणे में दूसरे टेस्ट मैच के दौरान कमेंट्री करते हुए कहा,'' न्यूजीलैंड ने उन्हें (भारत को) दोनों टेस्ट मैचों में शानदार तरीके से हराया है। यह सोचनीय विषय है। उन्होंने (गंभीर ने) अभी–अभी कार्यभार संभाला है। ऐसी टीम का कोच बनना कभी आसान नहीं होता जिसके इतने अधिक चाहने वाले हों।'' उन्होंने कहा,''यह कोच के रूप में उनके करियर के शुरुआती दिन हैं, लेकिन वह जल्द ही सीख जाएंगे।'' इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत परिवर्तन के मुश्किल दौर से गुजरने वाला है। कम से कम चार विश्व स्तरीय क्रिकेटर अगले दो साल में खेल को अलविदा कह देंगे और ऐसे में गंभीर कोच के रूप में अविश्वसनीय स्थिति में हैं। भारत के पास बल्लेबाजी में कई विकल्प हैं लेकिन गेंदबाजी के मामले में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अभी चोटिल होने के कारण टीम से बाहर चल रहे मोहम्मद शमी अगर वापसी भी करते हैं तो वह लंबे समय तक टीम में नहीं बने रह पाएंगे। आकाशदीप और मोहम्मद सिराज अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन जब दूसरे छोर से जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी कर रहे हो तब इन दोनों तेज गेंदबाजों के पास शमी जैसी मारक क्षमता नहीं दिखाई देती। इसके बाद जो तेज गेंदबाज अगली पंक्ति में खड़े हैं उनके साथ भी कुछ ना कुछ समस्या है। आवेश खान और खलील अहमद अच्छे तेज गेंदबाज हैं लेकिन निरंतरता और फिटनेस उनकी बड़ी समस्या है। नवदीप सैनी की गति धीमी पड़ गई है जबकि उमरान मलिक लगता है कि अपनी राह से भटक गए हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने डेविड वॉर्नर की कप्तानी पर लगा प्रतिबंध हटाया

सिडनी, (एपी) डेविड वॉर्नर की कप्तानी पर लगाया गया आजीवन प्रतिबंध क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हटा दिया है जिससे टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुका यह बल्लेबाज टी20 बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स की कप्तानी कर सकेगा । वॉर्नर को 2018 में दक्षिण अफ्रीका में सैंडपेपर विवाद के बाद प्रतिबंध का सामना करना पड़ा था । उनके खेलने पर भी एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था । केपटाउन टेस्ट में गेंद को पीले रेगमाल से घीसते पाये गए गेंदबाज कैमरन बेनक्राफ्ट और स्टीव स्मिथ पर भी पाबंदी लगाई गई थी । तीन सदस्यों की स्वतंत्र समीक्षा समिति ने वॉर्नर पर लगाया गया प्रतिबंध शुक्रवार को हटा दिया । वॉर्नर इस महीने की शुरूआत में समिति के सामने पेश हुए थे । समिति ने एक बयान में कहा ,'' वॉर्नर के जवाब काफी शालीन और सम्मानजनक थे । समिति उनकी बातों से प्रभावित हुई है और हम सभी का मानना है कि उसने पूरी ईमानदारी से अपने आचरण की जिम्मेदारी ली है और उसे इसका पछतावा भी है ।'' इसमें कहा गया ,'' प्रतिबंध लगाये जाने के बाद से वॉर्नर का बर्ताव बहुत अच्छा रहा है । उसमें काफी बदलाव आया है और अब वह विरोधी टीम को उकसाने या छींटाकशी की कोशिश नहीं करता।'' वॉर्नर ने जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी टेस्ट खेला था । वह कह चुके हैं कि अब वनडे भी नहीं खेलेंगे ।

भारत से 2018 .19 में मिली हार 2020.21 से ज्यादा दुखदायी : कमिंस

सिडनी, (भाषा) आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि भारत के हाथों 2018 . 19 की टेस्ट श्रृंखला में मिली हार 2020 . 21 में उनकी कप्तानी में मिली हार से अधिक दुखदायी थी।विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 2018 . 19 में आस्ट्रेलिया को 2 . 1 से हराया था । कोहली और चेतेश्वर पुजारा उस जीत के सूत्रधार रहे थे । वहीं 2020 . 21 में भारतीय टीम ने श्रृंखला 2 . 1 से जीती । भारत ने 32 साल में पहली बार आस्ट्रेलिया को उसके गढ गाबा पर हराया । कमिंस ने ग्रेड क्रिकेटर पॉडकास्ट में कहा ,'' मुझे लगता है कि 2018 . 19 की हार सबसे बुरी थी क्योंकि हम हर विभाग में कमतर साबित हुए थे । 2020 . 21 में तो हमने कड़ी चुनौती दी थी । भारत ने गाबा टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था ।'' भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में एक बार फिर आस्ट्रेलिया की कप्तानी करने जा रहे कमिंस ने कहा कि वह हरी भरी पिचों पर भारत का स्वागत करना चाहेंगे । उन्होंने कहा ,'' अगर मेरी चले तो मैं हरी भरी पिच बनवाना चाहूंगा लेकिन पिच की तैयारी में मेरी कोई भूमिका नहीं है । हमें इंतजार करना होगा ।' डेविड वॉर्नर ने संन्यास का फैसला वापिस लेने का प्रस्ताव रखा है लेकिन कमिंस ने संकेत दिया कि उनकी टीम आगे बढ चुकी है । उन्होंने कहा,'' डेव हम इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं । हम बात करेंगे ।'' उन्होंने हालांकि आगे कहा ,'' हम सभी डेवी (वॉर्नर) से प्यार करते हैं लेकिन अब वह रिटायर हो चुका है । सॉरी ।''

पहले खोखो विश्व कप में भाग लेंगे इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड , ब्राजील

नयी दिल्ली, इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और अमेरिका समेत 24 देश यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम पर 13 से 19 जनवरी तक होने वाले खोखो विश्व कप में भाग लेंगे ।चैम्पियनशिप में अफ्रीका के घाना, कीनिया, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा जैसे देश होंगे तो एशिया से भारत, बांग्लादेश, भूटान, इंडोनेशिया, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका नजर आयेंगे । यूरोप से इंग्लैंड, जर्मनी, नीदरलैंड और पोलैंड जबकि उत्तरी अमेरिका से कनाडा और अमेरिका , दक्षिण अमेरिका से ब्राजील और पेरू, ओशियाना से आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड खेलेंगे । टूर्नामेंट महिला और पुरूष वर्ग में होगा और दोनों में 16 . 16 टीमें भाग लेंगी । भारतीय खोखो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने एक बयान में कहा ,'' इस ऐतिहासिक चैम्पियनशिप से खोखो घरेलू खेल से वैश्विक बन जायेगा । भारत इस क्रांति का अगुआ होगा और वैश्विक खेलों के इकोसिस्टम में खोखो को जगह दिलाने के लिये यह विश्व कप अहम रहेगा ।''

रोनाल्डो और मेस्सी के दबदबे के बाद नये युग के युवा खिलाड़ी बेलोन डी'ओर जीतने को तैयार

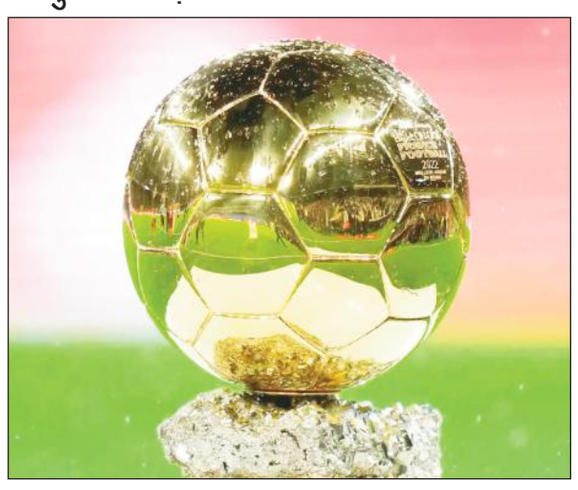

मैनचेस्टर (इंग्लैंड), (एपी) वैश्विक फुटबॉल के साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिये जाने वाले पुरस्कार 'बेलोन डी'ओर' का आयोजन जब सोमवार को होगा तो पिछले कई वर्षों में ऐसा पहली बार होगा जबकि इस खेल के दो सबसे बड़े दिग्गजों में शामिल क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी दावेदारों में शामिल नहीं होंगे। अर्जेंटीना के मेस्सी और रोनाल्डो पिछले 16 बरस में 13 बार इस खिताब के विजेता रहे हैं लेकिन इस बार इन दोनों को नामांकन नहीं मिला है। मेस्सी उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल है जिन्होंने इस खिताब को लगातार दो साल जीता है। उन्होंने 2022 में अर्जेंटीना को विश्व चैम्पियन बनाने के बाद अपने रिकॉर्ड में सुधार करते हुए आठवीं बार इसे जीता था। मेस्सी से पहले लगातार दो पुरस्कार जीतने वाले पिछले खिलाड़ी मार्को वैन बास्टेन थे। नीदरलैंड के इस खिलाड़ी ने 1988 और 1989 में बेलोन डी'ओर को अपने नाम किया था। इस खिताब को लेकर मेस्सी और रोनाल्डो के दबदबे को इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस के महान जिनेदिन जिदान सिर्फ एक बार इसके विजेता बने। रोनाल्डिन्हो, रिवाल्डो, लुइस फिगो और जॉर्ज बेस्ट के लिए भी यही बात लागू होती है। अतीत में यूरोपीय खिलाड़ियों तक सीमित रहे बेलोन डी'ओर को पेले या डिएगो माराडोना ने कभी नहीं जीता था। इस बार के खिताब के लिए विनीसियस जूनियर को सबसे बड़ा दावेदार माना जा रहा है। मेस्सी और रोनाल्डो का दबदबा ऐसा था कि विनीसियस के पास इस सदी में पैदा होने वाले पहले विजेता बनने का मौका होगा। इस खिताब को 1990 के दशक में पैदा हुए किसी खिलाड़ी ने भी नहीं जीता है। विनीसियस के साथ रोड्री, किलियान एमबापे, एर्लिंग हैलैंड, जुड बेलिंगहैम और लैमिन यमल भी खिताब की दौड़ में होंगे।बोलोन डी'ओर फ्रांस की फुटबॉल पत्रिका द्वारा 1956 से दिया जाता है। फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 देशों के पत्रकारों के मतदान से इसके विजेता का चयन होता है।

हमें बल्लेबाजी में काफी सुधार करना होगाः हरमनप्रीत

अहमदाबाद, (भाषा) भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रविवार को यहां दूसरे महिला वनडे में न्यूजीलैंड से 76 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि उनकी टीम को बल्लेबाजी की समस्याओं से तुरंत निजात पाना होगा। भारतीय टीम जीत के लिए 260 रन के लक्ष्य का पीछा करते 47.1 ओवर में 183 रन पर आउट हो गयी। टीम ने 108 रन पर आठ विकेट गंवा दिये थे। राधा यादव (48) और साइमा ठाकोर (29) ने नौवें विकेट के लिए 70 रन की साझेदारी कर भारत को शर्मनाक हार से बचाया। हरमनप्रीत ने 24 रन बनाए। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, ''हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकें। ये खिलाड़ी देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के लिए तैयार और उत्सुक हैं। बल्लेबाजी एक ऐसी चीज है जिस पर हमें वास्तव में काम करने की जरूरत है और अगर हम ऐसा करते हैं तो हम श्रृंखला जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है हमारा क्षेत्ररक्षण भी खराब रहा। हमने बहुत सारे रन दिए और बहुत सारे कैच टपकाये। इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था लेकिन हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। यह देखकर अच्छा लगा कि राधा और साइमा ने बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया। हम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गंवाते रहे। हम अगले मैच में साझेदारी बनाने पर ध्यान देंगे।'' श्रंखला का तीसरा और निर्णायक मैच मंगलवार को इसी स्थल पर खेला जाएगा। भारत ने पहला मैच 59 रनों से जीता था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए कप्तान सोफी डिवाइन ने 86 गेंदों में सात चौकों और एक छक्के की मदद से 79 रन का योगदान दिया। उन्होंने मैडी ग्रीन (41 गेंदों पर 42 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 82 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट पर 259 रनों के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

भारत ने अंडर–17 एशियाई कप क्वालीफायर में तुर्कमेनिस्तान को 1–0 से हराया

चोनबुरी (थाईलैंड), (भाषा) ऋषि सिंह के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से भारत ने एएफसी अंडर–17 एशियाई कप 2025 क्वालीफायर में तुर्कमेनिस्तान को 1–0 से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। ऋषि ने 44वें मिनट में गोल किया जो इस करीबी मुकाबले में आखिर में निर्णायक साबित हुआ। भारत के अब दो मैचों में छह अंक हैं। वह रविवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में मेजबान थाईलैंड का सामना करेगा। भारत ने अपने पहले मैच में ब्रुनेई दारुस्सलाम को 13–0 से हराया था। चोनबुरी स्टेडियम में भारत ने शुरू से आक्रामक रवैया दिखाया। उसने कुछ अच्छे मौके बनाए लेकिन तुर्कमेनिस्तान ने उसे उनका फायदा नहीं उठाने दिया। भारत को सफलता तब मिली जब फारवर्ड हेमनीचुंग लुनकिम के लंबी दूरी से लिए गए शॉट को ऋषि ने गोलकीपर को छकाकर गोल के अंदर पहुंचाया। इसके बाद भारतीय रक्षक टीम की इस बढ़त को आखिर तक बरकरार रखने में सफल रहे।

बेंगलुरू एफसी में केरल ब्लास्टर्स को 3–1 से हराया

कोच्चि, (भाषा) बेंगलुरू एफसी ने स्थानापन्न खिलाड़ी एडगर मेंडेज के दो गोल की मदद से शुक्रवार को यहां केरल ब्लास्टर्स को 3–1 से हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अजेय अभियान जारी रखा। बेंगलुरू एफसी की तरफ से अर्जेंटीनी स्ट्राइकर जॉर्ज परेरा डियाज ने आठवें और स्पेनिश विंगर एडगर मेंडेज ने 74वें व 90+4वें मिनट में गोल किए। केरल ब्लास्टर्स के लिए एकमात्र गोल स्पेनिश फॉरवर्ड जेसुस जिमेनेज ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी किक पर किया। बेंगलुरू एफसी की टीम छह मैचों में पांच जीत और एक ड्रा से 16 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। केरल ब्लास्टर्स छह मैचों में दो जीत, दो ड्रा और दो हार से आठ अंक लेकर तालिका में छठे स्थान बरकरार है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आलराउंडर नीतीश रेड्डी भारतीय टीम में

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के आलराउंडर नीतीश रेड्डी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए रोहित शर्मा की अगुआई वाली 18 सदस्यीय भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए मोहम्मद शमी टीम में नहीं हैं जबकि कुलदीप यादव को कमर की चोट के लिए लंबे समय तक रिहैबिलिटेशन की सलाह दी गई है। न्यूजीलैंड श्रृंखला के लिए चुनी गई टीम से अक्षर पटेल को बाहर कर दिया गया है। पुणे में चल रहे टेस्ट में 11 विकेट लेने वाले वाशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए कर्नाटक के तेज गेंदबाज विशाक विजयकुमार और पंजाब के बल्लेबाज रमनदीप सिंह को शामिल किया गया है जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव फिर से चोटिल हो गए हैं। रिहैबिलिटेशन के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में हैं। सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को कप्तान रोहित शर्मा के कवर के तौर पर चुना गया।

बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारत की टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर) , आर अश्विन, आर जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

रिजर्वः मुकेश कुमार, नवदीप सैनी, खलील अहमद।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए भारत की टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, विशाक विजयकुमार, आवेश खान, यश दयाल।

उप्र में इस साल 17 नए मेडिकल कॉलेज, दोगुनी हुईं एमबीबीएस की सीटें : सीएम योगी

महराजगंज, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस साल प्रदेश को 17 नये मेडिकल कॉलेज मिल रहे हैं, साथ ही प्रदेश में एमबीबीएस की सीटें भी दोगुनी हो चुकी हैं। योगी ने शुक्रवार को महराजगंज में प्रदेश के पहले पीपीपी मोड के केएमसी मेडिकल कॉलेज के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से ही तराई के जनपदों को लगातार उपेक्षा का दंश झेलना पड़ा। सरकारों के एजेंडे में तराई के क्षेत्र होते ही नहीं थे। मगर अब महराजगंज उपेक्षित नहीं रहा, आज ही यहां 940 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं की शुरूआत हुई है। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी गोरखपुर में पूर्वी उप्र का एक मात्र बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं 'बीमार' हाल में था। मगर आज यह गोरखपुर–एम्स से स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में प्रदेश की सत्ता जब संभाली तो उप्र के पास वेतन देने के लिए भी पैसे नहीं थे, मगर सबके साथ और टीम वर्क के कारण आज परिणाम हर किसी के सामने है। योगी ने इस बात को लेकर विशेष तौर पर संतोष जताया कि उप्र में अब तक 5.14 करोड़ गरीबों को आयुष्मान भारत योजना का गोल्डन कार्ड प्रदान किया जा चुका है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि उप्र में पहले केवल 18 मेडिकल कॉलेज थे, मगर आज 64 जिलों में मेडिकल कॉलेज बन चुके हैं। उन्होंने कहा कि तराई के क्षेत्र आजादी के बाद से लगातार उपेक्षित रहे हैं। शासन की सुविधाओं की स्थिति अत्यंत खराब थी। न बिजली आती थी, न सड़कें अच्छी थीं, चीनी मिलें बंद होती गईं, पेयजल और गंदगी के कारण इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियां यहां की जवानी को निगल जाती थीं, मलेरिया का आतंक था। मगर आज इंसेफेलाइटिस की बीमारी पूर्वी उप्र से सदैव के लिए समाप्त हो गई है। अब कोई मासूम दम नहीं तोड़ता। आज महराजगंज उपेक्षित नहीं है। योगी ने कहा कि गोरखपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) की स्थापना के साथ ही कुशीनगर, देवरिया, बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बहराइच, सुल्तानपुर, अम्बेडकरनगर, अयोध्या, प्रतापगढ़ में मेडिकल कॉलेज शुरू हो गये हैं।

फडणवीस ने नागपुर दक्षिण–पश्चिम क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया

नागपुर, (भाषा) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को नागपुर दक्षिण–पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। फडणवीस ने नामांकन दाखिल करने से पहले एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि महायुति सरकार का काम खुद ही बोलता है। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि लाडकी बहिन योजना और उसके लाभार्थी ही उन्हें हराने के लिए पर्याप्त हैं। फडणवीस 2014 से 2019 तक और नवंबर 2019 में 80 घंटे के अति संक्षिप्त कार्यकाल के लिए राज्य के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने नागपुर से पांच बार विधानसभा चुनाव जीता है – दो बार नागपुर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से और तीन बार नागपुर दक्षिण–पश्चिम सीट से। यह उनका छठा विधानसभा चुनाव है। वह 1999 से विधायक हैं। नामांकन दाखिल करने से पहले फडणवीस केंद्रीय मंत्री और पूर्व भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी के आवास पर गए। इसके बाद दोनों भाजपा नेताओं ने शहर के संविधान चौक पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और वहां से आकाशवाणी चौक तक रोडशो किया। फडणवीस ने रोडशो के अंत में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, "हमारे शब्दों से ज्यादा हमारे काम बोलते हैं। लोग नागपुर में विकास देख सकते हैं – चाहे नागपुर मेट्रो रेल हो, नागपुर–मुंबई समृद्धि एक्सप्रेसवे हो या अन्य विकास परियोजनाएं, जिन्होंने नागपुर की सूरत बदल दी है।" उन्होंने कहा कि राज्य में पिछले साढ़े सात साल में भाजपा द्वारा और पिछले 10 साल में केंद्र द्वारा किए गए कामों ने नागपुर की सूरत बदल दी है। उन्होंने कहा, "मैं विपक्षी दलों की चर्चा नहीं करूंगा, क्योंकि हमारी लाडकी बहिन (योजना और इसके लाभार्थी) ही उनके लिए पर्याप्त है। कांग्रेस नेताओं सुनील केदार और नाना पटोले ने बंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में याचिका दायर कर इस योजना को रोकने की कोशिश की थी।'' लाडकी बहिन योजना एकनाथ शिंदे नीत महायुति सरकार की एक प्रमुख योजना है, जिसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की सहायता मिलती है। फडणवीस ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महायुति सरकार एक नया महाराष्ट्र बना रही है, और प्रधानमंत्री एक नया भारत बना रहे हैं।" फडणवीस और दो अन्य मौजूदा भाजपा विधायकों – नागपुर दक्षिण से मोहन माटे और नागपुर पूर्व से कृष्णा खोपड़े – ने नागपुर जिलाधिकारी कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान गडकरी और राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले भी फडणवीस के साथ थे। इससे पहले, सभा को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि कांग्रेस 60 साल में जो नहीं कर सकी, वह फडणवीस और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महायुति सरकार ने नागपुर और महाराष्ट्र में किया है। नागपुर क्षेत्र से लोकसभा सदस्य गडकरी ने कहा कि पिछले 10 साल में नागपुर में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य किए गए हैं। उन्होंने लोगों से राज्य की बागडोर फिर से फडणवीस के हाथों में सौंपने का आग्रह करते हुए कहा, "महाराष्ट्र को फडणवीस के रूप में एक बहुत ही सक्षम नेतृत्व मिला है।"

भाजपा ने गुजरात की वाव सीट पर उपचुनाव के लिए स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर को उम्मीदवार बनाया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुजरात के बनासकांठा जिले की वाव सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर को उम्मीदवार घोषित किया। उनका मुकाबला कांग्रेस के गुलाब सिंह राजपूत से होगा। इस सीट पर उपचुनाव के तहत 13 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। जून में बनासकांठा से लोकसभा के लिए निर्वाचित होने पर तत्कालीन कांग्रेस विधायक गेनीबेन ठाकोर के इस्तीफे के बाद वाव सीट रिक्त हुई है। वाव विधानसभा क्षेत्र को कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। गेनीबेन यहां से 2017 और फिर 2022 में निर्वाचित हुई थीं। साल 2017 के विधानसभा चुनाव में गेनीबेन ने एशिया के सबसे बड़े डेयरी कॉरपोरेशन बनास डेयरी के अध्यक्ष शंकर चौधरी को हराया था जबकि 2022 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने स्वरूपजी सरदारजी ठाकोर को 15,601 मतों के अंतर से पराजित किया था। लोकसभा चुनाव में, ठाकोर कांग्रेस की एकमात्र उम्मीदवार थीं जिन्होंने गुजरात में जीत दर्ज की थी। उन्होंने भाजपा की रेखाबेन चौधरी को पराजित किया था। राज्य की 182 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के 12 जबकि सत्तारूढ़ भाजपा के 161 सदस्य हैं। सदन में आम आदमी पार्टी के 4, समाजवादी पार्टी का एक विधायक और दो निर्दलीय विधायक भी हैं।

कांग्रेस में 20 फीसदी चुनाव टिकट बेचने की परंपरा : हिमंत विश्व शर्मा का आरोप

रांची, (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी में ''चुनाव टिकट बेचने की परंपरा'' है। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब बरही के निवर्तमान कांग्रेस विधायक उमाशंकर अकेला ने आरोप लगाते हुए दावा किया था कि उन्हें टिकट इसलिए नहीं दिया गया क्यूंकि वह पार्टी को दो करोड़ रुपये का चंदा नहीं दे सके। शर्मा ने कहा, ''यह कोई नई बात नहीं है... कांग्रेस में अपने लगभग 20 प्रतिशत टिकटों को बेचे जाने की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। ऐसा हर राज्य में होता है।'' उन्होंने इसकी तुलना राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के एकीकृत दृष्टिकोण से की और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जहां राजग अपनी हर सीट पर एक उम्मीदवार खड़ा करता है, वहीं इंडिया गठबंधन चुनावों को सीटों के बंटवारे के विवाद से जूझ रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के झारखंड चुनाव सह–प्रभारी शर्मा ने विश्वास जताया कि पार्टी झारखंड में जीत हासिल करेगी। टिकट नहीं पाने वाले अकेला ने दावा किया कि यदि वह कथित राशि का भुगतान कर सकते तो उन्हें टिकट मिल जाता। कांग्रेस ने उनके आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टिकट नहीं दिया गया। पार्टी ने बरही सीट से अरुण साहू को टिकट दिया है। झारखंड में दो चरणों में 12 और 20 नवंबर को मतदान होगा तथा मतगणना 23 नवंबर को होगी।

उप्र में जिलाधिकारियों को अपने क्षेत्र में निवेश लाने के प्रयासों की रिपोर्ट बनानी होगी : मुख्य सचिव

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि अब जिलाधिकारी और मंडलायुक्त को अपने क्षेत्र में निवेश लाने के प्रयासों की रिपोर्ट बनानी होगी और उनकी वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में उनके कार्यक्षेत्र में हुए निवेश और ऋण संबंधी प्रगति का उल्लेख अनिवार्य होगा। शुक्रवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक गतिविधियों को मजबूत करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। ताजा निर्णय के मुताबिक अब जिलाधिकारी (डीएम) और मंडलायुक्त (कमिश्नर) के कार्यक्षेत्र में निवेश की प्रगति और उनके प्रयासों की निगरानी की जाएगी। सिंह ने कहा कि डीएम और कमिश्नर की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) में उनके कार्यक्षेत्र में हुए निवेश और ऋण संबंधी प्रगति का उल्लेख अनिवार्य होगा। इसके आधार पर अधिकारियों को ग्रेडिंग दी जाएगी, जिससे उनके प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन हो सके। यह कदम प्रदेश में रोजगार और विकास के नए अवसरों को सृजित करने की दिशा में उठाया गया है। मुख्य सचिव के अनुसार, उत्तर प्रदेश का क्रेडिट डिपॉजिट (सीडी) रेशियो वर्ष 2017 में 47 प्रतिशत था वहीं वित्तीय वर्ष 2023–24 में इसने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज करते हुए 60.32 प्रतिशत का आंकड़ा छू लिया है। सिंह ने बताया कि प्रदेश में क्रमशः संभल, अमरोहा, बदायूं, रामपुर, कासगंज, एटा और मुरादाबाद का सीडी रेशियो सर्वाधिक है। वहीं उन्नाव, बलरामपुर, श्रावस्ती जैसे जिलों का सीडी रेशियो कम है। ऐसे जिलों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने और सीडी रेशियो सुधारने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी।

रेलवे बोर्ड ने 'इंटरलॉकिंग' बिंदुओं के निरीक्षण के लिए 15 दिवसीय अभियान शुरू किया

नयी दिल्ली, (भाषा) रेलवे बोर्ड ने 23 अक्टूबर से देश के सभी रेल नेटवर्क पर 'इंटरलॉकिंग पॉइंट्स' और क्रॉसिंग के निरीक्षण के लिए 15 दिवसीय सुरक्षा अभियान शुरू किया है। बोर्ड ने लिखित संदेश में सभी रेलवे जोन और डिवीजन से कहा है कि वे इस अभियान को चलाएं, जिसमें अन्य पहलुओं के अलावा पिछले तीन वर्षों में इन 'इंटरसेक्शन' पर पटरी से उतरने की घटनाओं के गहन विश्लेषण पर विशेष जोर दिया जाएगा। तमिलनाडु में एक यात्री और मालगाड़ी के बीच हुई टक्कर के लगभग दो सप्ताह बाद यह अभियान शुरू किया गया। घटना की जांच की जा रही है क्योंकि शुरुआती जांच में 'इंटरलॉकिंग' प्रणाली में तोड़फोड़ या उसमें संभावित यांत्रिक खराबी की ओर संकेत किया गया है। बोर्ड के पत्र के अनुसार अधिकारियों को यह जांच करनी चाहिए कि क्या 'इंटरलॉकिंग' बिंदुओं पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता है। पत्र में कहा गया है, ''इस सुरक्षा अभियान के तहत सभी बिंदुओं और क्रॉसिंग को शामिल किया जाना है। मुख्यालय के विभागों के अधिकारियों को भी इसमें शामिल किया जाये। अभियान के दौरान पाई गई सभी कमियों और अनियमितताओं पर प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए।'' पत्र में सभी जोन और डिवीजन को बोर्ड के सुरक्षा नियंत्रण विभाग को दैनिक रिपोर्ट भेजने के लिए कहा गया है। इसमें प्रमुख मुख्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे ''कमियों की पहचान करने के लिए संपूर्ण कमियों का गंभीरतापूर्वक विश्लेषण करें'' तथा 13 नवंबर तक बोर्ड को रिपोर्ट भेजें। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह अपनी तरह का पहला अभियान है, जिसमें अधिकारियों को अन्य मुद्दों के अलावा पहियों के नीचे 'इंटरलॉकिंग' बिंदुओं का निरीक्षण करने के लिए कहा गया है। उनके अनुसार, यह अभियान हाल ही में तमिलनाडु में एक मालगाड़ी और यात्री ट्रेन के बीच हुई टक्कर के बाद चलाया गया। 'इंडियन रेलवे एसएंडटी मेंटेनर्स यूनियन' (आईआरएसटीएमयू) ने बोर्ड की इस पहल का स्वागत किया है और आग्रह किया है कि इस तरह की गतिविधियां नियमित आधार पर आयोजित की जानी चाहिए। आईआरएसटीएमयू के महासचिव आलोक चंद्र प्रकाश ने कहा, ''यह एक बहुत अच्छी पहल है। इससे सिग्नल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभागों के महत्वपूर्ण पहलुओं की स्थिति में सुधार आयेगा।'' तमिलनाडु में 11 अक्टूबर को बागमती एक्सप्रेस चेन्नई के निकट कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे के कारणों को लेकर कई सवाल उठे थे। रेलवे सुरक्षा अधिकारी ने कहा, ''हालांकि यह पता लगाने के लिए कई जांच की जा रही हैं कि दुर्घटना तोड़फोड़ की कार्रवाई या सिग्नल प्रणाली में खामियों के कारण हुई थी। रेलवे बोर्ड ने सिग्नल प्रणाली में किसी भी तरह की खराबी के कारण होने वाली ऐसी किसी दुर्घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए सभी 'इंटरलॉकिंग' बिंदुओं की सुरक्षा जांच करने के लिए सही पहल की है।''

उत्तराखण्ड में देश के पहले 'लेखक गांव' का लोकार्पण

देहरादून, देहरादून के निकट सुरम्य हिमालयी क्षेत्र में स्थित थानो गांव में देश के अपनी तरह के पहले 'लेखक गांव' का लोकार्पण किया गया। यहां से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित इस गांव का लोकार्पण पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संयुक्त रूप से किया। इस गांव की अवधारणा से लेकर उसका विकास उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया है जो स्वयं एक विशिष्ट साहित्यकार के रूप में भी पहचान रखते हैं। उनका दावा है कि इस गांव में लेखकों को अपनी कृतियों के सृजन के लिए जरूरी एक शांत और रचनाशील वातावरण मिलेगा। इस अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय साहित्य, संस्कृति एवं कला महोत्सव 'स्पर्श हिमालय महोत्सव–2024' के दौरान निशंक द्वारा लिखी गयी लेखक गांव की पहली रचना 'हिमालय में राम' पुस्तक का भी विमोचन किया गया । इस मौके पर पूर्व राष्ट्रपति ने 'लेखक गांव' को लेखकों, कवियों, साहित्यकारों और अन्य रचनाकर्मियों द्वारा महसूस की जा रही व्यावहारिक कठिनाइयों का निवारण करने की ओर एक अभिनव पहल बताया और इसके लिए निशंक की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तराखंड में स्थित यह पहला लेखक गांव भविष्य का पर्यटक गंतव्य बनकर उभरेगा।

राज्यपाल ने कहा कि यह मंच उन लेखकों के लिए एक सुनहरा अवसर है जो अपने शब्दों के माध्यम से समाज को नयी राह दिखाने का सामर्थ्य रखते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड अनेक विद्वान लेखकों की जन्मभूमि रही है और लेखक गांव के वातावरण में सृजनशीलता का प्रवाह अनेक लेखकों और कवियों को प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड सदियों से रचनात्मकता का अद्भुत केंद्र रही है और यहां के पहाड़ों की विशालता, गंगा की पवित्रता और अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य ने लेखकों, कवियों और विचारकों को प्रेरणा प्रदान करने का काम किया है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि लेखक गांव में महोत्सव में देश–विदेश से जुटे साहित्यकार और कलाकार अपने विचारों का आदान–प्रदान कर सकेंगे ।

समारोह में मौजूद केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कहा कि सृजनात्मक माहौल के लिए लेखक गांव जैसा एकांत स्थान चाहिए जहां आप स्वयं के अस्तित्व में डूबकर मोती निकाल सकें। निशंक ने बताया कि लेखक गांव में लेखन कुटीर, संजीवनी वाटिका, नक्षत्र और नवग्रह वाटिका, पुस्तकालय, कला दीर्घा, प्रेक्षागृह, योग–ध्यान केंद्र, परिचर्चा केंद्र, गंगा और हिमालय का मनमोहक संग्रहालय, भोजनालय आदि सभी व्यवस्थाएं की गयी हैं। उन्होंने कहा कि लेखक गांव में आकर लेखक एक ही स्थान पर प्रकृति, संस्कृति और ज्ञान–विज्ञान से साक्षात्कार कर विविध विषयों पर नए दृष्टिकोण प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 65 से अधिक देशों के लेखन, कला और संस्कृति से जुड़े लोग इसमें प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो रहे हैं जिनमें से 40 देशों से लोग यहां आए हैं। इनमें देश और दुनिया से आए छात्र भी शामिल हैं जो लेखकों से जुड़ना चाहते हैं।

यूपीएससी ने केंद्रीय सिविल सेवाओं के लिए 120 और उम्मीदवारों की सिफारिश की

नयी दिल्ली, (भाषा) संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने शुक्रवार को विभिन्न केंद्रीय सिविल सेवाओं में चयन के लिए आरक्षित सूची में शामिल 120 और उम्मीदवारों की सिफारिश की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक इन उम्मीदवारों ने सिविल सेवा परीक्षा 2023 उत्तीर्ण की थी, जिसका परिणाम इस वर्ष अप्रैल में घोषित किया गया था। अंतिम परीक्षा परिणाम के आधार पर, 1,143 रिक्तियों के लिए 1,016 उम्मीदवारों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और कुछ अन्य केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति की सिफारिश की गई थी। यूपीएससी द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की मांग के अनुसार, आयोग ने अब 120 उम्मीदवारों की सिफारिश की है, जिनमें 88 सामान्य, पांच आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, 23 अन्य पिछड़ा वर्ग, तीन अनुसूचित जाति और एक अनुसूचित जनजाति से हैं। इन उम्मीदवारों की नियुक्ति सिविल सेवा परीक्षा, 2023 के आधार पर शेष पदों पर की जाएगी।

ओडिशा : एनडीआरएफ और ओडीआरएएफ की टीमों ने 'दाना' के कारण उखड़े हुए पेड़ों को हटाना शुरू किया

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा में भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के तटीय क्षेत्र में दस्तक देने के कारण आसपास के इलाकों में पेड़ उखड़ गए, जिसके बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) की टीमों ने शुक्रवार को गिरे हुए पेड़ों को हटाना और मलबे की सफाई शुरू की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हो गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इससे पहले सुबह आठ बजकर 23 मिनट पर बताया था, "दाना' के तटीय क्षेत्र से टकराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और यह अगले एक–दो घंटे तक जारी रहेगी।

ओडिशा के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हुई : आईएमडी

भुवनेश्वर, (भाषा) ओडिशा के तट पर गंभीर चक्रवाती तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हो गई और इसे यहां पहुंचने में कम से कम साढ़े आठ घंटे का समय लगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने अपने प्रति घंटे के बुलेटिन में बताया, ''चक्रवाती तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हो गई।'' आईएमडी के एक वैज्ञानिक ने बताया कि ओडिशा के तट पर बृहस्पतिवार देर रात करीब 12.05 बजे तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया शुरू हुई और इसे पूरा होने में करीब साढ़े आठ घंटे का समय लगा। शुक्रवार सुबह करीब 8.30 बजे तूफान 'दाना' के पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हो गई। उन्होंने बताया कि भीषण चक्रवाती तूफान 'दाना' के प्रभाव से हवाओं की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा थी और बाद में यह कमजोर हो कर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। आईएमडी ने बताया, " चक्रवात के केंद्र के आसपास हवा की अधिकतम निरंतर रफ्तार लगभग 80 किमी प्रति घंटे से 90 किमी प्रति घंटे तक है, जो बढ़कर 100 किमी प्रति घंटे भी हो रही है।'' आईएमडी ने बताया कि चक्रवाती तूफान 'दाना' के उत्तरी ओडिशा से होते हुए उत्तर–पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले छह घंटों के दौरान धीरे–धीरे कमजोर होकर गहरे अवदाब में तब्दील होने की संभावना है।उन्होंने बताया कि पारादीप स्थित डॉप्लर मौसम रडार इस प्रणाली की निरंतर निगरानी कर रहा है।

असम उपचुनाव: नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने तक 38 उम्मीदवार मैदान में

गुवाहाटी, (भाषा) असम में पांच–विधानसभा सीट के लिए 13 नवम्बर को होने वाले उपचुनाव के लिये कुल 38 उम्मीदवार मैदान में हैं। नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन शुक्रवार को 24 उम्मीदवारों ने पर्चे दाखिल किए। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अंतिम दिन धोलाई के लिए तीन, सिदली के लिए एक, बोंगईगांव के लिए पांच, समागुरी के लिए 12 और बेहाली के लिए तीन उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। प्रमुख उम्मीदवारों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिप्लू रंजन सरमा (समागुरी से), असम गण परिषद (अगप) के वरिष्ठ नेता फणीभूषण चौधरी की पत्नी दीप्तिमय चौधरी (बोंगाईगांव से), कांग्रेस की जयता बोरा (बेहाली से) और बोडो पीपुल्स फ्रंट के सुद्धो कुमार बसुमतारी (सिदली से) शामिल हैं। नामांकन पत्रों की पड़ताल 28 अक्टूबर को की जाएगी तथा नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर है। भाजपा पांच में से तीन निर्वाचन क्षेत्रों– बेहाली, समागुरी और धोलाई– से चुनाव लड़ रही है, जबकि बोंगाईगांव और सिदली क्रमशः अपने गठबंधन सहयोगियों अगप और यूपीपीएल के लिए छोड़ रही है। कांग्रेस सभी पांच निर्वाचन क्षेत्रों से उपचुनाव लड़ रही है। इस साल की शुरुआत में मौजूदा विधायकों के लोकसभा में निर्वाचित होने के बाद इन सीटों पर उपचुनाव की जरूरत पड़ी। कांग्रेस के समागुरी उम्मीदवार तंजील हुसैन मौजूदा विधायक रकीबुल हुसैन के बेटे हैं, जो धुबरी संसदीय क्षेत्र से 10 लाख से अधिक मतों के रिकॉर्ड अंतर से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। धोलाई के भाजपा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री परिमल शुक्लाबैद्य सिलचर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए, जबकि बेहाली से उनके पार्टी सहयोगी रंजीत दत्ता ने सोनितपुर लोकसभा सीट जीती। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के गठबंधन सहयोगी अगप के बोंगाईगांव से मौजूदा विधायक फणीभूषण चौधरी के बारपेटा लोकसभा सीट से निर्वाचित होने के कारण इस सीट (बोंगाईगांव) पर उपचुनाव कराना पड़ रहा है। सिडली से यूपीपीएल विधायक जे. बसुमतारी कोकराझार संसदीय क्षेत्र से चुने गए। पांचों सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को मतों की गिनती होगी।

संपादकीय

ब्रेक के बाद चीन से पुनः दोस्ती के वैश्विक मायने को ऐसे समझिए

सियासत की तरह वैश्विक कूटनीति में भी न तो कोई किसी का स्थायी दोस्त होता है और न ही चिरस्थायी दुश्मन, कुछेक अपवादों को छोड़कर। शायद यही सोचकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से एक बार फिर हाथ मिलाने की रस्म पूरी कर ली। वो भी मित्र देश रूस के उस कजान शहर में जहां ब्रिक्स देशों की समिट हुई। इससे हमारे प्राकृतिक मित्र और स्थायी शुभचिंतक देश रूस को सबसे ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि इस स्थिति को पैदा करने का अहम सूत्रधार वही है। आज दुनिया जिस विकट स्थिति से गुजर रही है, उसके दृष्टिगत भी भारत–चीन का निकट आना अहम है, क्योंकि इससे दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावनाएं निर्मूल साबित होंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत–चीन की दोस्ती के वैश्विक मायने अहम हैं।यह शांति, स्थिरता और विकास की गारंटी है। वैसे तमाम ऐतिहासिक सम्बन्धों, पंचशील सिद्धांतों और मोदी–चिनफिंग मित्रता के बावजूद कभी भारत चीन युद्ध 1962, तो कभी लद्दाख में गलवान घाटी हिंसक झड़प की जो नौबत आई, वैसी स्थिति निकट भविष्य में पैदा न हो, और यदि हो भी तो भारत अपनी ओर से पुख्ता प्रतिरक्षात्मक तैयारी रखे, इसी रणनीति के साथ भारत–चीन सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में कोई हर्ज नहीं है। हां, उससे इस बात की गारंटी लेनी होगी कि सिर्फ भारत–चीन सीमा पर ही नहीं, बल्कि भारत के पड़ोसी देशों यथा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार, श्रीलंका और मालदीव के अलावा ईरान में भी उसे भारतीय हितों के आगे नहीं जाना होगा, अन्यथा स्थायी मित्रता मुश्किल है! आज जिस तरह से रूस–यूक्रेन युद्ध और इजरायल–फिलिस्तीन युद्ध को पश्चिमी देशों द्वारा हवा दी जा रही है, भारत–कनाडा के तल्ख होते रिश्तों और भारत–अमेरिका और भारत–ब्रिटेन के दांवपेंच भरे रिश्तों को नियंत्रित करने के लिए भी भारत–चीन के मधुर सम्बन्ध बेहद अहम साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, बेकाबू हो रहे इस्लामिक देशों जैसे पाकिस्तान–बंगलादेश आदि को नियंत्रित करने के लिहाज से भी भारत–चीन एक दूसरे के काम आ सकते हैं। आज जिस तरीके से कहीं ईसाइयत तो कहीं इस्लाम हावी होते जा रहे हैं, उसके दृष्टिगत भी हिन्दू मिजाज वाला देश हिंदुस्तान और बौद्ध मिजाज वाला देश चीन परस्पर मिलकर बहुत कुछ उम्दा कर सकते हैं। शायद यही सोच दोनों देशों का नेतृत्व थोड़ा झुका और दोस्ती की बात आगे बढ़ाई जा सकी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा भी है कि भारत–चीन के सम्बन्धों का महत्व सिर्फ हमारे लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और प्रगति के लिए भी अहम हैं। सीमा पर उभरे मुद्दों पर बनी सहमति का स्वागत है। शांति–स्थिरता रखना हमारी प्राथमिकता रहनी चाहिए।आपसी विश्वास, साझा सम्मान और पारस्परिक संवेदनशीलता सम्बन्धों का आधार बने रहना चाहिए। मुझे विश्वास है कि हम खुले मन से बातचीत करेंगे।

वहीं, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग का यह कहना है कि भारत और चीन को सम्बन्ध स्थिर बनाए रखने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए, जिससे दोनों देशों के विकास लक्ष्यों को पूरा करने में मदद मिल सके। इसके लिए हमें मतभेद दूर करने के लिए कम्युनिकेशन और साथ मजबूत करना चाहिए। दोनों ही प्राचीन सभ्यताएं और विकासशील देश हैं। इसलिए पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका सम्बन्धों की सही दिशा को बनाये रखना है। ऐसे में सम्बन्धों की सही दिशा क्या होगी, विचारणीय पहलू है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि कई एक मसलों पर आज भारत की दिशा कुछ और है और चीन की दिशा कुछ और, इसलिए खुले मन से ही इस पर पारस्परिक विचार किया जा सकता है। इस क्रम में सम्प्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का ध्यान रखना सर्वोपरि होना चाहिए। फिर व्यापार संतुलन को तरजीह दिया जाना चाहिए, जो अभी चीन के पक्ष में एकतरफा है। इसके अलावा, एक–दूसरे को घेरने की रणनीति के विचार को त्याग देना चाहिए। क्योंकि इससे पश्चिमी देशों को फायदा होगा और भारत–चीन को काफी क्षति! वहीं, चीन के साथ सम्बन्धों के विकास में भारत को हिंदूवादी नजरिया अपनाना होगा, क्योंकि यही वो दृष्टिकोण है जो पारस्परिक सभ्यता–संस्कृति के विकास से लेकर आर्थिक व्यवहार में समृद्धि की गारंटी दे सकते हैं। भारत भगवान बुद्ध की जन्मस्थली है, कर्मस्थली है, इसलिए पर्यटन विकास के द्वारा हमलोग दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों को पारस्परिक सूत्र में पिरो सकते हैं। वहीं, भारत–चीन सीमा पर स्थित हिमालय, जो नेपाल, भूटान से भी जुड़ा हुआ है, के विकास में अपार पर्यटकीय संभावनाएं छिपी हुआ हैं, जिसे आसेतु हिमालयी देशों के बीच उभारने की जरूरत है। इससे पूरी दुनिया भारत की ओर खिंचेगी। इससे होने वाली अकूत आय से भी भारत–चीन सीमा की निगरानी और रखरखाव में भी दिक्कत नहीं आएगी। सबकुछ पारदर्शी हो जाएगा। एक बात और, अरब देशों से भारत के सम्बन्ध हमेशा से अच्छे रहे हैं। लेकिन जब से मुस्लिम आक्रमणकारियों और आतंकवादियों ने भारत को धार्मिक नजरिए से रौंदना शुरू किया, तब से उसके साथ सम्बन्धों में हमें फूंक–फूंक कर चलना होता है। खासकर पाकिस्तान और बंगलादेश के अभ्युदय से भारतीय विदेशनीति की चुनौती बढ़ी है। पहले अमेरिका ने अरब मुल्कों से अच्छे सम्बन्ध बनाए। लेकिन इजरायल के मुद्दे पर जब विरोधाभास बढ़ा तो ईरान की मुखरता देख चीन और रूस ने अरब देशों में अपनी जड़ें गहरी जमा लीं। ऐसे में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों के मुताबिक सतर्कता पूर्वक अरब देशों से सम्बन्ध विकसित करने होंगे, क्योंकि आज अमेरिकी गुट और रूसी गुट, दोनों से भारत के सम्बन्ध मधुर हैं। वहीं, सऊदी अरब और ईरान से भी अच्छी दोस्ती है, क्योंकि ये पाक परस्त नहीं हैं। इसे भी संतुलित रखने में चीनी मित्रता काम आ सकती है। खास बात यह है कि भारत–चीन में एलएसी विवाद पर सुलझते रिश्तों के बीच केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि चीन पर निवेश प्रतिबंध लागू रहेंगे। क्योंकि भारत आंखें बंद करके किसी भी देश से निवेश नहीं ले सकता है। उन्होंने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर सावधानी बरतने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राष्ट्रीय हित की सुरक्षा सबसे जरूरी है। हम देश में निवेश के लिए आंख बंद करके किसी भी देश से पैसा नहीं ले सकते और आंखें मूंदकर एफडीआई स्वीकार नहीं कर सकती। यह भूलकर या इस बात से बेखबर रहकर कि यह कहां से आ रहा है। उन्होंने ठीक ही कहा कि संवेदनशील भू–राजनीतिक परिदृश्य के कारण कुछ प्रतिबंध लागू रहने चाहिए। हम व्यापार चाहते हैं। हम निवेश चाहते हैं। लेकिन हमें कुछ सुरक्षा उपायों की जरूरत है, क्योंकि भारत ऐसे पड़ोस के बीच स्थित है जो बहुत ही संवेदनशील है।

कृष्णा अग्रवाल
focusnews9@gmail.com

दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन किस दिन करें

दीपावली को लेकर पूरे देश में भ्रम की स्थिति है। शास्त्रों और विद्वानों के अपने–अपने मत है। कुछ विद्वान 31 अक्टूबर को दीपावली का समर्थन कर रहे है तो कुछ 1 नवम्बर को दीपावली मनाने के शास्त्रीय प्रमाण दे रहे है। भ्रम की इस स्थिति को लेकर पूरा देश पंचागकर्ताओं और ज्योतिष के विद्वानों की तरफ देख रहा है। सूर्य सिद्धांत की स्थूल गणना को मानने वाले विद्वानों के अलावा देश के अधिकांश ज्योतिषाचार्य जो कि दृष्य पंचांग की सूक्ष्म गणना को स्वीकार करते है वे सभी 1 नवम्बर 2024 को ही दीपावली मनाने को लेकर एक मत है। उज्जैन के ज्योतिर्विद और पंचागकर्ता आचार्य डॉ. सर्वेश्वर शर्मा के अनुसार सन 2024 में दीपावली 1 नवम्बर को मनाना ही शास्त्र सम्मत है। क्योंकि दृष्य पंचांग की सूक्ष्म गणना के अनुसार 31 अक्टूबर को सूर्योदय चतुर्दशी में हो रहा लेकिन सूर्यास्त से 2: 45 घंटे पहले अमावस्या प्रारम्भ हो जाएगी जो कि 1 नवम्बर को प्रदोष काल तक रहेगी। ऐसे में अमावस्या का स्पर्श चतुर्दशी और प्रतिपदा(पड़वा) दोनों तिथियों के साथ हो रहा है। कार्तिक माह के कृष्णपक्ष की अमावस्या के दिन दीपावली पर होने वाली लक्ष्मी पूजन प्रदोष काल में होती है,और उस समय अमावस्या होना चाहिए।

प्रदोष व्यापनी कार्तिक अमावस्या के दिन दीपावली (श्रीमहालक्ष्मी पूजन) मनाने का शास्त्र निर्देश है। भविष्य पुराण का कथन है कि "प्रदोष समये लक्ष्मीं पूजयित्वा यथाक्रमम्। दीप वृक्षास्तथा कार्या: शक्त्यादेव गृहेषु च।" वि.सं. 2081 कार्तिक कृष्ण पक्ष में 31 अक्टूबर को उज्जैन में चतुर्दशी 3:53 घं.मि. पर समाप्त हुई है और इस दिन सूर्यास्त 5:45 घं. मि. पर हुआ है, जबकि 1 नवंबर को अमावस्या 6:17 घं.मि. पर सामाप्त हुई है और इस दिन सूर्यास्त 5:44 घं.मि. पर हुआ है। अर्थात् इस वर्ष अमावस्या 31 अक्टूबर और 1 नवंबर दो दिन प्रदोष काल में व्याप्त है, पहले दिन सम्पूर्ण प्रदोष काल में और दूसरे दिन केवल 33 मि. अर्थात 1 घटी 23 पल अमावस्या प्रदोष में व्याप्त है। निर्णय सिंधु ग्रंथ प्रथम परिच्छेद के पृष्ठ 26 पर निर्देश है कि जब तिथि दो दिन कर्मकाल में विद्यमान हो तो निर्णय युग्मानुसार करें। इस हेतु अमावस्या प्रतिपदा का युग्म शुभ माना गया है अर्थात् अमावस्या को प्रतिपदा युता ग्रहण करना महाफलदायी होता है। और लिखा है कि उल्टा होय (अर्थात) चतुर्दशी का पहला दिन (युत अमावस्या ग्रहण की जावे) तो महादोष है और पूर्व में किये पुण्यों को नष्ट करता है।

दीपावली निर्णय प्रकरण में धर्मसिंधु में लेख है कि "तत्र सूर्योदयं व्याप्यास्तोत्तरं घटिकादिक रात्रि व्यापिनी दर्शे न संदेहः'' अर्थात जहां सूर्योदय में व्याप्त हो के अस्तकाल के उपरांत एक घटिका से अधिक व्यापी अमावस्या होवे तब संदेह नहीं है, तदनुसार 1 नवंबर को दूसरे दिन सूर्योदय में व्याप्त होकर सूर्यास्त के बाद प्रदोष में एक घटी से अधिक विद्यमान है। धर्म सिन्धुकार आगे लिखते हैं "तथा च परदिने ऐव दिन द्वये वा प्रदोष व्याप्तौ परा। पूर्वत्रैव प्रदोष व्याप्तौ लक्ष्मी पूजादौ पूर्वा, अभ्यंग स्नानादौ परा ऐव मुभयत्र प्रदोष व्याप्त्य भावेऽपि"

अर्थात बाद के दिन में भी अथवा दोनों दिनों में प्रदोष व्याप्ति होवे तब दूसरे दिन की तिथि लेनी, पहले दिन में ही प्रदोष विषे व्याप्ती होवे तब लक्ष्मी पूजा आदि में पहले दिन की अमावस्या लेनी,अभ्यंग स्नान आदि विशेष बाद के दिन करना।

अतः उपरोक्त तथ्यों का परिशीलन करने के उपरांत यह निर्णय लिया जाना शास्त्र सम्मत है कि दूसरे दिन अर्थात 1नवंबर 2024 को श्री महालक्ष्मी पूजन (दीपावली) किया जाना उचित होगा। इस दिन सूर्योदय से सूर्यास्त उपरांत विद्यमान होने से अमावस्या साकल्य पादिता तिथि होगी जो सम्पूर्ण रात्रि और अगले सूर्योदय तक विद्यमान मानी जाकर सम्पूर्ण प्रदोषकाल, वृष लग्न, व निशीथ में सिंह लग्न में लक्ष्मी पूजन के लिए प्रशस्त होगी। सूर्य सिद्धांत की स्थूल गणना से निर्मित होने वाले पंचांगो में दूसरे दिन अमावस्या सूर्यास्त से पहले ही समाप्त हो जाने से 31अक्टूबर को उन पंचांगो में लक्ष्मी पूजन दिया गया है किंतु दृश्य गणित से निर्मित होने वाले पंचांगो में 1 नवम्बर 2024 को ही लक्ष्मी पूजन का निर्णय शास्त्र सम्मत है। धर्मशास्त्रों में व प्राचीन आचार्यों ने दीपावली निर्णय में दर्श शब्द का विशेष रूप से प्रयोग किया है, जबकि अन्य स्थानों पर ऐसा नहीं होता है। ऐसे में दीपावली निर्णय में अमावस्या के दर्श भाग का प्रदोष में संसर्ग प्रमुख है। इसमें सूर्योदय को व्याप्त करके सूर्यास्त के बाद रात्रि में एक घटी से अधिक दर्श हो तो उस दिन दीपावली होने में कोई संदेह नहीं है। दिन में अमावस्या हो और रात्रि में प्रतिपदा हो तो उसी रात में लक्ष्मी पूजा करनी चाहिए, इसे सुखरात्रिका कहते हैं।

जीवन से पलायन का डरावना सत्य है आत्महत्या

आत्महत्या दुनिया भर में एक गंभीर मुद्दा एवं बड़ी समस्या है। मौजूदा समय में दुनिया भर में इसके मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस गंभीर विषय के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं आत्महत्या का पलायनवादी विचार छोड़ने के उद्देश्य से हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (डब्ल्यूएसपीडी) मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साल 2024 के लिए इस दिवस की थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड यानी 'आत्महत्या पर कथ्य बदलना' रखी गयी है। इस दिन को मनाने का खास मकसद इस बात को लोगों तक पहुंचाना है कि आत्महत्याओं को रोका जा सकता है। साथ ही उन्हें यह भी बताना है कि आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज–व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक–दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि दुनिया भर में हर साल आठ लाख लोग आत्महत्या करते हैं, इससे कई गुना अधिक लोग आत्महत्या की कोशिश करते हैं और इसका असर बहुत ज्यादा लोगों पर पड़ रहा है। इसके अलावा, यह 15 और 29 वर्ष की आयु के लोगों की मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मृत्यु के शीर्ष 10 प्रमुख कारणों में से एक आत्महत्या है, जहां हर 11 मिनट में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है। भारत में प्रतिवर्ष 135,000 लोग आत्महत्या करते हैं, जो दुनिया की कुल आत्महत्याओं का 17 प्रतिशत हैं। आत्महत्या करने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे बुढ़ापा, दीर्घकालिक बीमारियाँ, वित्तीय समस्याएँ, आत्महत्या का पारिवारिक इतिहास, आय में कमी, वैवाहिक अलगाव, नकारात्मक जीवन के अनुभव, विकलांगता की ओर ले जाने वाली शारीरिक बीमारी आदि। इसके अलावा, कई मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आत्महत्या के बढ़ते जोखिम से जुड़ी हुई हैं, जैसे शराब की लत, अवसाद, तनाव, विकार आदि। लोग अवसाद, लाचारी और जीवन में कुछ नहीं कर पाने की हताशा के चलते भी आत्महत्या करते हैं। मौजूदा समय में दुनिया भर में आत्महत्या के मामले खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। आत्महत्यामुक्त समाज–संरचना के लिए लंबे समय से कई तरह की कोशिशें की जा रही हैं। आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। आत्महत्या एक वैश्विक चुनौती है, जिससे हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों, संगठनों, समुदायों और व्यक्तिगत स्तर पर लोगों को आत्महत्या रोकने के लिए कदम उठाने की प्रेरणा दी जाती है।

भारतीय संदर्भ में आत्महत्या एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, वर्ष 2021 में आत्महत्या करने वाली महिलाओं में गृहिणियों का अनुपात 51.5 प्रतिशत था। इस संदर्भ में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक सूची में शीर्ष पर हैं। आत्महत्या की कुल घटनाओं में लगभग 15 प्रतिशत गृहिणियों से संबंधित हैं, जो इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। पिछले दो दशकों में, आत्महत्या की दर 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति 100,000 हो गई है। 2021 की रिपोर्ट पर गौर करें तो उत्तराखंड में एक वर्ष में 717 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 463 महिलाएं हैं और इसका सबसे बड़ा कारण पारिवारिक समस्या है। ऐसे में मनोविज्ञानियों की सलाह है कि परिवार में सामंजस्य बनाकर ही खुशहाल जिंदगी जीना संभव है। इसके लिए जागरूकता की जरूरत है जिससे की सकारात्मक सोच के साथ संघर्ष करने की सामर्थ्य पैदा हो सके। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा अपनी योग्यता व क्षमता से अधिक हो चुकी है। परिवार पर नियंत्रण नहीं है और न ही सामंजस्य रह गया है। तनाव सहने की क्षमता नहीं है। असफलता का डर और पारिवारिक समस्याएं व्यक्ति को पूरी तरह प्रभावित कर रही है, जिसकी वजह आत्महत्याएं हो रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 36 प्रतिशत लोग गंभीर अवसाद से ग्रस्त हैं इसलिए हमें सबसे पहले अवसाद को दूर करना होगा। आर्थिक संपन्नता के साथ ही मानसिक रूप से स्वस्थ होने पर जोर देना होगा। वहीं जिस तरह किशोरों में पढ़ाई के दबाव से आत्महत्या के मामले बढ़ गए हैं। इसे लेकर भी अभिभावकों से लेकर समाज को नए सिरे विचार करना होगा। बच्चों को शुरुआत से ही उसकी पसंद के करियर के साथ जीवन के झंझावतों को झेलने के लिए भी प्रेरित करते रहना होगा। आजकल कई लोग मानसिक समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। इन दिनों लोग अपनी लाइफस्टाइल में बदलाव की वजह से कई सारी समस्याओं का शिकार होते जा रहे हैं। दुनियाभर में तनाव और डिप्रेशन से कई सारे जूझ रहे हैं। यह एक तरह का गंभीर मानसिक विकार है, जिसके सही इलाज न मिलने पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

डिप्रेशन के शिकार कई लोग खुदकुशी तक कर लेते हैं। इधर तीन–चार दशकों में चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से जहां बीमारियों से होने वाली मृत्यु संख्या में कमी आयी है, वहीं इस वैज्ञानिक प्रगति, भौतिकवादी जीवनशैली एवं तथाकथित विकास के बीच आत्महत्याओं की संख्या पहले से अधिक हो गई है। चिंता की बात यह भी है कि आज के सुविधाभोगी एवं प्रतिस्पर्धी जीवन ने तनाव, अवसाद, असंतुलन को बढ़ावा दिया है, अब सन्तोष धन का स्थान अंग्रेजी के मोर धन ने ले लिया है। जब सुविधावादी मनोवृत्ति, कैरियर एवं बी नम्बर वन की दौड़ सिर पर सवार होती हैं और उन्हें पूरा करने के लिये साधन, सामर्थ्य एवं परिस्थितियां नहीं जुटा पाते हैं, या काम का दबाब अति हो जाता है, तब कुंठित, तनाव एवं अवसादग्रस्त व्यक्ति को अन्तिम समाधान आत्महत्या में ही दिखता है। सिनेमा में हंसता–खेलता और सार्वजनिक जीवन में लोगों का पसंदीदा बन गया कलाकार आखिर किसी दिन अचानक खुदकुशी कर लेता है। मगर किसी भी स्थिति में जीवन खो देने के बजाय हालात से लड़ना और उसका हल निकालना ही बेहतर रास्ता होता है, यह सीख कौन देगा? पर मुख्य सवाल यही रह जाता है कि आमतौर पर सभी सुविधाओं एवं समृद्धताओं के शिखर पर स्थापित एवं अपने आसपास कई स्तर पर समर्थ लोगों की दुनिया में सार्वजनिक रूप से अक्सर मजबूत दिखने के बावजूद कोई व्यक्ति भीतर से इतना कमजोर क्यों हो जाता है कि जिंदगी के उतार–चढ़ाव या झटकों को बर्दाश्त नहीं कर पाता? पर वे कौन–सी और कैसी असामान्य परिस्थितियां इन कलाकारों के सामने रही कि उन्होंने उनसे बचने या टकराने के बजाय जिंदगी की हार यानी आत्महत्या का रास्ता चुना? जो परिवार तलाक, अलगाव, आर्थिक कलह एवं अभावों, रिश्तों के कलह के कारण टूटी हुयी स्थिति में होते हैं उनमें भी आत्महत्या की घटनाएं अधिक पायी जाती हैं। राजनैतिक उथल–पुथल और व्यापार में नुकसान, आर्थिक तंगी भी आत्महत्या का कारण बनती है। किसानों की फसल की तबाही और कर्ज की अदायगी की चिंता से हो रही आत्महत्या भी गंभीर समस्या बन गई है। कर्ज लेकर घी पीने की जीवनशैली ने भी सबकुछ दांव पर लगा दिया है। औद्योगीकरण तथा नगरीकरण में वृद्धि भी इसके कारण है। भौतिक मूल्यों के बढ़ते हुए प्रभाव ने सामाजिक सामंजस्य की नई समस्याओं को जन्म दिया है लेकिन आत्महत्या किसी भी सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के भाल पर एक बदनुमा दाग है, कलंक हैं। टायन्बी ने सत्य कहा हैं कि कोई भी संस्कृति आत्महत्या से मरती है, हत्या से नहीं।' आत्महत्या की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों पर नियंत्रण जरूरी है। इसके लिये जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थितियों से गुजर रहा होता है, तो उसमें आस–पड़ोस, रिश्तेदार, दोस्त, सहकर्मी आदि उसे उनसे बाहर निकालने का प्रयास करते हैं मगर हैरानी की बात है कि अब समाज अपनी यह भूमिका क्यों नहीं निभा पा रहा है। इस चिंताजनक स्थिति से निपटने के लिए सरकार के स्तर पर कारगर उपाय जुटाने की दरकार है। जिंदगी खुद को सुधारने का एक मौका हर किसी को जरूर देती है लेकिन सुसाइड तो जिंदगी ही छीन लेती है।

बौद्ध ग्रंथों में रावण

विजयादशमी का पर्व अहंकारीए क्रोधी और क्रूर राक्षस.राज रावण के वध के साथ ही भगवान राम की विजय के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भारतीय ग्रंथों के अनुसार रावण ऋषि विश्रवा एवं कैकसी का अहंकारी तथा क्रूर पुत्र थाए लेकिन कई अन्य ग्रंथों के अनुसार रावण एक विशद राजनीतिज्ञए विद्वानए भगवान शिव का अनन्य भक्त और संत महात्माओं का आदर करने वाला पुरुष था। रावण विद्वानए कुशलए राजनीतिज्ञ तथा भगवान शिव का अनन्य भक्त थाए यह पुष्टि तो हमारे भी कई ग्रंथ करते हैं। कहा जाता है कि भगवान राम जब समुद्र पार कर रहे थे तब रामेश्वर में उन्होंने भगवान शिव की स्थापना करके पूजा.अर्चना की थी। यहां पुरोहित का दायित्व स्वयं रावण ने निभाया था। इसके अलावा रावण के अंतिम समय में राम ने अपने अनुज लक्ष्मण को रावण के पास राजनीति को शिक्षा लेने के लिये भेजा था। ब्रह्माजी की कृपा से ही रावण को नर और वानर के अलावा किसी और के हाथों न मरने का भी वरदान प्राप्त था। रावण का उल्लेख कई अन्य धर्म ग्रंथों में भी मिलता है। ऐसा ही एक उल्लेख बौद्ध धर्म ग्रंथ लंकावतार सूत्र में भी है जिसमें भगवान बुद्ध और राक्षसराज रावण के वार्तालाप का प्रसंग है। संस्कृत भाषा में लिखा गया लंकावतार सूत्र बौद्ध धर्म की महायान शाखा का ग्रंथ हैए जिसकी रचना संभवतरू 443 ईस्वी में हुई थी। इस ग्रंथ में भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित कई कथाएं हैं। इसी ग्रंथ के एक अध्याय में वर्णित है कि जब तथागत बुद्ध लंका के नजदीक स्थित मलय पर्वत पर अपने शिष्यों को संबोधित कर रहे थे तब लंका नगरी पर राजा रावण का शासन था। रावण दिव्य शक्तियों का ज्ञाता था। उस अपनी नगरी के निकट अलौकिक वाणी सुनाई दी तो उसने ध्यान लगाकर इस वाणी के स्रोत का पता लगाया। ध्यान में ही उसे महात्मा बुद्ध के दर्शन हुए।

रावण महात्मा बुद्ध की अलौकिक वाणी और तेज से अति प्रभावित हुआ और स्वयं उनके दर्शनों को चल पड़ा। अपने दिव्य रथ ;संभवतरू पुष्पक विमानद्ध पर सवार कर उसने बुद्ध की परिक्रमायें की। रावण ने बुद्ध से सत्य का मार्ग बताने का अनुरोध करते हुये लंका चलने का भी आग्रह किया। रावण के भक्तिभाव से प्रसन्न होकर बुद्ध ने उसे बताया कि लंका में पहले भी कई बुद्ध अवतार प्रकट हो चुके हैंए भविष्य में भी यहां कई बुद्ध अवतरित होंगे। मैं तुम्हारी भक्ति से प्रसन्न हूं और तुम्हारे साथ लंका चलूंगा। भगवान बुद्ध रावण के साथ लंका नगरी पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत हुआ। रावण ने महात्मा बुद्ध के बैठने के लिए आसन प्रस्तुत किया। बुद्ध के उस आसन पर बैठते ही एक चमत्कारिक घटना घटित हुई। लंका के चारों ओर पर्वत ही पर्वत दिखाई देने लगे तथा उन पर्वतों पर अनेक रावणए बुद्ध और रावण के सभासद तथा प्रजाजन दिखायी देने लगे। इसके बाद बुद्ध ने प्रवचन देना आरंभ किया और अचानक ही अंतर्ध्यान हो गये। इस ग्रंथ के अनुसार यह दुर्लभ घटना देखकर रावण का आत्मज्ञान जागृत हो गया और रावण ने पूर्ण योगी का पद प्राप्त कर लिया। अब उसे यथार्थ के दर्शन होने लगे। इसके बाद रावण ने आकाश के देवताओं से प्रार्थना की कि मैं एक बार पुनरू बुद्ध के दर्शन करना चाहता हूं। तब तथागत ने रावण को अनुपत्ति का धर्मक्षाति उच्च अध्यात्मिक स्थिति में पहुंचाने के लिये मलय पर्वत के शिखर से पुनरू दर्शन दिये। इन दर्शनों से रावण को असीम पुण्य की प्राप्ति हुई और वह भगवान बुद्ध से आशीर्वाद प्राप्त करके मोक्ष प्राप्ति का अधिकारी बन गया। राक्षसराज रावण के बारे में और भी कई किवदंतिया प्रचलित है लेकिन यह तथ्य सर्वमान्य है कि रावण ज्ञानीए बलशाली और पराक्रमी होने के साथ.साथ निष्ठुरए क्रूर एवं अहंकारी भी था और उसके पापों से धरती को मुक्त कराने के लिये ही भगवान को अवतार लेना पड़ा।

गर्भावधि मधुमेहः गर्भावस्था से पहले सामान्य शारीरिक वजन होने से इससे बचा जा सकता है

नयी दिल्ली, अगर गर्भावस्था से पहले शरीर का वजन सामान्य हो तो 'जेस्टेनशल डाइबिटीज' यानी गर्भावधि के दौरान होने वाले मधुमेह से बचा जा सकता है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। स्वीडन में 2000 से 2020 तक शिशु जन्म से जुड़े लगभग 20 लाख मामलों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। गर्भावधि मधुमेह में गर्भवती महिला के रक्त में शर्करा का स्तर बढ़ जाता है और इससे बाद में 'टाइप 2' मधुमेह होने का खतरा बढ़ सकता है। अध्ययन में पाया गया है कि मोटापे और अधिक वजन से गर्भावस्था के दौरान अनेक समस्याएं सामने आ सकती हैं। इस अध्ययन में स्वीडन के लिंकोपिंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने यह पता लगाने की कोशिश की कि यदि गर्भधारण से पहले महिलाओं का वजन सामान्य रहे तो गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं से किस हद तक बचा जा सकता है। लिंकोपिंग विश्वविद्यालय में पीएचडी की छात्रा और 'द लैंसेट पब्लिक हेल्थ जर्नल' में प्रकाशित अध्ययन में शामिल मरियम शिरवानीफर ने कहा, ''हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि गर्भावधि मधुमेह के लगभग आधे मामलों को रोका जा सकता है। यह बात स्वीडन में जन्मी महिलाओं और विदेश में जन्मी महिलाओं– सब पर लागू होती है।'' शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि अगर गर्भावस्था से पहले वजन सामान्य रहे तो 'प्री–एक्लेमप्सिया' के एक चौथाई से अधिक मामलों से बचा जा सकता है।

जो बॉबी देओल साउथ की 4 फिल्मों से भी नहीं कर पाए, उतने पैसे सनी देओल ने एक फिल्म से छाप लिए!

Sunny Deol को लेकर माहौल सेट है. इस साल बेशक उनकी कोई फिल्म न आई हो, पर साल 2023 में उनकी 'गदर 2' आई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर छप्परफाड़ कमाई की थी. इस वक्त वो कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं. दो बड़ी फिल्में उनकी अगले साल आने वाली हैं. इसमें 'लाहौर 1947' के अलावा पहली साउथ फिल्म"क्ळड शामिल है. हाल ही में उनके जन्मदिन पर फर्स्ट लुक सामने आया, जिसमें सनी देओल हाथों में पंखा लिए दिखाई दे रहे थे. इस फिल्म के लिए सनी देओल को कितनी फीस मिली है? सनी देओल अपनी पहली साउथ फिल्म का शूट काफी वक्त पहले ही शुरू कर चुके हैं. डलजीतप मूवी मेकर्स वाले इस प्रोड्यूस कर रहे हैं. डेक्कन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल को तगड़ी फीस दी जा रही है. कई रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि 'गदर 2' के बाद सनी देओल ने अपनी फीस डबल कर दी है.

सनी देओल ने साउथ फिल्म के लिए कितनी फीस ली?: स्पॉटबॉय डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल ने 'गदर 2' के लिए 20 करोड़ रुपये फीस ली थी. इसकी सफलता के बाद उन्होंने फीस बढ़ा दी. वहीं ऐसा भी कहा जा रहा है कि उन्होंने 'बॉर्डर 2' के लिए 50 करोड़ रुपये की फीस ली है. साथ ही प्रॉफिट शेयरिंग पर भी काम कर रहे हैं. इस रिपोर्ट से पता लगा कि सनी देओल को साउथ फिल्म के लिए 35–40 करोड़ रुपये फीस मिल रही है. दरअसल 'गदर 2' की सक्सेस के बाद वो डिमांड में हैं. ऐसे में प्रोड्यूसर्स भी उन्हें मुंह मांगी फीस दे रहे हैं. इससे पहले ऐसी खबर आई थी कि डलजीतप मूवी मेकर्स वालों ने रवि तेजा के साथ एक फिल्म पर काम रोक दिया था. इसकी वजह थी कि बजट. दरअसल इसमें 130 करोड़ रुपये से ज्यादा लागत आ रही थी. कई अलग–अलग तरीकों से बजट कम करने की कोशिश की गई, पर ऐसा नहीं हो पाया. सनी देओल की फीस पर मेकर्स की तरफ से कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन अगर यह सच है तो अबतक की सबसे ज्यादा फीस हो सकती है. कुल मिलाकर देखा जाए तो बॉबी देओल के खाते में भाई सनी से ज्यादा साउथ फिल्में हैं, लेकिन फीस के मामले में सनी देओल आगे निकल गए हैं. दरअसल बॉबी देओल को 'कंगुवा' के लिए 5 करोड़ रुपये फीस मिली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक 'एनिमल' के लिए भी उन्हें 5 करोड़ रुपये के आसपास मिले थे.

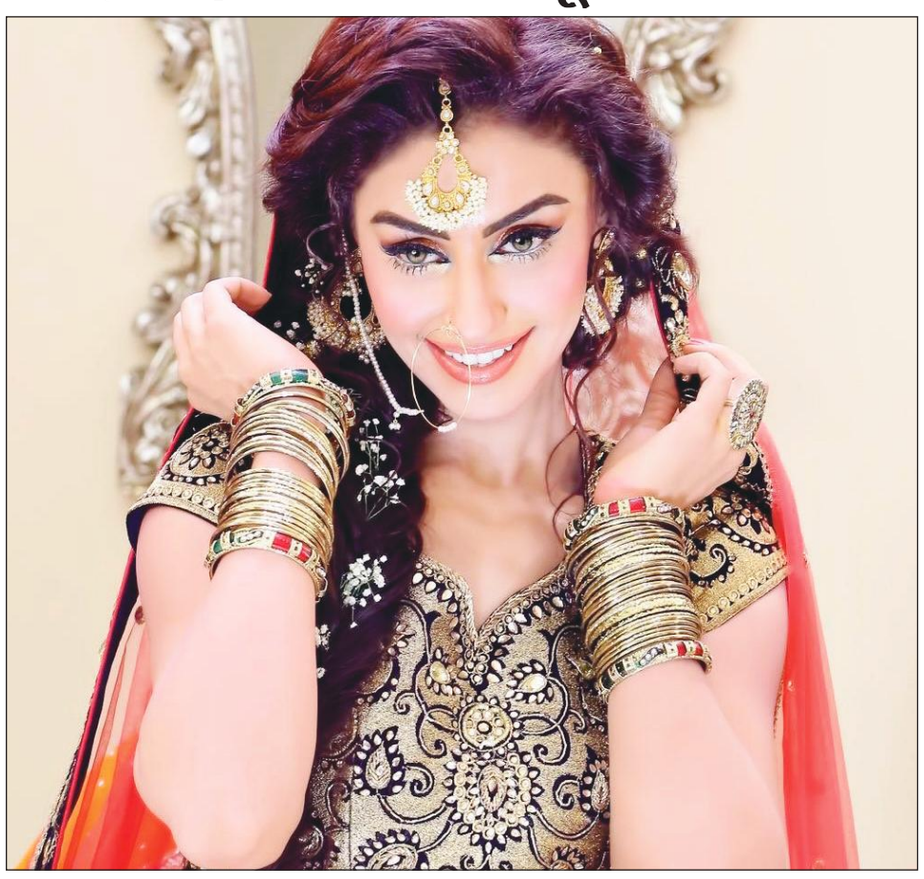

'नई पड़ोसन' की 'पूजा अयंगर', एक्ट्रेस महक चहल

एक सिख परिवार से ताल्लुक रखने वाली नॉर्वेजियन अभिनेत्री और मॉडल महक चहल का जन्म 1 फरवरी 1979 को हुआ। महक ने अभिनय करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म 'नीथो' (2002) से की। इस फिल्म में उन्होंने शालिनी का किरदार निभाया था। उसके बाद उन्होंने रोमांटिक–कॉमेडी फिल्म 'नई पड़ोसन' (2003) से हिंदी में डेब्यू किया। इसमें उन्होंने एक साउथ इंडियन लड़की पूजा अयंगर का शानदार किरदार निभाया। उसके बाद महक ने 'चमेली' (2004) में जो आइटम नंबर किया उसे काफी पसंद किया गया। उसके बाद वह 'अंजान' (2005) 'वांटेड' (2009) 'मैं और मिसेज खन्ना' (2009) 'मरेगा साला' (2009) 'मुबई कटिंग' (2010) 'यमला पगला दीवाना' (2011) 'करारः द डील' (2014) और 'निर्दोष' (2018) जैसी कुछ बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं।

'दिल अपना पंजाबी' (2005) में लिसा कौर की भूमिका के साथ पंजाबी फिल्मों में शुरूआत करने वाली महक चहल अब तक हिंदी, तेलुगु, पंजाबी, बंगाली, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में बतौर डांसर नजर आ चुकी हैं। महक चहल ने टेलीविजन पर अपना डेब्यू 'सीआईडी' (2009) से किया। इसके अतिरिक्त वह टीवी शो 'कॉमेडी सर्कस' (2012), 'किलर कराओके अटक तो लटक' (2015) कलर्स टीवी की थ्रिलर 'कवच' (2016) 'कॉमेडी नाइटस बचाओ' (2016) और 'बेकाबू' (2023) में नजर आ चुकी हैं। कलर्स टीवी के रियलिटी शो 'बिग बॉस 5' (2011–2012) में महक चहल ने भाग लिया और उपविजेता बनी। उसके बाद 'बिग बॉस हल्ला बोल' (2015) पॉवर कपल' (2015–2016) डर सबको लगता है (2016) 'कवच' (2016) 'फीयर फेक्टरः खतरों के खिलाड़ी–11' (2021) और 'नागिन 6' (2022–2023) जैसे रियलिटी शोज में उन्होंने दमदार उपस्थिति दर्ज कराई।

मॉडल से एक्टर बने नवीन कस्तूरिया

वेब सीरीज 'पिचर्स' (2015) 'पिचर्स 2' (2022) और 'एस्पिरेंट्स' (2021) 'एस्पिरेंट्स 2' (2023) के जर्ये पहचान बना चुके एक्टर नवीन कस्तूरिया को 'एस्पिरेंट्स' के अभिलाष की भूमिका के लिए जबर्दस्त प्रशंसा और प्रसिद्धि मिली। 26 जनवरी 1985 को नाइजीरिया के छोटे शहर ओटुकपो में जन्मे नवीन जब एक वर्ष के थे, उनका परिवार भारत आ गया। उनका पालन–पोषण दिल्ली के एक संयुक्त परिवार में हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बिड़ला विद्या निकेतन से और इंजीनियरिंग दिल्ली के नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से की।बेचलर डिग्री हासिल करने के बाद, 2006 में उन्होंने गुड़गांव की इंडक्टिस नाम की एनालिटिक्स फर्म में नौकरी कर ली। नौकरी के दौरान नवीन थिएटर किया करते थे। 2007 में, नवीन और उनके कॉलेज के दोस्तों ने एक थिएटर कंपनी, 'राइट क्लिक एंटरटेनमेंट' शुरू की, और अपना पहला नाटक 'खेल खेल में' लिखा और निर्देशित किया, जो हाउसफुल रहा। 2008 तक वह थिएटर करते रहे। नवीन कस्तूरिया 2008 में मुंबई आ गए और जेपी मॉर्गन में काम करने लगे। यहां नौकरी के साथ उन्होंने टेलीविज़न विज्ञापन के लिए ट्राई करना शुरू किया। उन्हें कोक के एड लिए, पहला अवसर दिबाकर बनर्जी ने दिया ।

उसके बाद नवीन कस्तूरिया ने 'वोडाफोन', 'महिंद्रा', 'टैपज़ो ऐप', 'मराठे ज्वैलर्स', 'ट्रू वैल्यू' जैसे विभिन्न ब्रांडों के लिए कई विज्ञापनों में काम किया । नवीन ने विशेष फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म 'जश्न' (2009) में सहायक निर्देशक के रूप में शुरूआत की। इसके बाद उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' (2010) और 'शंघाई' (2012) जैसी फिल्मों के दौरान दिबाकर बनर्जी और अंतर्राष्ट्रीय फिल्म 'टाइगर्स' (2014) के दौरान ऑस्कर विजेता निर्देशक डेनिस को असिस्ट किया। 'शंघाई' (2012) में सहायक निर्देशन के साथ नवीन ने रंजन नामक युवक की भूमिका भी निभाई, जो लोगों को काफी पसंद आई। इसके बाद नवीन को अमित मसूरकर की फिल्म 'सुलेमानी कीड़ा' (2014) में दुआल का किरदार निभाने का अवसर मिला। यह फिल्म उनके करियर के लिए बेहद अहम साबित हुई। उसके बाद नवीन वेब सीरीज 'चाय सुट्टा क्रॉनिकल्स' (2013) 'सोशल सीरीज' (2017) 'बोसः डैड/एलिव (2017) 'द गुड वाइब्स' (2018) 'फ़ुह से फ़ैंटेसी' (2019) 'थिंकिस्तान' (2019) 'हैप्पी एव्हर ऑफ्टर' (2019) 'परछायी' (2019) 'आपके कमरे में कोई रहता है' (2021) 'पति पत्नी और पंगा' (2021) 'रनअवे लुगाई' (2021) 'कोटा फ़ैक्टरी' (2021) 'ब्रीथः इनटू द शैडोज़ 2' (2022) 'एसके सर की क्लास' (2023) और 'सपने वर्सेस एव्हरी वन' (2023) में प्रमुख भूमिकाएं निभा चुके हैं। उन्होंने 'स्किन डीप' (2013) 'इंटीरियर कैफे नाइट' (2014) 'स्टंट बॉय' (2014) 'छोटी खुशी' (2015) 'प्योर वेज' (2016) 'हाफ टिकट' (2016) 'हाफ टिकट 2' (2018) 'माया' (2018) 'सोने भी दो यारों' (2018) और 'तसल्ली से' (2022) जैसी लघु फिल्मों में भी शानदार किरदार निभाए। 2022 में उन्होंने एक म्यूजिक वीडियो 'पहली बार हम मिले' भी किया।

हमारा फैसला है कि सीट नहीं, जीत चाहिए : संजय निषाद

लखनऊ, (भाषा) निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के अध्यक्ष एवं राज्य सरकार में मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने राज्य विधानसभा की नौ सीट पर होने वाले उपचुनाव में एक भी सीट नहीं मिलने को लेकर शुक्रवार को कहा कि हमने फैसला कर लिया कि 'सीट' नहीं, 'जीत' चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल निषाद पार्टी के प्रमुख संजय निषाद उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा उम्मीदवार घोषित किए जाने से पहले तक दो सीट–मझवां और कटेहरी, पर अपनी दावेदारी के लिए दिल्ली में डेरा डाले हुए थे लेकिन भाजपा ने सिर्फ एक सीट मीरापुर अपने सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) को दी और बाकी आठ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए। नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन शुक्रवार को यहां निषाद पार्टी की राज्य कोर कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ संजय निषाद ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। निषाद से जब पूछा गया कि आप दो सीट मांग रहे थे लेकिन आपको एक भी नहीं मिली, इसके जवाब में उन्होंने कहा, ''देखिए, सब परिस्थितियां पर निर्भर है। देश की जनता हमारे साथ खड़ी है लेकिन विरोधी ताकतें एक होकर उत्तर प्रदेश की अखंडता को खतरा पैदा करना चाहती हैं, अस्थिरता लाना चाहती हैं।'' उन्होंने कहा, ''देश की जनता के हितों के लिए, समाज के हितों के लिए बड़े और कड़े फैसले लेने पड़ते हैं। इसके लिए हमने फैसला कर लिया है कि हम उपचुनाव नहीं लड़ेंगे, हमें सीट नहीं, जीत चाहिए।'' निषाद पार्टी मिर्जापुर जिले की मझवां और आंबेडकर नगर की कटेहरी विधानसभा सीट मांग रही थी, जहां 2022 का विधानसभा चुनाव उसने अपने चुनाव चिह्न पर लड़ा था। मझवां सीट निषाद पार्टी के विधायक विनोद बिंद और कटेहरी सीट समाजवादी पार्टी के विधायक लालजी वर्मा के इस्तीफा दिए जाने के कारण रिक्त हो गई है। इस साल हुए लोकसभा चुनाव में बिंद भदोही और वर्मा आंबेडकर नगर सीट से सांसद चुने गए जिसके बाद दोनों ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। निर्वाचन आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश विधानसभा सीट करहल, कुंदरकी, कटेहरी, सीसामऊ, खैर, गाजियाबाद सदर, मीरापुर, मझवां और फूलपुर के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा तथा 23 नवंबर का मतों की गिनती होगी। अयोध्या जिले की मिल्कीपुर सीट को लेकर मामला अदालत में लंबित होने के कारण इस सीट का कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया। संवाददाता सम्मेलन में मत्स्य विभाग के मंत्री ने कहा, ''हमारी कोर कमेटी और कार्यकर्ताओं की बैठक हुई और तय हुआ कि भाजपा और राजग के जो भी प्रत्याशी हैं उनको जिताने के लिए हमारे कार्यकर्ता मैदान में उतरेंगे।'' उप मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए निषाद ने कहा, ''ब्रजेश पाठक जी, अभिभावक स्वरूप हमारे पुराने साथी रहे हैं, इनको धन्यवाद दूंगा कि समय–समय पर हमारी आवाज को दिल्ली तक पहुंचाते रहते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''हमारा (राजग) गठबंधन पहले भी मजबूत था, आज भी है और कल भी रहेगा, हमेशा के लिए रहेगा।'' भाजपा ने कुंदरकी विधानसभा सीट से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर (सुरक्षित) से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर से दीपक पटेल, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और सीसामऊ सीट से सुरेश अवस्थी को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा ने रालोद के लिए मीरापुर सीट छोड़ दी जहां से उसने मिथिलेश पाल को गठबंधन का प्रत्याशी बनाया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संजय निषाद का आभार जताते हुए कहा, ''वह गठबंधन धर्म का पालन करते हुए भाजपा के साथ लगातार कंधे से कंधा मिलाकर पूरे देश में काम कर रहे हैं।''

महायुति के बीच 288 विधानसभा सीट में से 11 पर अभी बातचीत जारी है: अजित पवार

इंदापुर, (भाषा) महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार ने शुक्रवार को कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति के बीच राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से 11 सीट पर अभी बातचीत हो रही है। राज्य विधानसभा की 288 सीट पर एक चरण में 20 नवंबर को मतदान कराया जाएगा जबकि 23 नवंबर को परिणाम जारी किए जाएंगे। पवार ने कहा कि उनकी पार्टी को मिली सीट में से 10 प्रतिशत सीट अल्पसंख्यक उम्मीदवारों के लिए रखी जाएंगी। उन्होंने कहा, ''मैंने कुछ उम्मीदवार के नामों की घोषणा कर दी है। अभी 11 सीट पर चर्चा जारी है। हम सबको खुश नहीं कर सकते।'' महाराष्ट्र की बारामती सीट पर अजित पवार का मुकाबला अपने भतीजे और राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नेता युगेंद्र पवार से है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, राकांपा और भाजपा सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन के घटक दल हैं। अजित पवार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व के साथ चर्चा करने के लिए बृहस्पतिवार को दिल्ली में मौजूद थे। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने अब तक 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है, जबकि राकांपा ने 45 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए दो सूचियां जारी की हैं। वहीं, शिवसेना ने अब तक 45 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की है।

निफ्ट के परिसर विदेशों में खोलने की योजना: गिरिराज सिंह

शिलांग, (भाषा) केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने नवाचार के महत्व और कपड़ा उद्योग में पूर्वोत्तर की भूमिका पर बल देते हुए शुक्रवार को कहा कि वह राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के परिसर विदेशों में खोलने की योजना बना रहे हैं। सिंह मेघालय की राजधानी में निफ्ट के स्थायी परिसर के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान स्नातक वर्ग के लिए 12वें दीक्षांत समारोह का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कपड़ा मंत्री ने विभाग को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर मान्यता–प्राप्त स्तर तक ले जाने का वादा किया। उन्होंने निफ्ट की 'विजननेक्स्ट' पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह विदेशों में निफ्ट परिसरों की स्थापना की योजना बना रहे हैं। उन्होंने छात्रों से 'भारत ब्रांड' एवं हरित टिकाऊ कपड़ा उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने का आग्रह भी किया। उन्होंने निफ्ट स्नातकों को भविष्य की चुनौतियां स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, "फैशन का भविष्य आपके हाथों में है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को दोहराते हुए डिजाइन प्रक्रिया में कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने की वकालत भी की। सिंह ने डिजाइन में तकनीकी उपकरणों की जरूरत के महत्व का जिक्र करते हुए कहा, "हमें अपने छात्रों को उनकी रचनात्मकता को बचाए रखने के लिए उपकरण और प्रौद्योगिकी से लैस करना चाहिए।" उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक यह उद्योग बढ़कर 350 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि हथकरघा, तकनीकी वस्त्र और हस्तशिल्पों का निर्यात में 45,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान है। सिंह ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की अहमियत का उल्लेख करते हुए कहा, "पूर्वोत्तर हमारे अरबों डॉलर के बाजार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।" इस कार्यक्रम में केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और मेघालय के पर्यटन मंत्री पॉल लिंगदोह ने भी शिरकत की।

केरल में भारी बारिश: आईएमडी ने पांच जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम, (भाषा) केरल के कई हिस्सों में शुक्रवार को भारी बारिश हुई, जिससे सड़कों पर जलजमाव और यातायात जाम होने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के पांच जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने तिरुवनंतपुरम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, इडुक्की और त्रिशूर जिलों में दिन के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। साथ ही राज्य के सात अन्य जिलों में 'येलो अलर्ट' भी जारी किया।

जम्मू कश्मीर के सांबा के सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू

जम्मू, (भाषा) जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में सीमावर्ती इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के लिए शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस ने संयुक्त अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तलाश अभियान कश्मीर घाटी में आतंकवादी हमलों की बढ़ती संख्या की पृष्ठभूमि में चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पुलिस द्वारा रामगढ़ सेक्टर के सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें सुरक्षा बल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कुछ वन क्षेत्रों सहित कई संवेदनशील स्थानों की तलाशी ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखना और सुरक्षा को मजबूत करना है। इस बीच, सांबा के जिलाधिकारी ने जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के दो किलोमीटर के दायरे में सभी प्रकार के पटाखों की बिक्री या उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और यह जारी होने की तिथि से दो महीने की अवधि तक प्रभावी रहेगा, जब तक कि इसे प्रतिबंध की अवधि से पूर्व वापस नहीं ले लिया जाता या निरस्त नहीं कर दिया जाता।

भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया: राजस्थान के राज्यपाल बागडे

जयपुर, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जीवंत संस्कृति वाले भारत ने विश्व को सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''भारत जीवंत संस्कृति वाला राष्ट्र है। विश्व की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का मूल यही देश रहा है। भारत ने ही विश्वभर को 'वसुधैव कुटुम्बकम' के जरिए सार्वभौमिक समानता का पाठ पढ़ाया।'' आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि आजादी के सौ साल पूरे होने का अवसर 'भारत के उस गौरव को पुनः प्राप्त' करने से जुड़ा है। उन्होंने देश की समृद्ध ज्ञान परम्परा और अद्वितीय इतिहास से जुड़ी संस्कृति पर चिंतन–मनन कर भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास किए जाने का आह्वान किया है।उन्होंने कहा, ''भारत विश्व की आर्थिक और सांस्कृतिक महाशक्ति बनें। यह समय हमारी सांस्कृतिक और सभ्यतागत जड़ों की ओर लौटने से जुड़ा है।'' बागडे ने प्राचीन भारत के वैश्विक व्यापार के केंद्र रहने की चर्चा करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का दृष्टिकोण इसी संदर्भ में दिया है। यह प्रधानमंत्री के पंच प्रण– विकसित भारत, मानसिक उपनिवेशवाद के उन्मूलन, हमारी विरासत पर गर्व, नागरिकों की एकता और कर्तव्य से जुड़ा है। यही हमारी सभ्यता के मूल सिद्धांतों का स्वाभाविक विस्तार है।''

राजस्थान में किसी के साथ अन्याय नहीं होगा : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (भाषा) राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार लोगों को विश्वास दिलाती है कि प्रदेश कानून के अनुसार चलेगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार ने प्रदेश की प्रमुख समस्या पानी और बिजली के लिए काम किया है। किसानों के लिए सम्मान निधि देने के साथ घुमंतू और अर्द्ध घुमंतू वर्ग के लिए आवास सुविधा दी गई है। वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग आम जनता के जज्बातों से खिलवाड़ करते हुए एक–दूसरे को लड़ाने का काम कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, '' कुछ असामाजिक तत्व क्षेत्र में अशांति फैलाने के साथ माताओं–बहनों के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। लेकिन, प्रदेश की भाजपा सरकार आपको विश्वास दिलाती है कि ये प्रदेश कानून के अनुसार ही चलेगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होगा।'' मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को खींवसर, संलुबर और चौरासी विधानसभा उप चुनावों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास के कार्य करवाए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की 'डबल इंजन' सरकार ने युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजन करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता क्षेत्र का विकास करना है। वहीं, दूसरी ओर महिलाओं के उत्पीड़न, गुंडागर्दी और अपराध पर लगाम लगाने का भी कार्य किया जा रहा है। शर्मा ने खींवसर से भाजपा प्रत्याशी रेवंतराम डांगा, संलुबर से शांति देवी मीणा और चौरासी से कारीलाल ननोमा के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया और क्षेत्र के विकास के लिए भाजपा के प्रत्याशी को भारी बहुमत के साथ जीत दिलाकर विधानसभा में भेजने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का काम करते हैं, झूठी बातें करके आमजन को बरगलाने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार ने पहले ही साल एक लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया, 33 हजार नियुक्ति पत्र दिए, 90 हजार भर्तियों को कैबिनेट ने स्वीकृति दी और दो साल का भर्ती कैलेंडर जारी किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा क्षेत्र के विकास के लिए तत्पर है, वहीं केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी पहाड़ी इलाकों के विकास के लिए योजनाएं शुरू कर रहे है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार विकसित राजस्थान के लिए मिलकर कार्य कर रहे है।

चित्रकूट यात्रा संस्मरण– राम कथा मंदाकिनी, चित्रकूट चित चारु

विनोद बब्बर

भारतीय संस्कृति में पर्वो, तीर्थो का बहुत महत्व है। पवित्र मंदाकनी के तट पर स्थित चित्रकूट ऐसा तीर्थक्षेत्र है जिसके कण–कण में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण से जुड़े अनेक स्थल हैं। वनवास की ओर प्रस्थान करते हुए रामजी ने महर्षि बाल्मीकि जी से रहने लायक स्थान बताने की प्रार्थना की तो महर्षि ने कहा, 'हे राम, आप मुझसे स्थान पूछ रहे हैं। आप कहां नही हैं? आपका वास तो कण–कण में व्याप्त है। लेकिन फिर भी आप मुझे बड़ाई देना चाहते हैं, तो आपके रहने लायक चित्रकूट सर्वोत्तम स्थान है।' रामचरित मानस में तुलसी बाबा कहते हैं –

चित्रकूट गिरी करहू निवासू।
जह तुम्हार सब भांति सुपासू।।

इसी कारण रामजी ने चित्रकूट में पर्णकुटी अर्थात पत्तों की कुटिया बनाकर साढ़े ग्यारह वर्ष निवास किया। चित्रकूट में ही गोस्वामी तुलसीदास जी को प्रभु के दर्शन हुए थे। इस संबंध में बहुचर्चित पंक्तियां हैं–

चित्रकूट के घाट पर, भई संतन की भीर।
तुलसीदास चंदन घिसे, तिलक लेते रघुवीर।।

चित्रकूट का पहला उल्लेख आदि कवि वाल्मीकि रचित रामायण में मिलता है तो महाकवि कालिदास के महाकाव्य रघुवंश में इस स्थान का सुंदर वर्णन है। प्रसिद्ध ग्रन्थ मेघदूत में उन्होंने यक्ष के निर्वासन स्थल चित्रकूट को रामगिरी के नाम में संबोधित किया। महाभारत काल में पाण्डवों के चित्रकूट आने से प्रमाण भी मिलते हैं। मुगल बादशाह जहांगीर ने अपने पिता अकबर के नौरत्नों में शामिल रहीम को निकाल दिया तो विपत्ति के उस काल में रहीम चित्रकूट में रहे। चित्रकूट के इतिहास से परिचित हो कवि रहीम ने लिखा–

चित्रकूट में रमी रहे रहिमन अवध नरेश।
जा पे बिपदा परत है सो आवत एही देश।।

चित्रकूट संस्कृत भाषा का शब्द है जिसका अर्थ पर्वतीय दृश्यों का अनुपम केंद्र है। अपनी विशिष्ट पहचान वाले बुन्देलखण्ड का यह क्षेत्र सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक महत्व का है। तुलसीबाबा ने चित्रकूट का वर्णन करते हुए लिखा है कि 'जब संसार में अंधेरा छा जाएगा उसके बावजूद भी भगवान राम की कृपा से चित्रकूट को कुछ नहीं होगा।' यह क्षेत्र कभी कौशल साम्राज्य के अंतर्गत आता था। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा के दोनो ओर स्थित चित्रकूट अपने तरह का अनूठा स्थान है जहां चित्रकूट नामक जिला उत्तरप्रदेश में हैं लेकिन तीन–चौथाई से अधिक भाग मध्य प्रदेश के सतना जिले में है। 1997 में बांदा जिले से कर्वी और मऊ तहसील अलग कर शाहूजी महाराज नगर नामक जिले का गठन किया गया। लेकिन इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए 1998 में इसका नाम बदलकर चित्रकूट रख दिया गया।

उत्तरी विध्य श्रृंखला में स्थित चित्रकूट में यूं तो सदैव श्रद्धालु भक्तों का आवागमन लगा रहता है लेकिन प्रत्येक अमावस्या को लाखों की संख्या में श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। संतों की इस नगरी में दीवाली, शरद–पूर्णिमा, मकर–संक्रांति और रामनवमी पर विशेष धूमधाम रहती है। चित्रकूट के कण–कण में प्रभु की चरण रज होने के कारण यह सम्पूर्ण क्षेत्र तीर्थ है लेकिन प्रमुख स्थल इस प्रकार हैं –

रामघाट – अपने चित्रकूट प्रवास के दौरान प्रभु श्रीराम मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित रामघाट पर स्नान करते थे। वर्तमान में इस सकरे घाट पर गोस्वामी तुलसीदास जी की प्रतिमा है तो कुछ ऊंचाई पर अनेक मंदिर भी हैं। नदी में अनेक नौकाएं देखी जा सकती है तो प्रतिदिन सायंकाल यहां होने वाली आरती मन का अपना आकर्षण है।

जानकी कुण्ड – रामघाट से 2 किलोमीटर की दूरी पर मंदाकिनी तट पर जानकी कुण्ड है जहां माता जानकी स्नान करती थीं। इस कुण्ड के निकट ही राम–जानकी मंदिर और संकट मोचन मंदिर है।

कामदगिरि – कामदगिरि पर्वत में रामजी ने कुटी का निर्माण किया था। इस पर्वत में अनेकों मंदिर हैं जिसमें रामजी का स्थान, तुलसी स्थान, भरत मिलाप स्थान, भरत व लक्ष्मण मंदिर प्रसिद्ध हैं। इस पवित्र पर्वत का काफी धार्मिक महत्व है। श्रद्धालु कामदगिरि पर्वत की 5 किलोमीटर की परिक्रमा कर अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण होने की कामना करते हैं। जंगलों से घिरे इस पर्वत के तल पर अनेक मंदिर बने हुए हैं। चित्रकूट के लोकप्रिय कामतानाथ और भरत मिलाप मंदिर भी यहीं स्थित है।

स्फटिक शिला – जानकी कुण्ड से कुछ दूर स्थित इस शिला पर बैठ राम और सीता चित्रकूट की सुंदरता निहारते थे। यहां आज भी सीताजी के पदचिन्ह अंकित हैं। लोक विश्वास है कि जब माता जानकी इस शिला पर खड़ी थी तो जयंत ने काक रूप धारण कर उन्हें चोंच मारी थी।

महर्षि अत्रि आश्रम – स्फटिक शिला से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर घने वनों से घिरे इस आश्रम में महर्षि अत्रि, सति अनुसुइया, महर्षि मार्कंडेय, दत्तात्रेय, सरभंग और दुर्वासा मुनि की उपस्थिति रही है।

गुप्त गोदावरी – नगर से 18 किलोमीटर की दूरी पर गुप्त गोदावरी में दो गुफाएँ हैं। एक गुफा चौड़ी और ऊँची है। प्रवेश द्वार संकरा होने के कारण इसमें आसानी से नहीं घुसा जा सकता। गुफा के अंत में एक छोटा तालाब है जिसे गोदावरी नदी कहा जाता है। दूसरी गुफा लंबी और संकरी है जिससे हमेशा पानी बहता रहता है। कहा जाता है कि इस गुफा के अंत में राम और लक्ष्मण ने दरबार लगाया था।

हनुमान धारा – पहाड़ी के शिखर पर स्थित हनुमान धारा में हनुमान की एक विशाल मूर्ति है। मूर्ति के सामने तालाब में झरने से पानी गिरता है। कहा जाता है कि यह धारा श्रीराम ने लंका दहन से आए हनुमान के आराम के लिए बनवाई थी। विशेष यह कि यह जल धारा भीषण गर्मी में भी बहती है। पहाड़ी के शिखर पर ही सीता रसोई है। यहां की ऊचांई में पूरे चित्रकूट का अवलोकन किया जा सकता है। कुछ समय पूर्व तक श्रद्धालुओं को हनुमान धारा तक सीधी चढ़ाई चढ़कर जाना पड़ता था लेकिन अब रोप–वे से वहां पहुंचना बहुत आसान हो गया है। विशेष यह कि यहां के लंगूर अन्य तीर्थों के बंदरों की तरह यात्रियों से न तो छीना झपटी करते हैं और न ही किसी प्रकार का नुकसान पहुंचाते हैं। उन्हें श्रद्धालुओं के हाथ से भीगे–उबले चने लेकर बहुत प्यार से खाते देखा जा सकता है। लोग इन लंगूरों के इस व्यवहार का विडियो बनाते हैं।

भरतकूप – ननिहाल से लौटने पर जब भरतजी को माता कैकई से सब जानकारी मिली तो उन्होंने चित्रकूट पहुंच रामजी को अयोध्या वापस चलने और स्वयं उनके स्थान पर वनवास में रहने का सुझाव रखा लेकिन राम दृढ़ प्रतिज्ञ थे। तब भरत अपने अग्रज राम की चरणपादुका लेकर वापस लौट गए। परंतु लौटने से पहले उन्होंने रामजी के राज्याभिषेक के लिए सभी पवित्र नदियों का जल एकत्रित कर महर्षि अत्रि के परामर्श पर जिस कूप में रखा था उसे भरत–कूप के नाम से जाना जाता है।

राम दर्शन परिसर– आधुनिक मंदिरों में राम दर्शन विशेष उल्लेखनीय है। इस मंदिर में राम जी के जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को कलात्मक ढ़ंग से प्रस्तुत किया गया है। इस विशाल,हरे भरे स्वच्छ परिसर में प्रवेश के लिए नाममात्र का शुल्क चुकाना पड़ता है। इस परिसर में स्थापित हनुमान जी की विशाल मूर्ति अत्यन्त आकर्षक है।

सत्ता की राजनीति को तज 'शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलम्बन एवं सदाचार' के माध्यम से सामाजिक–आर्थिक विषमताओं से मुक्त एवं उदात्त भारतीय जीवन मूल्यों के संरक्षण का लक्ष्य लेकर सदा–सदा के लिए चित्रकूट के हो गए राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने यहां अपने अनूठे प्रयोगों से विविध आयाम खड़े किए। राष्ट्रीय पुनर्निमाण का आदर्श प्रस्तुत करने वाले स्मृतिशेष नानाजी को भारतरत्न से अलंकृत किया गया। उनके द्वारा स्थापित ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट का वर्तमान युग तीर्थ कहा जा सकता है।

पद्मविभूषण जगदगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य के नेतृत्व में संचालित श्रीतुलसीपीठ, श्री रामचरितमानस मंदिर, कांच मंदिर तथा आसपास अनेक दर्शनीय स्थल चित्रकूट की शोभा हैं। महर्षि अत्री, सती अनुसूया, दत्तात्रेय, महर्षि मार्कंडेय, सारभंग, सुतीक्ष्ण और विभिन्न अन्य ऋषि, संत, भक्त सहित अनेक महापुरुषों ने इस धरा को अपनी तपस्थली बनाया।

गत दिवस चित्रकूट में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रामलीला महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिला। यह त्रिदिवसीय आयोजन जगदगुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य के नेतृत्व में संचालित श्रीतुलसीपीठ के श्री रामचरितमानस मंदिर में आयोजित किया गया। दृष्टिबाधित होते हुए भी पूज्य स्वामीजी की विलक्षण साहित्यिक प्रतिभा और स्मरण शक्ति से सम्पूर्ण विश्व परिचित है। पद्मविभूषण सहित अनेकों प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत स्वामीजी को पिछले दिनों भारतीय साहित्य का सर्वोच्च सम्मान ज्ञानपीठ प्राप्त हुआ तो अखिल भारतीय साहित्य परिषद की दिल्ली इकाई इन्द्रप्रस्थ साहित्य भारती की ओर से पूज्य स्वामीजी को अभिनंदन पत्र भेंट किया गया।

यह सत्य है कि चित्रकूट में विकास की आंधी से साक्षात्कार नहीं होता, लेकिन यहां के हरे–भरे प्राकृतिक परिवेश का श्रृंगार झर–झर गाते झरने, चंचल मृग, नृत्य करते मयूर, आपेक्षाकृत शांत बंदर–लंगूर तीर्थ यात्रियों को लुभाते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस, कवितावली, दोहावली और विनय पत्रिका में चित्रकूट का उल्लेख अत्यंत आदरपूर्वक किया है जो रामबोला (तुलसीदास) और चित्रकूट के बीच भावनात्मक बंधन का परिचायक हैं। चित्रकूट की महिमा का बखान करते हुए तुलसी लिखते है –

राम कथा मंदाकिनी, चित्रकूट चित चारु।
तुलसी सुभग सुनेह बन, सिय रघुवीर बिहारु।।

एअर इंडिया एक्सप्रेस एक दिसंबर से जम्मू और श्री विजयपुरम के लिए उड़ानें शुरू करेगी

नयी दिल्ली, (भाषा) विमानन कंपनी एअर इंडिया एक्सप्रेस एक दिसंबर से जम्मू और श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) के लिए उड़ानें शुरू करेगी। विमानन कंपनी ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ''जम्मू को दिल्ली और श्रीनगर से सीधी उड़ानों से जोड़ा जाएगा। उसी दिन (एक दिसंबर) को एअर इंडिया एक्सप्रेस श्री विजयपुरम (पोर्ट ब्लेयर) से बेंगलुरु और कोलकाता के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगी।'' एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह ने कहा कि विमानन कंपनी तेजी से बढ़ते अपने बेड़े के दम पर घरेलू बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, ''हमने हाल ही में पूर्वोत्तर और दक्षिण में स्टेशन और क्षमता में वृद्धि की है...।'' टाटा समूह के स्वामित्व वाली यह विमानन कंपनी 35 घरेलू और 14 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को जोड़ते हुए प्रतिदिन 400 से अधिक उड़ानों का संचालन करती है तथा इसके बेड़े में 90 विमान हैं।

एमपी–एमएलए अदालतों को सभी लंबित मामलों का तेजी से निस्तारण करने का निर्देश

प्रयागराज, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संपूर्ण उत्तर प्रदेश की एमपी–एमएलए अदालतों के पीठासीन अधिकारियों को पूर्व और मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित 20 वर्ष से पुराने सभी मुकदमों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति एम के गुप्ता और न्यायमूर्ति समित गोपाल की पीठ ने संबंधित जिलों के पीठासीन अधिकारियों को इस संबंध में उच्च न्यायालय के समक्ष 10 दिसंबर, 2024 तक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। एक जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए अदालत ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय की रजिस्ट्री को विभिन्न अदालतों से प्राप्त आंकड़ों को संकलित कर एक टेबल के रूप में इस अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया।

नेशनल फर्टिलाइजर्स 208 करोड़ रुपये के निवेश से उर्वरक संयंत्र लगाएगी

नयी दिल्ली, (भाषा) यूरिया बनाने वाली देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) मध्य प्रदेश में 208 करोड़ रुपये के निवेश से जल में घुलनशील उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्व संयंत्र लगाएगी। एनएफएल ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पंजाब के नांगल में यूरिया इकाई को बंद करने की भी मंजूरी दे दी है। एनएफएल पंजाब, हरियाणा और मध्य प्रदेश में पांच गैस आधारित अमोनिया–यूरिया विनिर्माण इकाइयां संचालित करती है। कंपनी के उत्पादों में यूरिया, जैव–उर्वरक, औद्योगिक रसायन तथा प्रमाणित बीज और कृषि रसायन जैसे कृषि उत्पाद शामिल हैं।

एचपीसीएल का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 98 प्रतिशत घटकर 142.67 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र की हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2024–25 की दूसरी तिमाही में 97.5 प्रतिशत लुढ़क कर 142.67 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का रिफाइनरी और विपणन मार्जिन घटने से लाभ कम हुआ है। एचपीसीएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे पिछले वित्त वर्ष 2023–24 की दूसरी तिमाही में 5,826.96 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। तिमाही आधार पर भी कंपनी का शुद्ध लाभ घटा है। चालू वित्त वर्ष अप्रैल–जून अवधि में कंपनी को 633.94 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। रिफाइनरी समेत ईंधन खुदरा कारोबार से समीक्षाधीन अवधि में कर–पूर्व आय घटकर 1,285.96 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 6,984.60 करोड़ रुपये थी। एचपीसीएल और सार्वजनिक क्षेत्र की अन्य ईंधन खुदरा कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने पिछले साल लागत में गिरावट के बावजूद पेट्रोल तथा डीजल की कीमतों को स्थिर रखने से असाधारण लाभ कमाया था।

एनआईआईटी की सितंबर तिमाही में शुद्ध लाभ 11 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली, (भाषा) कौशल और प्रतिभा विकास कंपनी एनआईआईटी का चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.18 प्रतिशत बढ़कर 11.83 करोड़ रुपये हो गया। गुरुग्राम स्थित एनआईआईटी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को इस तिमाही नतीजे की सूचना दी। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 10.64 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के लिए एनआईआईटी ने 90. 71 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जो वित्त वर्ष 2023–24 की दूसरी तिमाही के 81.40 करोड़ रुपये से 11.43 प्रतिशत अधिक है। हालांकि अप्रैल–डून, 2024 तिमाही की तुलना में कंपनी के लाभ और राजस्व में क्रमशः 52.64 प्रतिशत और 9.99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एनआईआईटी के वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विजय के थडानी ने कहा, "प्रौद्योगिकी, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा और अन्य पाठ्यक्रमों में कारोबार मजबूती से बढ़ा है। करियर की शुरुआत करने वाले युवा और कामकाजी पेशेवर दोनों ही खंडों में नामांकन बढ़ा है।" आलोच्य तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या घटकर 735 रही जो साल भर पहले 843 थी।

उन्नत दूरसंचार सेवाओं के लिए 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में परिवेश बेहतरः क्वालकॉम अधिकारी

नयी दिल्ली, (भाषा) चिप विनिर्माता क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि 600 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड में उन्नत दूरसंचार सेवाओं का समर्थन करने के लिए मोबाइलफोन परिवेश काफी अच्छा है। ऐसा अनुमान है कि 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में मोबाइल सेवाएं संचालित होने से किसी भी बूस्टर या एम्पलीफायर के बगैर भी इमारतों के अंदर सिग्नल बेहतर होगा। स्मार्टफोन के लिए उन्नत प्रोसेसर बनाने वाली कंपनी क्वालकॉम टेक्नोलॉजीज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और महाप्रबंधक (प्रौद्योगिकी योजना एवं उन्नत समाधान) दुर्गा मल्लादी ने कहा कि जब तक भारत इन रेडियो तरंगों को इस्तेमाल के लिए मुहैया कराने का फैसला करेगा, तब तक स्मार्टफोन पारिस्थितिकी और बेहतर हो जाएगी। मल्लादी ने क्वालकॉम चिपसेट में 600 मेगाहर्ट्ज बैंड के लिए उपलब्ध समर्थन पर चर्चा के दौरान कहा, "वास्तव में यह काफी अच्छा है। हमारे ट्रांसीवर पहले से ही 600 मेगाहर्ट्ज तक जाते हैं। इसलिए हमारे लिए वहां कोई समस्या नहीं है। हम दुनिया के किसी भी हिस्से में कारोबार के लिए तैयार हैं।" क्वालकॉम के चिपसेट का इस्तेमाल मुख्य रूप से प्रीमियम श्रेणी के स्मार्टफोन में किया जाता है। बाजार शोध एवं विश्लेषण फर्म काउंटरपॉइंट रिसर्च के मुताबिक, क्वालकॉम अप्रैल–जून तिमाही में 38 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी के साथ वैश्विक स्तर पर चिपसेट खंड में सबसे आगे रही है। केंद्र सरकार ने 2022 स्पेक्ट्रम नीलामी के दौरान 600 मेगाहर्ट्ज के स्पेक्ट्रम बैंड में 40 मेगाहर्ट्ज आवृत्ति तक की तरंगों को रखा था। लेकिन उस बैंड में सेवाओं का समर्थन करने के लिए उपकरण परिवेश न होने से कोई बोलीदाता नहीं मिल पाया। इसके बाद सरकार ने जून, 2024 में आयोजित स्पेक्ट्रम नीलामी में 600 मेगाहर्ट्ज बैंड को शामिल नहीं किया था। मल्लादी ने कहा कि 600 मेगाहर्ट्ज बैंड अमेरिका में एक प्रीमियम संपत्ति है और इसका उपयोग उस देश में दूरसंचार सेवा प्रदाता टी–मोबाइल देशव्यापी कवरेज के लिए करती है। यह अनुमान है कि 600 मेगाहर्ट्ज बैंड में एक अकेला मोबाइल टावर भी 65 किलोमीटर के दायरे में मोबाइल सिग्नल भेज सकता है जबकि बीएसएनएल और रिलायंस जियो के पास 700 मेगाहर्ट्ज बैंड के मामले में यह दूरी लगभग 25 किलोमीटर की है। वहीं, 2जी स्पेक्ट्रम के रूप में मशहूर 1,800 मेगाहर्ट्ज बैंड में प्रेषित सिग्नल सिर्फ 2.5 किलोमीटर दूरी ही कवर करता है।

ट्राई का रेटिंग मंच डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करेगा

नयी दिल्ली, (भाषा) दूरसंचार नियामक ट्राई ने डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करने और उन्हें दर्जा देने के लिए एक 'रेटिंग मंच' बनाने का फैसला किया है। संपत्ति प्रबंधक ग्राहकों के लिए अच्छे डिजिटल संपर्क देने के बारे में सोचें, इसीलिए नियामक ने एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता और दिए गए अंकों के आधार पर, संपत्तियों को 'स्टार' रेटिंग दी जाएगी। यह रेटिंग एक स्टार से लेकर पांच स्टार तक होगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग के लिए संपत्तियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। ये श्रेणियां – आवासीय, सरकारी संपत्तियां, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, अन्य निजी या सार्वजनिक क्षेत्र, स्टेडियम या खेल के मैदान या लोगों के जमा होने वाले सार्वजनिक स्थल और परिवहन गलियारे हैं। ट्राई ने शुक्रवार को एक नए रेटिंग ढांचे की रूपरेखा जारी करते हुए कहा कि 4जी (एलटीई) नेटवर्क के महत्वपूर्ण प्रसार, 5जी नेटवर्क की शुरुआत और अधिक स्पेक्ट्रम बैंड की उपलब्धता के बावजूद इमारतों के अंदर डिजिटल संपर्क का प्रसार और गुणवत्ता एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ट्राई ने कहा कि इस मुद्दे को मुख्य रूप से सेवा प्रदाताओं और संपत्ति प्रबंधकों के सहयोग से हल किया जाना चाहिए। दूरसंचार नियामक ने बयान में कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग एजेंसी (डीसीआरए) के रूप में गतिविधि शुरू करने का इरादा रखने वाली किसी भी इकाई को पात्रता मानदंडों को पूरा करने पर रेटिंग मंच पर पंजीकरण के जरिये ट्राई सूचीबद्ध करेगा।

अदाणी की ऊंची बोली के बाद केएसके महानदी के लिए अन्य दावेदावों ने भी दांव बढ़ाए

नयी दिल्ली, (भाषा) केएसके महानदी पावर के अधिग्रहण के लिए अदाणी समूह की तरफ से 12,500 करोड़ रुपये की बोली लगाए जाने के बाद अन्य बोलीदाता भी अपनी पेशकश संशोधित करने के लिए प्रेरित हुए हैं और इसका अंतिम आंकड़ा बहुत अधिक हो सकता है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। केएसक महानदी पावर के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की तरफ से बोली को चुनौती देने वाली व्यवस्था शुरू किए जाने के बाद गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) की पूरी वसूली हो जाने की उम्मीद है। हालांकि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत संचालित कार्यवाही में ऐसा हो पाना लगभग दुर्लभ है। आईबीसी व्यवस्था से जुड़े सूत्रों ने केएसके महानदी को लेकर दिलचस्पी जगाने का श्रेय अदाणी समूह को दिया है। अदाणी समूह ने इस संकटग्रस्त कंपनी के लिए 12,500 करोड़ रुपये की शुरुआती ऊंची बोली लगाई है। यह बोली दूसरे स्थान पर मौजूद बोलीदाता की तुलना में 4,800 करोड़ रुपये यानी 62 प्रतिशत अधिक है। इसका नतीजा यह निकला है कि एनटीपीसी समेत 10 मौलिक बोलीदाताओं में से छह ने अब अदाणी समूह की लगाई बोली के आसपास के संशोधित प्रस्ताव पेश किए हैं। यह मजबूत प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है जिससे परिसंपत्ति मूल्य भी बढ़ेगा। उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि यह अधिकतम मूल्य हासिल करने पर आईबीसी के जोर को दर्शाता है। अदाणी की प्रतिस्पर्धी बोली केएसके महानदी के 10,000 करोड़ रुपये के कथित नकद भंडार और 4,000 करोड़ रुपये की व्यापार प्राप्तियों को जोड़कर करीब 27,000 करोड़ रुपये हो जाती है। इसका मतलब है कि कर्जदाताओं को बकाया कर्ज के 92 प्रतिशत की वसूली हो सकती है। छत्तीसगढ़ में स्थित केएसके महानदी की स्थापित क्षमता 1,800 मेगावाट है। करीब 29,330 करोड़ रुपये के कर्ज बोझ वाली इस परियोजना को 2019 में दिवाला समाधान प्रक्रिया में लाया गया था। अदाणी पावर की 12,500 करोड़ रुपये की बोली प्रतिस्पर्धी संस्थाओं के बीच सबसे ऊंची पेशकश थी। इस प्रक्रिया में जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जिंदल पावर, वेदांता, एनटीपीसी और कोल इंडिया जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल थीं। लेकिन उनकी बोलियां 6,500 करोड़ रुपये से 7,700 करोड़ रुपये के बीच थीं। इसके बाद कर्जदाताओं की समिति ने बोली चुनौती व्यवस्था अपनाने का फैसला किया। नई व्यवस्था के तहत बाकी दावेदारों ने बढ़ी हुई बोलियां लगाई हैं।

जेएंडके बैंक का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में 45 प्रतिशत उछलकर 551 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली, जेएंडके बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में 45 प्रतिशत उछलकर 551 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 381 करोड़ रुपये रहा था। जेएंडके बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आमदनी सितंबर तिमाही में बढ़कर 3,420 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,954 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज आय बढ़कर 3,124 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,764 करोड़ रुपये थी। बैंक की परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है और सकल गैर–निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) सितंबर तिमाही के अंत में सुधरकर सकल कर्ज का 3.95 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले 5.26 प्रतिशत थी। शुद्ध एनपीए घटकर 0.85 प्रतिशत रह गया, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1.04 प्रतिशत था। बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) बढ़कर 14.99 प्रतिशत हो गया, जो सितंबर, 2023 के अंत में 14.53 प्रतिशत था।

मैक्रोटेक डेवलपर्स का शुद्ध लाभ सितंबर तिमाही में दोगुना होकर 423.1 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली, (भाषा) देश की प्रमुख रियल एस्टेट कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जुलाई–सितंबर तिमाही में दोगुना होकर 423.1 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 202.8 करोड़ रुपये था। लोढ़ा ब्रांड के तहत संपत्ति कारोबार करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स की कुल आमदनी सितंबर तिमाही में बढ़कर 2,684.6 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,755.1 करोड़ रुपये थी। मैक्रोटेक डेवलपर्स की मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे और बेंगलुरु में प्रमुख रूप से उपस्थिति है।

एनवीडिया ने एआई सम्मेलन के दौरान कई भारतीय कंपनियों के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली, (भाषा) चिप बनाने वाली दिग्गज कंपनी एनवीडिया ने भारतीय उद्यमों के साथ कई रणनीतिक साझेदारी की हैं। ये साझेदारियां कृत्रिम मेधा (एआई) और डेटा व्यवसाय में भारत की विशाल क्षमता से लाभ उठाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को बताती हैं। मुंबई में 'एनवीडिया एआई सम्मेलन 2024' के दौरान यह घोषणाएं की गईं। कार्यक्रम में इसके संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग ने वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता के रूप में भारत के भविष्य पर अपने विचार रखे। हुआंग ने कहा कि भारत को लंबे समय से एक सॉफ्टवेयर निर्यात केंद्र के रूप में पहचाना जाता है और अब देश एआई निर्यात में एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दहलीज पर है। एनवीडिया रिलायंस के डेटा सेंटरों के लिए अपने ब्लैकवेल एआई प्रोसेसर की आपूर्ति करेगी। इसके अलावा कंपनी योट्टा डेटा सर्विसेज और टाटा कम्युनिकेशंस जैसी कंपनियों के डेटा सेंटरों को हॉपर एआई चिप्स देगी।

एनवीडिया टेक महिंद्रा के साथ साझेदारी में एक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) शुरू कर रही है। यह केंद्र पुणे और हैदराबाद में टेक महिंद्रा के मेकर्स लैब के भीतर स्थित होगा। हुआंग ने कहा, ''भारत ने सॉफ्टवेयर का उत्पादन और निर्यात किया है... भविष्य में, भारत एआई का निर्यात करेगा।'' इस दौरान हनुमान एआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, ज्ञानी डॉट एआई और इंफोसिस ने भी एनवीडिया के साथ साझेदारी की है। हुआंग ने संवाददाताओं से कहा, ''आपके पास अपने देश में कच्चे डेटा को इकट्ठा करने और उसे बुद्धिमत्ता में बदलने में सक्षम होने के लिए महत्वपूर्ण तत्व हैं। आप इसे एक मॉडल में कोड कर सकते हैं और अपनी खुद की डिजिटल मेधा का निर्माण कर सकते हैं और उसे निर्यात कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और उन्हें उस वक्त का बेसब्री से इंतजार है जब भारत बड़े पैमाने पर एआई का निर्माण शुरू कर देगा।

Centre ensuring seamless paddy and CMR procurement in Punjab State

The target of 185 LMT for KMS 2024-25 to be fully procured: Joshi

New Delhi, Focus News: Union Minister of Consumer Affairs, Food and Public Distribution and New and Renewable Energy, Shri Pralhad Joshi held a Press Conference today on the measures taken by the Union Government to ensure seamless paddy and Custom Milled Rice (CMR) procurement in Punjab State. The Minister reiterated that the target of 185 LMT fixed for Kharif Marketing Season (KMS) 2024-25 will be fully procured and not a single grain of paddy will be left unprepared. The Minister also announced that an online portal for grievance redressal of rice millers will be launched shortly so that any difficulties faced by the stakeholders can be addressed promptly. In Punjab, the procurement of paddy officially commenced on October 1, 2024, with 2700 designated mandis, including temporary yards, to ensure smooth operations. Due to heavy rainfall in September and higher moisture content in paddy, the harvesting and procurement were slightly delayed. However, despite a late start, the state is on track now to achieve its target of procuring 185 LMT of paddy by November 2024. All measures are in place to ensure smooth procurement operations in Punjab for KMS 2024-25. As on 26th Oct 2024, out of 54.5 LMT arrival in mandis, 50 LMT of paddy has been procured. During KMS 2023-24, out of 65.8 LMT arrival, 61.5 LMT paddy had been procured by 26th Oct 2023. MSP for Paddy(Common) has seen a substantial rise from Rs 1310 /Qtl in 2013-14 to Rs 2300/Qtl in 2024-25. A total of 3800 millers have applied for registration out of which 3250 millers have already been allotted the work by the Punjab government. More millers are expected to register and be allotted the work in the next 7 days.

To ensure that adequate storage arrangements are in place for the CMR, several high level meetings have been conducted with the Punjab State Government and follow-up actions are being taken up on priority. This includes, speedy evacuation of wheat stock to deficit states, hiring of CWC / SWC Godowns on nomination basis, expediting creation of 31 LMT storage capacity under PEG scheme etc. Out of the All-India Movement plan of 34.75 LMT for the month of October, around 40% i.e 13.76 LMT is allocated to Punjab state. At present around 15 LMT storage space is vacant in Punjab. The delivery of CMR usually begins in December every year and by that time, sufficient space will be available to ensure smooth delivery of CMR by the millers. A detailed depot-wise plan has been prepared to evacuate 13-14 LMT of wheat every month from Punjab until March, 2025. A high-level committee under the chairmanship of Chairman and Managing Director of Food Corporation of India (CMD FCI) is monitoring the movement plan and storage capacity creation/ hiring on a weekly basis so as to facilitate storage of rice stocks of KMS 2024-25. There has also been demand from the millers for reduction of the existing 67% OTR (Out Turn Ratio from paddy to rice) set by FCI, citing that the paddy variety PR – 126 has been giving 4-5% lesser OTR than usual. PR- 126 variety has been in use in Punjab since 2016 and there had never been any such issues reported previously. It is understood that the primary reason this has been raised is the rise in hybrid varieties that are marketed in the name of PR- 126 in the state of Punjab. It is reported that hybrid varieties have a significantly lower OTR compared to PR – 126. OTR norms prescribed by the Government of India are uniform all over India and are agnostic of the seed variety. Procurement all over the country is primarily based on uniform specifications, commonly called Fair Average Quality (FAQ). Moreover, a study has been assigned to IIT Kharagpur for reviewing the present OTR and Driage incidentals of Paddy and the work is in progress. For this purpose, tests are being conducted in different rice procuring states including Punjab. With regard to the additional transportation charges incurred by the Rice millers, FCI has delegated power to the Regional level to allow additional transportation charges in case vacant space is not available in the designated depot beyond a waiting period of 15 days. The necessary customization for enabling the same has been made in the procurement portal. This issue has already been resolved to the satisfaction of the millers.

"Northeast with its Natural Harmony and Richness Empowers People for self-discovery& Inner Peace:" Jagdeep Dhankhar

New Delhi, Focus News: Bharat has long exemplified the principles of peace, harmony, brotherhood, and spirituality. Our ancient philosophy, 'Vasudhaiva Kutumbakam'—meaning 'The world is one family'—forms the essence of Indian civilization and culture. As we focus on the North-East, we invite peace, harmony, self-discovery, and a deeper devotional consciousness into our lives. Our nation's rich diversity carries an inherent message of unity, and with a foundation of spiritual knowledge and meditation, we strengthen our capacity to build a healthier society and nation,' said the Honourable Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar at the inaugural ceremony of 21st Biennial Convention of Krishnaguru International Spiritual Youth Society here today. The inaugural event was also attended by the Governor of Assam, Lakshman Prasad Acharya; the Chief Minister of Assam, Dr Himanta Biswa Sarma, the Union Minister of Ports, Shipping & Waterways, Shri Sarbananda Sonowal; CEM of BTC, Pramod Boro; Bhaktimatri Kuntala Patowary Goswami; and Kamala Gogoi, President, Krishnaguru International Spiritual Youth Society. Event was attended by devotees from different parts of the country, including Uttar Pradesh, Bihar, Haryana and Assam. Speaking on the occasion, the Vice President of India, Shri Jagdeep Dhankhar said, "When I reached at this event, it gave me a radiant energy after I met 'Guru' Gurukrishna Premananda Prabhu. I am going away with an energy with Ek Naam, Krishnaguru. By changing the name of Krishaguru, it brings about convergence spirituality and sublimity. I won't forget this moment ever. What I am seeing here is a remarkable, spectacular congregation of youth with dedication to nationalism, spiritually inclined and with a heart to give back to the society. This is because of their belief in Ek Naam - Krishnaguru. There is manifestation of powerful divine energy here - which has come from Holiness Parampujya Krishnaguru. He embodies the divine grace illuminating the hearts of his devotees with service, love, & humanity. I have seen the breathtaking scenery of Assam which makes conducive environment for people to enrich our hearts and minds with spirituality."

Adding further, the Vice President, said, "I am in Northeast. With its natural harmony allows people for self-discovery and inner peace. I have got a fresh lease of inner peace after I attended this programme here today. Our spiritual heritage, unlike any other in this world, rich and unique, is treasure trove of wisdom which is encapsulated in texts like Ramayana and Mahabharata. This is the crux of our identity and this is going to enlighten our youths and generations to come. The one who has contributed generously towards its propagation is Ek Naam - Krishaguru. Bhartiyata is our identity and for its propagation and invulnerability one stands firmly on ground - Ek Naam, Krishnaguru. Action should be guided by higher purpose which resonates strongly today when I was with Param Pujya." "We will keep inspiring society with the profound spiritual awareness and message of peace and brotherhood embodied by Krishna Guru. Following the path laid by Pramananda Prabhu, a significant channel for youth social service is emerging, engaging thousands in welfare activities and the pursuit of self-reliance," said the Governor of Assam, Lakshman Prasad Acharya. Speaking on the occasion, the Chief Minister Dr Himanta Biswa Sarma said, "The path to self-reliance through spirituality has been laid by Krishnaguru. Today, we see a society poised for enterprise. Under the visionary leadership of Prime Minister Narendra Modi, by 2047, India will play a strong role in the journey toward self-reliance. This direction of spiritual consciousness is also of utmost importance. I am honored to be present at this significant moment and extend my gratitude to the esteemed Vice President for inspiring the people of Assam."

CSIR Leads Mass Cleanliness Drive at New Delhi Railway Station as Part of Special Campaign 4.0

New Delhi, Focus News: As part of the ongoing Special Campaign 4.0, the Council of Scientific & Industrial Research (CSIR), in coordination with the Northern Railways, carried out a cleanliness drive at the New Delhi Railway Station. Dr N Kalaiselvi, the DG, CSIR and Shri Mahesh Yadav, Station Director, New Delhi Railway Station lead the cleanliness drive. During the event, the Safai Mitras of New Delhi Railway Station were felicitated by CSIR, underscoring CSIR's appreciation for the contributions of sanitation workers in maintaining public cleanliness. During the drive, the Northern Railways demonstrated its various advanced motorized equipment and cleaning systems to maintain cleanliness at the railway station. In a bid to promote environmental sustainability, DG, CSIR and Secretary, DSIR; Joint Secretary, CSIR, and Director, CSIR-IMMT spearheaded a plantation drive. This effort was aligned with CSIR's ongoing initiatives #Plant4Mother and #EkPedMaaKeNaam, aimed at increasing green cover and fostering ecological balance. The CSIR team also performed a skit showcasing CSIR's contributions including its collaboration with the Indian Railways and many technologies, especially those related to waste management. The event was presided by Dr. N Kalaiselvi, Director General, CSIR and Secretary DSIR along with the participation of Shri Mahendra Kumar Gupta, Joint Secretary (Admin.), Dr. Ramanuj Narayan, Director, CSIR-IMMT, Mayank Mathur, Chief Scientist and Nodal Officer, Special Campaign 4.0, Dr. A.S. Nirmala Devi, Principal Scientist and Deputy Nodal Officer and other dignitaries from CSIR. From Northern Railway, Mahesh Yadav, Station Director and other dignitaries participated in the event and extended their support. The partnership between CSIR and Indian Railways exemplifies a unified effort towards achieving the goals of Special Campaign 4.0 under Swachh Bharat Abhiyan.

Indian Railways & Ministry of Women & Child Development launch Revised SOP for the Protection of Vulnerable Children

New Delhi, Focus News: The safety of women and children remains a top priority for the government. While appreciating crucial contribution of Indian Railways in making Rail travel safe for women & children, the Ministry of Women and Child Development has assured the Railways that funding will not be a constraint for its efforts in making the Rail travel safe for women and children. In a landmark initiative to protect vulnerable children found on railway premises nationwide, Railway Protection Force (RPF), in collaboration with the Ministry of Women and Child Development, has launched an updated Standard Operating Procedure (SOP) at Rail Bhawan in New Delhi on 25.10.2024. This comprehensive SOP outlines a robust framework for safeguarding children who come into contact with Indian Railways. During the launch of the Standard Operating Procedure (SOP), Shri Anil Malik, Secretary, MoWCD, praised Indian Railways for its initiatives to enhance the safety and security of juveniles through measures like installing CCTV and face recognition technology at upgraded railway stations. With over 2.3 crore passengers traveling by rail each day, including 30 percent women—many of whom travel alone—there is a pressing need to safeguard vulnerable groups, especially juveniles who risk exploitation by human traffickers. At the event, the Railway Protection Force (RPF) briefed MoWCD officials on the importance of reinforcing Anti-Human Trafficking Units (AHTUs) and urged states such as Assam, Gujarat, Haryana, Punjab, Chhattisgarh, and Madhya Pradesh to establish these units at their railway stations to prevent trafficking and enhance passenger safety. RPF is undertaking a very proactive role to make sure that its premises are not used by human traffickers to abet the transportation of child. RPF has rescued 57,564 children in last five years from trafficking. Out of them 18,172 were girls. Further the force made sure that 80 percent of these children were reunited with their families. Under the 'Operation Nanhe Farishte', RPF has introduced a series of focused initiatives to secure safety of children throughout the railway network. Recognizing the continuing challenge of

Total person days generated between FY 2006-07 to FY 2013-14 were 1660 crore, whereas, the total person days between FY 2014-15 to FY 2024-25 has been 2923 crore

New Delhi, Focus News: It has been noticed by the Ministry of Rural Development that some section of the media has quoted that "Rural Employment under MGNREGS dip by 16% in first half of current year. The Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act 2005 (Mahatma Gandhi NREGA) aims at enhancing livelihood security of households in rural areas of the country by providing at least one hundred days of guaranteed wage employment in a financial year to every household whose adult members volunteer to do unskilled manual work. It may be noted that the total person days generated between FY 2006-07 to FY 2013-14 were 1660 crore, whereas, the total person days between FY 2014-15 to FY 2024-25 has been 2923 crore. Since MGNREGA is a demand driven scheme and current FY is still ongoing, hence, it is not possible to fix an exact target of person days generation. However, the states/UTs can send proposal for labour budget revision as per the local felt needs. Under Mahatma Gandhi NREGA Direct Benefit Transfer, all payments to the workers are to be credited into the accounts of the workers. The crediting of payments are done using the Aadhaar number of the beneficiary with which the account is linked. ABPS conversion is a major reform process where benefits are credited directly into the bank accounts based on the Aadhaar of the workers under Mahatma Gandhi NREGS, preferably Aadhaar Based Payments, cutting several layers in the delivery process. APBS helps in better targeting, increasing the efficiency of the system and reducing the delays in payments, ensuring greater inclusion by curbing leakages and thereby, controlling expenditure and promoting greater accountability and transparency. The major benefit of ABPS conversion in Mahatma Gandhi NREGA is to minimize the rejection of transactions due to the frequent changing of accounts. Still, it also helps to maximize the performance of DBT. As on 26.10.2024, Aadhar seeding has been done for 13.10 crore active workers, which is 99.3% of total active workers (13.18 crore). It is a fallacious argument that workers' demand for work is not registered if their accounts are not ABPS-enabled and that their wages remain unpaid because of this reason. In case of non-eligible workers, whose ABPS is still pending, states/UTs have been requested to sensitize all banks to ensure timely seeding of Aadhar numbers of NREGS beneficiaries into NPCI mapper. In this regard, it is also informed that if any transaction returns from NPCI/Bank with any valid reason for rejection under ABPS then that transaction can be regenerated from NACH (National Automated Clearing House) payment mode. Therefore, there already exists an alternative solution at NREGASoft in the form of NACH Payment mode (i.e. Account Based) for the regeneration of failed transactions under ABPS. States/UTs have been continuously sensitized regarding this. Job card verification is a continuous process under Mahatma Gandhi NREGS. This exercise is conducted by states/UTs with the help of the Aadhaar number as a tool of de-duplication. Job cards can be cancelled/deleted, after due verification, only if it is a fake job card (incorrect job card)/ duplicate job card/ household not willing to work/ family shifted from Gram Panchayat permanently/ single person in job card and that person has expired.

India's Science and Tech Ambitions Reach New Heights: Dr. Jitendra Singh Details Transformative Initiatives

New Delhi, Focus News: In a forward-looking discussion with the media, Union Minister Dr. Jitendra Singh laid out the government's bold and strategic vision for India's science and technology sectors and said that Modi 3.0 "science push" is aimed at realising "Viksit Bharat". From launching a ₹1,000 crore venture capital fund to support Space StartUps to introducing the Bio E3 policy aimed at creating a bioeconomy, the Modi government's major initiatives in the first 100 days of its third term signify its commitment to advancing India's role on the global innovation stage, the Minister said.. The Minister highlighted that these initiatives not only bolster India's scientific prowess but also contribute to a sustainable, self-reliant economy that can withstand global shifts in industry and resources. Dr. Jitendra Singh opened by emphasizing the speed at which India has embraced major reforms in science and technology. "In the first 100 days of Prime Minister Modi's third term, we have laid the groundwork for transformative changes in science, technology, and innovation," he said. He pointed out that the Prime Minister's vision prioritises long-term, out-of-the-box initiatives to ensure India's leadership in critical domains like space exploration, biotechnology, and meteorology.

One of the major highlights of Dr. Jitendra Singh's interaction was the announcement of a ₹1,000 crore venture capital fund exclusively for the space sector. This fund, approved by the cabinet, is part of a broader plan to leverage India's growing base of nearly 300 space startups. In the span of just a few years, India has seen a remarkable shift in its space ecosystem, following the government's decision to open the sector to private players. According to Dr. Jitendra Singh, this decision has helped unlock India's potential, allowing it to grow from a single-digit startup presence to an ecosystem with hundreds of space tech companies today. "India's space economy will play a critical role in our country's growth," Dr. Jitendra Singh noted, referencing the global recognition India has garnered from achievements like the Chandrayaan-3 mission. He further highlighted the Gaganyaan mission, India's first human crewed space mission has been scheduled, which will include a female robot test flight as a final dress rehearsal before sending human astronauts into space. "Our advancements are not just about joining the ranks of other spacefaring nations, but also about leading with innovation, precision, and reliability," he added.

With the Bio E3 policy, Dr. Jitendra Singh underscored a vision for a "bio-driven" future, asserting that the next industrial revolution will stem from bioeconomy initiatives rather than traditional manufacturing. The policy, which covers Biotechnology for Environment, Economy, and Employment, is designed to create self-sufficiency in resources while reducing dependency on imports. A key objective, he explained, is the shift from petroleum-based resources to biofuel alternatives, enabling waste-to-fuel transformations and other sustainable practices. "Our natural resources, including rich bioresources along the Himalayas and a 7,500-Kilometre coastline, position us uniquely to drive this revolution," Dr. Jitendra Singh said. "We're tapping into the biotechnology potential of the regions, ensuring economic growth that is both inclusive and environmentally sustainable." Dr. Jitendra Singh also announced significant updates on Mission Mausam, an initiative launched within the first 100 days of Modi's third term, aimed at enhancing the accuracy of meteorological forecasts. The mission, which integrates space and IT technologies, allows India to provide real-time, actionable weather forecasts, not only for India but also for neighbouring countries, including Bangladesh, Nepal, and Sri Lanka. Reflecting on India's legacy in meteorology, he acknowledged that the sector has struggled to receive adequate investment until recently. "Now, we're not just forecasting the weather. We're helping citizens understand the implications of weather events and prepare accordingly," he said. New AI-driven applications will allow for hyper-local, hour-by-hour forecasts for farmers and other stakeholders who depend on reliable predictions. "Our aim is to deliver global-standard forecasts and move towards predictive models that empower our agricultural sector," Dr. Jitendra Singh emphasised.

A cornerstone of India's approach under Prime Minister Modi, Dr. Jitendra Singh noted, is an all-encompassing strategy where scientific disciplines converge to produce more impactful outcomes. He highlighted that such collaboration is essential to achieving India's broader developmental goals, with the science and tech sectors working cohesively to drive transformative results. Dr. Jitendra Singh pointed to the India-Germany science partnership as an example of this whole-of-science vision. Germany, hosting over 50,000 Indian students and researchers, has become a preferred destination for Indian scholars pursuing innovative projects. "Germany and India's collaboration, particularly in areas like biotechnology and renewable energy, underscores the importance of international partnerships in realising our scientific ambitions," he said. Dr. Jitendra Singh closed by emphasizing that the government's science and technology initiatives are rooted in a commitment to self-reliance and global leadership. By strategically investing in space and biotechnology, India is not only fostering economic growth but also aligning with the sustainable goals needed to tackle future challenges. These policies, he asserted, reflect the country's ambition to lead in domains that impact both economic resilience and the well-being of the public. India's journey toward a self-reliant, scientifically advanced future is being mapped with each new policy, fund, and partnership, Dr. Jitendra Singh affirmed. "Our goal is to make science work for India – to solve our challenges, to drive our economy, and to ensure that our citizens benefit directly from every innovation and breakthrough we make."

PM's vision of One Nation One Card which is called National Common Mobility Card is now becoming reality : Manohar Lal

New Delhi, Focus News: Union Minister for Housing & Urban Affairs and Power, Shri Manohar Lal addressed the valedictory session of the three days 17th Urban Mobility India (UMI) Conference & Exhibition 2024 at Mahatma Mandir, Gandhinagar, Gujarat today. The other dignitaries present at this premier event which is dedicated to the advancement of sustainable urban mobility solutions were, Shri Tokhan Sahu, Union Minister of State for Housing and Urban Affairs, Shri Kanubhai Desai, Minister of Finance and Energy, Government of Gujarat, Shri K C Mohapatra, Minister of Housing and Urban Development, Public Enterprises, Government of Odisha, Shri Srinivas R Katikithala , Secretary, Ministry of Housing & Urban Affairs. Addressing the valedictory Session, Union Minister Shri Manohar Lal stated that under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi India has now come to the third position in the world in terms of operational rail network. Very soon Indian Metro network shall become second largest. Hon'ble Prime Minister's vision of One Nation One Card which is called National Common Mobility Card (NCMC) is now becoming reality and most of the Metros in India have adopted NCMC and this is going to be a game changer in Urban Mobility sector. Tokhan Sahu, MoS, Housing and Urban Affairs applauded the Urban Mobility India (UMI) yearly conference initiative since 2008 in addressing the issues of Urban Mobility in India. He is also delighted to share surpassing of more than 1 crore daily ridership of Metro trains in the country . He has also highlighted that vision and commitment of Hon'ble Prime Minister of India towards "Viksit Bharat 2047". The UMI has different categories of award in the field of Transport Sector especially in the Urban Transport. The awards are given to the state / city authorities for "Excellence/ best practice projects in Urban Transport". The following 12 categories of awards were given to the winners who have been recommended by the Awards Selection Committee headed by the high level officers of the Government and experts of the field:

City with the Most Sustainable Transport System;
City with the Best Public Transport System;
City with the Best Non-Motorised Transport System; City with Best Safety and Security System & Record;
City with the Best Intelligent Transport System (ITS);
City with the Most Innovative Financing Mechanism;
City with Best Record of Public Involvement in Transport;
City with the Best Freight Transport system;
City with the Best Green Transport Initiative;
Metro Rail with the Best Multimodal Integration;
Metro Rail with the Best Passenger Services and Satisfaction; and
Running trophy for the State / UT, which has Implemented Best Urban Transport projects during the previous year.

Railway Protection Force Organizes Commemorative Events in Memory of RPF Martyrs During Police Commemoration Week on October 28, 2024

New Delhi, Focus News: The Railway Protection Force (RPF) will hold a series of commemorative events culminating in a day-long program at the National Police Memorial in New Delhi on October 28, 2024, to honour the memory and sacrifice of police martyrs. These observances, will be held in conjunction with Police Commemoration Week (October 21–30), reflect the RPF's commitment to recognizing the courage, dedication, and sacrifices made by its personnel. The commemorative events began on October 21, 2024, in line with the vision of Prime Minister Shri Narendra Modi to share the stories of selflessness and valour of martyrs with the nation, especially in the communities where they were raised and educated. As part of these initiatives, the RPF honoured the families of its martyrs across nine states, with ceremonies held in local communities such as panchayats and schools where these heroes once studied. These heartfelt gatherings fostered a strong bond between the RPF and the communities, ensuring the martyrs' legacies continue to inspire the next generation. The concluding day of events on October 28 which has been allotted to RPF will feature two main sessions: morning and evening, each dedicated to celebrating and commemorating the RPF's brave martyrs. Families of the martyrs will be given a guided visit to the National Police Museum, Wall of Valour, and the National Rail Museum. During their visit to the National Police Memorial, they will be briefed on the vital role of the Central Police Forces in national security and the historical contributions of RPF personnel to the growth, operation, and security of Indian Railways at the iconic National Rail Museum. The evening session will be graced by the presence of Shri Ravneet Singh, Union Minister of State for Railways and Food Processing Industries, who will preside over the event at the National Police Memorial.

यूरोपीय संघ दुग्ध क्षेत्र को खोलने पर जोर देता है, तो कोई समझौता नहीं होगा : गोयल

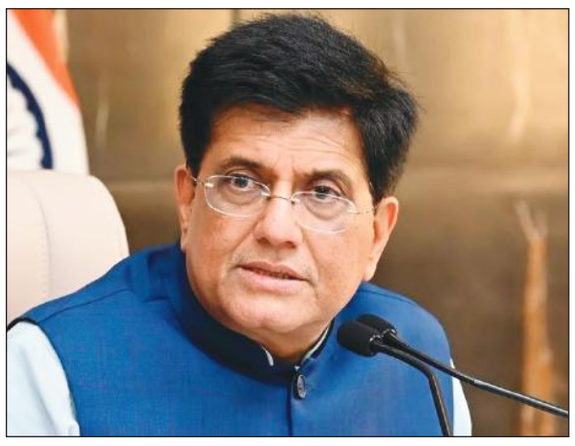

नयी दिल्ली, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता वार्ता में तेजी लाने के लिए आपसी संवेदनशीलता को समझने तथा उसका सम्मान करने पर शुक्रवार को जोर दिया। उन्होंने साथ ही स्पष्ट किया कि यदि यूरोपीय संघ दुग्ध क्षेत्र को खोलने पर जोर देता है तो कोई समझौता नहीं होगा। 'एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस' के यहां आयोजित 18वें सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि श्रम तथा जलवायु परिवर्तन जैसे ''बाह्य'' मुद्दों पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को एक–दूसरे की संवेदनशीलता को समझना होगा, सुनना होगा और उसकी सराहना करनी होगी। गोयल ने कहा, '' आप (ईयू) 27 देश हैं, जिनकी अलग–अलग प्राथमिकताएं हैं। भारत में 27 राज्य हैं। हो सकता है कि मैं एक राज्य में सेब उगा रहा हूं, जो मुझे सेब क्षेत्र को खोलने की अनुमति नहीं देता है।'' उन्होंने साथ ही कहा कि ईयू सदस्य देशों की प्रति व्यक्ति आय भारतीय राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। मंत्री ने कहा कि वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए व्यापार, निवेश तथा गहन रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है। गोयल ने कहा, '' यदि हम इन बातों का सम्मान करें तो एफटीए बेहद सम्मानजनक, सराहनीय तरीके से और तेजी से किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, '' सबसे पहले जो बात आती है वह यूरोपीय संघ के 27 देशों और भारत के मेरे 27 राज्यों के बीच की संवेदनशीलता है... यदि हम एक–दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं, जैसा कि संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया तथा यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन (ईएफटी) के साथ है... तो हम केवल एक–दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं और ऐसे मुद्दों पर सीमा नहीं लांघते जो ठेस पहुंचा सकते हैं। मिसाल के तौर पर दुग्ध..., मैं दुग्ध क्षेत्र नहीं खोल सकता। यदि यूरोपीय संघ जोर देता है कि मैं दुग्ध क्षेत्र के द्वार उसके लिए खोलूं, तो कोई एफटीए नहीं होगा।'' गोयल ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ दुग्ध क्षेत्र के बिना अपना पहला एफटीए किया क्योंकि वे भारत के मुद्दों का सम्मान करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन को झारखंड की कलाकृति भेंट की

नयी दिल्ली, फोकस न्यूज, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को झारखंड की एक कलाकृति भेंट की, जबकि ईरान और उज्बेकिस्तान के नेताओं को महाराष्ट्र के हस्तशिल्प उत्पाद उपहार में भेंट किए। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को 'मदर ऑफ पर्ल' (एमओपी) सी–शेल फूलदान भेंट किया। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों के कारीगरों से प्राप्त यह फूलदान राज्य की कुशल शिल्पकला और प्राकृतिक सौंदर्य का प्रमाण है। मोदी ने उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव को एक पारंपरिक वारली पेंटिंग भेंट की, जो महाराष्ट्र की वारली जनजाति की एक प्रतिष्ठित कला है। अधिकारियों ने पेंटिंग के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला, जो लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है और अब अपनी विशिष्ट शैली और सुंदरता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुनियादी ज्यामितीय आकृतियों से निर्मित वारली चित्रकला प्रकृति, त्योहारों और सामुदायिक गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी जीवन को दर्शाती है। वर्ष 2014 में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त वारली कला समकालीन माध्यमों में विकसित हो चुकी है, जो एक स्थायी तथा अनुकूलनीय विरासत का प्रतीक है। पुतिन को झारखंड के हजारीबाग जिले की एक सोहराई पेंटिंग भेंट की गई। सोहराई पेंटिंग को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) उत्पाद के रूप में मान्यता प्राप्त है। वे प्राकृतिक रंगों और सरल उपकरणों के उपयोग के लिए जाने जाते हैं। कलाकार अक्सर जटिल डिजाइन बनाने के लिए टहनियों, चावल के भूसे या यहां तक कि उंगलियों से बने ब्रश का उपयोग करते हैं। वे अपनी सरल लेकिन अभिव्यंजक कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पशु, पक्षी और प्रकृति का चित्रण कृषि जीवन शैली और आदिवासी संस्कृति में वन्यजीवों के प्रति श्रद्धा का प्रतिबिंब है।

देपसांग, डेमचोक में सैनिकों की वापसी पहला कदम, तनाव कम करना अगला कदमः जयशंकर

मुंबई, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में सैनिकों का पीछे हटना पहला कदम है, और उम्मीद है कि भारत 2020 की गश्त की स्थिति में वापस आ जाएगा। विदेश मंत्री ने स्पष्ट रूप से चीन का जिक्र करते हुए कहा कि अगला कदम तनाव कम करना है, जो तब तक नहीं होगा जब तक भारत को यकीन नहीं हो जाता कि दूसरी तरफ भी यही हो रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारत ने घोषणा की कि उसने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त करने को लेकर चीन के साथ समझौता कर लिया है। चार साल से अधिक समय से पूर्वी लद्दाख में जारी सैन्य गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में यह एक बड़ी सफलता है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि देपसांग और डेमचोक में गश्त करने और पीछे हटने पर आम सहमति बन गई है। उन्होंने कहा, ''यह स्पष्ट है कि इसे लागू करने में समय लगेगा। यह पीछे हटने और गश्त का मुद्दा है, जिसका मतलब है कि हमारी सेनाएं एक–दूसरे के बहुत करीब आ गई थीं और अब वे अपने ठिकानों पर वापस चली गई हैं। हमें उम्मीद है कि 2020 वाली स्थिति बहाल हो जाएगी।''

रोजगार सृजन सबसे बड़ा वैश्विक मुद्दा : सीतारमण

वाशिंगटन, (भाषा) वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रोजगार सृजन को सबसे बड़ा वैश्विक मुद्दा बताते हुए, विश्व बैंक से रोजगार सृजन करने वाले उच्च प्राथमिकता के कौशल क्षेत्रों की पहचान करने के लिए देशों के साथ सहयोग करने का आह्वान किया। सीतारमण 'विश्व बैंक को अपनी भविष्य की रणनीतिक दिशा कैसे तय करनी चाहिए तथा ग्राहकों को उभरते मेगाट्रेंड के साथ तालमेल रखने के लिए अधिक नौकरियों के सृजन में कैसे मदद करनी चाहिए' विषय पर एक चर्चा में अपनी बात रख रही थीं। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर जानकारी दी, '' सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि निरंतर आर्थिक चुनौतियों और तेजी से हो रहे प्रौद्योगिकी बदलावों को देखते हुए नौकरियां सबसे बड़ी वैश्विक समस्या बनी हैं, जो युवाओं के लिए नौकरी बाजार में प्रवेश करने के वास्ते आवश्यक कौशल को पुनर्परिभाषित कर रही हैं।'' उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि विश्व बैंक ने इससे पहले क्षेत्रीय रुझानों तथा रोजगार पर उनके संभावित प्रभाव पर कई अध्ययन किए हैं। इनमें 'हरित नौकरियां', कृत्रिम मेधा के चलन में आने के बाद नौकरियां और बदलती जनसांख्यिकी के कारण बदलाव जैसे क्षेत्र आदि विषयों पर अध्ययन किए गए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय की मांग है कि अधिक व्यापक, बहु–क्षेत्रीय विश्लेषण किया जाए। इसमें इस बात पर गौर किया जाए कि उभरते रुझान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं और कैसे नौकरी छूटने तथा नौकरी सृजन दोनों को प्रभावित करते हैं। वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में विश्व बैंक से आग्रह किया कि वह डेटा, विश्लेषण तथा ज्ञान कार्य के आधार पर उच्च प्राथमिकता वाले कौशल क्षेत्रों की पहचान करने में देशों के साथ सहयोग करे, जिसमें रोजगार सृजन, कौशल मिलान और श्रम बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पानीपत मैराथन को हरी झंडी दिखाई

चंडीगढ़, फोकस न्यूज, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पानीपत में एक मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाई और युवाओं से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशीले पदार्थों से दूर रहने का आग्रह किया। सैनी ने पत्रकारों से कहा कि मैराथन का उद्देश्य शरीर को स्वस्थ रखना है, ताकि राज्य और देश तेजी से विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि पानीपत मैराथन में युवाओं, महिलाओं और बच्चों सहित हजारों लोगों ने हिस्सा लिया। मैराथन तीन श्रेणियों–पांच, 10 और 21 किलोमीटर में आयोजित की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, "ऐसे आयोजन बीमारियों को दूर रखने और स्वस्थ रहने में हमारी मदद करते हैं।" सैनी ने युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने का आग्रह किया और कहा कि उनका ध्यान खेल एवं पढ़ाई पर होना चाहिए।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने दुकान पर लोगों के लिए चाय बनाई

सतना, फोकस न्यूज, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव रविवार को अचानक सतना के चित्रकूट में सड़क किनारे की एक दुकान पर रुके और आसपास के लोगों के लिए चाय बनाई। यादव और उनकी पत्नी सीमा यादव इलाके में मंदिरों में दर्शन करने गए थे। मुख्यमंत्री फुटपाथ की रेलिंग के जरिए स्टॉल पर पहुंचे, इसकी मालकिन राधा से बातचीत की और चाय बनाने लगे। तभी वहां खड़े एक व्यक्ति ने पूछा कि क्या उन्होंने कभी अपनी पत्नी के लिए चाय बनाई है? यादव ने कहा, ''वह (अपनी पत्नी का जिक्र करते हुए) मेरी बहन नहीं है (कि मैं उसके लिए चाय बनाऊं)। मैं अपनी बहन के लिए चाय बनाऊंगा।''